साप्ताहिक

आरएनआई न. :– जेकेएचआईएन/25/ए0631

सबका जम्मू कश्मीर

हिन्दी • वर्षः 1 • अंकः 28 • कठुआ, शनिवार 7 दिसंबर 2025 • पृष्ठः 16 • मूल्यः 5 रुपए

भारत-रूस 2030 से पहले 100 अरब डॉलर का द्विपक्षीय व्यापार लक्ष्य हासिल कर लेंगे : प्रधानमंत्री मोदी

सबका जम्मू कश्मीर

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को विश्वास जताया कि भारत और रूस के बीच 100 अरब डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार लक्ष्य को 2030 से पहले हासिल कर लिया जाएगा।

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ भारत–रूस व्यापार मंच को संबोधित करते हुए मोदी ने रूसी व्यवसायों को श्आओ और मेक इन इंडिया..और भारत के साथ साझेदारी करेश का न्योता दिया। प्रधानमंत्री ने याद किया कि पिछले साल राष्ट्रपति पुतिन और उन्होंने 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 100 अरब डॉलर तक पहुँचाने का लक्ष्य रखा था। मोदी ने

कहा, ष्हालांकि, राष्ट्रपति पुतिन के साथ आगे की चर्चाओं और हमारी साझेदारी की अपार संभावनाओं को देखते हुए, मुझे विश्वास है कि हम इस लक्ष्य को तय समय से पहले ही हासिल कर लेंगे। हम इस लक्ष्य की ओर तेज़ी से आगे बढ़ रहे हैं।ष्

उन्होंने आगे कहा कि व्यवसायों के लिए सरल और विश्वसनीय व्यवस्थाएँ बनाई जा रही हैं और भारत और यूरेशियन आर्थिक संघ के बीच मुक्त व्यापार समझौते पर चर्चा शुरू हो गई है।

उन्होंने कहा कि चाहे व्यापार हो या कूटनीति, किसी भी साझेदारी की नींव आपसी विश्वास ही होता है।

प्रधानमंत्री ने कहा, ष्भारत–रूस संबंधों की सबसे बड़ी ताकत यह विश्वास है। यही विश्वास हमारे संयुक्त प्रयासों को दिशा और गति प्रदान करता है।ष् उन्होंने आगे कहा कि यह वह लॉन्चपैड है जो नए सपनों और आकांक्षाओं की उड़ान भरने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि भारत किफायती, कुशल इलेक्ट्रिक वाहनों, दोपहिया वाहनों और सीएनजी मोबिलिटी समाधानों में वैश्विक अग्रणी है, जबकि रूस उन्नत सामग्रियों का एक प्रमुख उत्पादक है। मोदी ने कहा कि ईवी निर्माण, ऑटोमोटिव कंपोनेंट्स और साझा मोबिलिटी तकनीकों

■ शेष पेज 2...

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने एसकेआईएमएस के 43वें स्थापना दिवस को संबोधित किया

सबका जम्मू कश्मीर

श्रीनगर : मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने आज शेर–ए–कश्मीर अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर में शेर–ए–कश्मीर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के 43वें स्थापना दिवस समारोह की अध्यक्षता की और जम्मू–कश्मीर में स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढांचे के विस्तार और तृतीयक देखभाल को मजबूत करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

इस कार्यक्रम में स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा मंत्री सकीना मसूद इटू, ग्रामीण विकास और पंचायती राज मंत्री जाविद अहमद डार और मुख्यमंत्री के सलाहकार नासिर असलम वानी, एम्स नई दिल्ली के निदेशक डॉ. एम. श्रीनिवास, जो वर्चुअली शामिल हुए, शेर–ए–कश्मीर के वक्ता डॉ. माधवानंद कर; एसकेआईएमएस के निदेशक डॉ. एम. अशरफ गनी; डीन मेडिकल फैकल्टी ेझ्र्रैः प्रिंसिपल ेझ्र्रै डब्क बेमिना डॉ. फजलुल क्यू पारे विधायक, एसकेआईसीसी के निदेशक हारिस अहमद हांडू, वरिष्ठ संकाय सदस्य, शोधकर्ता, डॉक्टर, छात्र और स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों की एक बड़ी सभा।

अपने संबोधन में, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि उनकी सरकार ने हमेशा एसकेआईएमएस को पूर्ण वित्तीय सहायता दी है और आगे भी अधिक जोश

■ शेष पेज 2...

उद्योग-अकादमिक साझेदारी अब केवल इच्छा पर आधारित नहीं, विकास का एकमात्र विकल्प : डॉ. जितेंद्र

सबका जम्मू कश्मीर

नई दिल्ली : केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी; पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा प्रधानमंत्री कार्यालय, परमाणु ऊर्जा विभाग, अंतरिक्ष विभाग, कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने आज यहां कहा कि वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में उद्योग–अकादमिक साझेदारी अब केवल पसंद की बात नहीं रह गई है, बल्कि विकास का एकमात्र विकल्प है।

उन्होंने उद्योग, अकादमिक जगत और सरकार के बीच गहन एवं निरंतर सहयोग का आह्वान करते हुए कहा कि यदि भारत खुद को एक वैश्विक अनुसंधान और नवाचार केंद्र के रूप में स्थापित करना चाहता है तो ऐसी साझेदारियां अब वैकल्पिक नहीं रह गई हैं। भारतीय उद्योग

परिसंघ (सीआईआई) द्वारा आज यहां आयोजित उद्योग–अकादमिक साझेदारी 2025 पर वैश्विक शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए, जिसका विषय था ष्अनुसंधान एवं विकास के एक महाशक्ति के रूप में भारत के उदय को गति देनारू साझेदारियां बनाना, उत्कृष्टता को बढ़ावा देनाष् मंत्री ने कहा कि विज्ञान, प्रौद्योगिकी और रणनीतिक क्षेत्रों में भारत की विकास महत्वाकांक्षाओं के लिए साझा जिम्मेदारी और भागीदारी पर आधारित एक पारिस्थितिकी तंत्र की आवश्यकता है।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने अनुसंधान और नवाचार के प्रति राष्ट्रीय दृष्टिकोण में आए बदलाव पर प्रकाश

■ शेष पेज 2...

वक्फ पंजीकरण के लिए कोई समय सीमा नहीं बढ़ाई गई, 3 महीने की राहत उन लोगों के लिए जिन्होंने कोशिश की लेकिन नहीं कर पाए : रिजिजू

सबका जम्मू कश्मीर

नई दिल्ली : अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने शुक्रवार को उम्मीद पोर्टल पर वक्फ संपत्तियों के पंजीकरण की समय सीमा बढ़ाने से इनकार कर दिया, लेकिन कहा कि जिन लोगों ने पंजीकरण का प्रयास किया, लेकिन पूरा नहीं कर सके, उनके लिए एक रास्ता निकाला जाएगा और उन्हें अगले तीन महीनों के लिए जुर्माने से छूट दी जाएगी।

उन्होंने यह भी कहा कि शुक्रवार सुबह तक 1.51 लाख संपत्तियों का पंजीकरण हो चुका था।

मंत्री ने जोर देकर कहा कि जिन मुतवल्ली (वक्फ संपत्ति की देखभाल करने वाले) ने पोर्टल पर पंजीकरण नहीं कराया है, वे अपने संबंधित वक्फ न्यायाधिकरण से संपर्क कर सकते हैं। केंद्र

■ शेष पेज 2...

लाल किला विस्फोट : अदालत ने आरोपी सोयब की एनआईए हिरासत 10 दिन बढ़ाई

सबका जम्मू कश्मीर

नई दिल्ली : दिल्ली की एक अदालत ने शुक्रवार को लाल किले पर हमला करने वाले उमर–उन नबी को शरण देने के आरोपी फरीदाबाद निवासी सोयब की एनआईए हिरासत 10 दिनों के लिए बढ़ा दी।

जांच एजेंसी ने सोयब को उसकी पिछली 10 दिन की हिरासत की अवधि समाप्त होने पर शुक्रवार को कड़ी सुरक्षा के बीच पटियाला हाउस कोर्ट में पेश किया, जो 26 नवंबर को दी गई थी। मीडियाकर्मियों को कार्यवाही को कवर करने से रोक

■ शेष पेज 2...

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

शेष पेज 1 से.....

भारत-रूस 2030...

में साझेदारी करके, दोनों देश न केवल अपनी घरेलू माँगों को पूरा कर सकते हैं, बल्कि ग्लोबल साउथ के विकास में भी योगदान दे सकते हैं।

राष्ट्रपति पुतिन ने कहा कि रूस विभिन्न क्षेत्रों में भारत के साथ अपने बहुआयामी संबंधों को मजबूत करने के पक्ष में है।

उन्होंने यह भी कहा कि रूसी कंपनियाँ भारत से विभिन्न प्रकार की वस्तुओं और सेवाओं की खरीद बढ़ाने के लिए तैयार हैं।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला...

के साथ ऐसा करती रहेगी।

उन्होंने घोषणा की कि नई एसएएससीआई फंडिंग विंडो, जो पहले केवल राज्यों के लिए उपलब्ध थी, अबकृउनके हस्तक्षेप के बादकृकेंद्र शासित प्रदेशों के लिए भी बढ़ा दी गई है। उन्होंने कहा कि इससे जम्मू–कश्मीर के लिए दीर्घकालिक, शून्य–ब्याज पूंजीगत व्यय ऋण प्राप्त करने का एक अभूतपूर्व अवसर पैदा हुआ है। "इस वर्ष, हमें अंततः एसएएससीआई तक पहुँच प्राप्त हुई। इस तंत्र के तहत, अब हम पूंजी निवेश के लिए धन प्राप्त कर सकते हैं। यह हमारे लिए एक अनूठा अवसर है, और मैं चाहता हूं कि एसकेआईएमएस

इसका पूरा लाभ उठाए, "मुख्यमंत्री ने कहा। मुख्यमंत्री ने शेर–ए–कश्मीर शेख मोहम्मद अब्दुल्ला की चिरस्थायी विरासत के बारे में विस्तार से बात की और कहा कि उनके काल में झ्प्डै की स्थापना एक दूरदर्शी कार्य था जिसकी आज भी कोई बराबरी नहीं है। उमर अब्दुल्ला ने कहा, ष्आज भी, मुझे यह कल्पना करना मुश्किल लगता है कि शेर–ए–कश्मीर उस समय इस स्तर के संस्थान की कल्पना और निर्माण कैसे कर पाए। अगर आज कोई मुझसे पूछे कि क्या जम्मू–कश्मीर सरकार झ्प्डै जैसा एक और अस्पताल या झ्प्ब्ब जैसा परिसर बना सकती है, तो मैं कहूँगा कि यह लगभग असंभव है।ष उन्होंने कहा कि झ्प्डै उन्नत उपचार के लिए पसंदीदा स्थान बना हुआ है और उन्होंने संस्थान के डॉक्टरों, नर्सों और पैरामेडिकल स्टाफ की इसके मानकों को बनाए रखने के लिए प्रशंसा की। एम्स के निद.शक डॉ. श्रीनिवास की टिप्पणियों का हवाला देते हुए, उन्होंने कहा कि झ्प्डै की स्थापना के पीछे एक उद्देश्य जम्मू–कश्मीर के उन मरीजों को उन्नत उपचार प्रदान करना था जिन्हें अन्यथा इलाज के लिए जम्मू–कश्मीर से बाहर जाना पड़ता था। उन्होंने कहा, ष्दशकों बाद भी, झ्प्डै उस उद्देश्य को उल्लेखनीय रूप से पूरा करता है।ष

एसकेआईएमएस में मरीजों की बढ़ती संख्या पर प्रकाश डालते हुए, मुख्यमंत्री ने ज़ोर देकर कहा कि ज़िला और उप–ज़िला स्तर पर स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढाँचे को मज़बूत करना सरकार की ज़िम्मेदारी है। उन्होंने कहा,

"लोगों को नियमित इलाज के लिए एसकेआईएमएस आने के लिए मजबूर नहीं किया जाना चाहिए। ऐसा तभी होता है जब आसपास के अस्पताल पर्याप्त स्वास्थ्य सेवा देने में विफल रहते हैं। हम दोनों मोर्चों पर काम करेंगेकृएसकेआईएमएस को नए बुनियादी ढाँचे के साथ सहयोग देना और साथ ही ज़िला व उप–ज़िला अस्पतालों का उन्नयन करना ताकि एसकेआईएमएस पर बोझ काफ़ी कम हो।"

मुख्यमंत्री ने कई चुनौतियों के बावजूद अनुसंधान, रोगी देखभाल और चिकित्सा शिक्षा में उच्च मानकों को बनाए रखने के लिए निद.शक डॉ. एम. अशरफ़ गनी और पूरी एसकेआईएमएस टीम की सराहना की। उन्होंने कहा,

"मैं निदेशक और उनकी टीम को बधाई देता हूँ। कठिनाइयों के बावजूद, एसकेआईएमएस ने शैक्षणिक, चिकित्सकीय और संस्थागत रूप से प्रगति की है। मैं चाहता हूँ कि यह संस्थान और भी फले–फूलें और जम्मू–कश्मीर के लोगों को विश्व स्तरीय स्वास्थ्य सेवा प्रदान करता रहे।"

43वें स्थापना दिवस समारोह में शैक्षणिक सत्र, वरिष्ठ संकाय सदस्यों के संबोधन और उत्तर भारत में एक प्रमुख तृतीयक देखभाल, अनुसंधान और शिक्षण संस्थान के रूप में झ्प्डै की यात्रा पर विचार–विमर्श भी शामिल थे।

इस अवसर पर, मुख्यमंत्री ने झ्प्डै की वार्षिक रिपोर्ट भी जारी की, जबकि मंत्रियों ने दो प्रकाशनों – न्ब्ै ब्डै बुक और हिस्टोलॉजी एसेंशियल्स का अनावरण किया।

मुख्यमंत्री ने कैंसर उपचार के लिए लिनैक बंकर, डिजिटल एमआरडी, बाल चिकित्सा आपातकालीन इकाई, डिजिटल एक्स–रे सेवाओं, 10 एमवीए 33/11 केवी ओएलटीसी ट्रांसफार्मर और एक नव–विकसित रोगी–सह–परिचारक पार्क सहित कई नई सुविधाओं और बुनियादी ढाँचे के उन्नयन का ई–उद्घाटन किया।

उद्योग-अकादमिक...

डाला और उद्योग जगत के साथ सहयोग के प्रति बढ़ते खुलेपन और रणनीतिक क्षेत्रों में निजी क्षेत्र की कंपनियों की बढ़ती भागीदारी का उल्लेख किया। उन्होंने इस बदलाव के संकेतक के रूप में बढ़ते पेटेंट आवेदनों और छोटे शहरों के युवा नवप्रवर्तकों के बढ़ते योगदान की ओर भी इशारा किया।

मंत्री महोदय ने कहा कि अंतरिक्ष और परमाणु अनुसंधान जैसे क्षेत्रों में गैर–सरकारी भागीदारी को व्यापक बनाने के हालिया फैसले सहयोगी मॉडलों में बढ़ते विश्वास को दर्शाते हैं। यह स्वीकार करते हुए कि ऐसे क्षेत्र पारंपरिक रूप से सरकार के लिए आरक्षित थे, उन्होंने कहा कि निजी संस्थाओं की भूमिका का विस्तार नवाचार–आधारित विकास को गति देने के लिए महत्वपूर्ण होगा।

वैश्विक अनुसंधान संरचनाओं का उल्लेख करते हुए, डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि भारत को अपनी रणनीतियों को उन अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के साथ और अधिक मानकीकृत करना चाहिए जो गैर–सरकारी स्रा.तों से भारी मात्रा में धन प्राप्त करते हैं। इस संदर्भ में, उन्होंने सरकार द्वारा धीरे–धीरे एक सूत्रधार की भूमिका निभाने के महत्व को रेखांकित किया, जिससे उद्योग, शिक्षा जगत और स्टार्टअप्स को प्राथमिकता वाले विज्ञान और प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में संयुक्त रूप से काम करने में सक्षम बनाया जा सके।

मंत्री महोदय ने कहा कि राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन और हाल ही में घोषित अनुसंधान निधि तंत्र जैसी पहल नवाचार में निजी निवेश को प्रोत्साहित करने और दीर्घकालिक अनुसंधान संबंध बनाने के प्रयास हैं। उनके अनुसार, उम्मीद है कि समय के साथ उद्योग अनुसंधान उत्पादन और राष्ट्रीय आर्थिक विकास में प्रमुख योगदानकर्ता के रूप में उभरेगा।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने टियर–2 और टियर–3 शहरों के युवाओं की बढ़ती आकांक्षाओं के बारे में भी बात की और कहा कि सूचना और डिजिटल प्लेटफॉर्म तक पहुँच ने उन्हें भारत की नवाचार यात्रा में सक्रिय भागीदार बनाया है। मंत्री महोदय ने कहा कि युवा शोधकर्ताओं और उद्यमियों द्वारा घरेलू पेटेंट दाखिल करना इस बदलाव को दर्शाता है और देश में बढ़ते अनुसंधान आधार को दर्शाता है।

उन्होंने आगे कहा कि इनस्पेस जैसे संस्थागत प्लेटफॉर्म और जैव प्रौद्योगिकी में इसी तरह के इंटरफेस यह सुनिश्चित करने में मदद करते हैं कि सहयोग संरचित, पारदर्शी और पारस्परिक रूप से लाभकारी हों, साथ ही शैक्षणिक अनुसंधान को औद्योगिक अनुप्रयोग के करीब लाते हैं।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने इस कार्यक्रम में सीआईआई उद्योग–अकादमिक भागीदारी संग्रह 2025 का विमोचन किया और बाद में एक प्रदर्शनी का अवलोकन किया जिसमें स्टार्टअप्स, अनुसंधान संस्थानों और शैक्षणिक निकायों द्वारा विकसित उत्पादों और प्रौद्योगिकियों को प्रदर्शित किया गया था।

अपने भाषण के समापन पर, डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि भारत के विकसित होते वैज्ञानिक परिदृश्य के लिए अनुसंधान संस्थानों, उद्योग, स्टार्टअप्स और सरकार के बीच दीर्घकालिक साझेदारी की आवश्यकता है। उभरती प्रौद्योगिकियों और रणनीतिक क्षमता में राष्ट्रीय लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए इस तरह के सहयोग को आवश्यक बताते हुए, उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि देश के नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को भागीदारी को व्यापक बनाना, संबंधों को मजबूत करना और अनुसंधान परिणामों के साझा स्वामित्व को प्रोत्साहित करना जारी रखना चाहिए।

लाल किला विस्फोट...

दिया गया था।

आरोपी को प्रधान और सत्र न्यायाधीश अंजू बजाज चांदना के समक्ष पेश किया गया, जिन्होंने जांच एजेंसी को सोयब से 10 दिनों के लिए और पूछताछ करने की अनुमति दी।

अदालत के सूत्रों ने कहा कि संघीय एजेंसी ने आरोपी से 10 दिनों की और हिरासत में पूछताछ की मांग की।

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) के एक आधिकारिक प्रवक्ता ने कहा था कि एजेंसी ने हरियाणा के फरीदाबाद के धौज के निवासी सोयब को दिल्ली आतंकवादी बम विस्फोट से पहले ष्आतंकवादी उमर–उन नबीष को कथित रूप से रसद सहायता प्रदान करने के आरोप में गिरफ्तार किया था।

सोयब इस मामले में एनआईए द्वारा गिरफ्तार किया गया सातवाँ आरोपी है, जो जम्मू–कश्मीर पुलिस द्वारा भंडाफोड़ किए गए एक ष्सफेदपोशष आतंकी मॉड्यूल से जुड़ा है। एनआईए ने पहले एक बयान में कहा था,

ष्एजेंसी आत्मघाती बम विस्फोट के संबंध में विभिन्न सुरागों की तलाश जारी रखे हुए है और इस भीषण हमले में शामिल अन्य लोगों की पहचान करने और उनका पता लगाने के लिए संबंधित पुलिस बलों के साथ समन्वय में विभिन्न राज्यों में तलाशी अभियान चला रही है।

वक्फ पंजीकरण के...

ने सभी वक्फ संपत्तियों की जियो–टैगिंग के बाद डिजिटल सूची बनाने के लिए 6 जून को एकीकृत वक्फ प्रबंधन, सशक्तिकरण, दक्षता और विकास (यूएमईईडी) अधिनियम केंद्रीय पोर्टल लॉन्च किया।

पोर्टल के प्रावधानों के अनुसार, देश भर में सभी पंजीकृत वक्फ संपत्तियों का विवरण छह महीने के भीतर अपलोड करना होगा। पंजीकरण की छह महीने की समय सीमा शुक्रवार को समाप्त हो रही है।

रिजिजू ने कहा, ष्वक्फ कानून बनाने के बाद, हमने उम्मीद पोर्टल लॉन्च किया था और संबंधित पक्षों को सभी वक्फ संपत्तियों को पोर्टल पर पंजीकृत करने के लिए छह महीने का समय दिया गया था। आज आखिरी दिन है, और लाखों वक्फ संपत्तियां अभी भी पंजीकृत नहीं हुई हैं। उन्होंने कहा, ष्कई सांसद और सामाजिक नेता मेरे पास आए और अनुरोध किया कि 9 लाख से ज़्यादा वक्फ संपत्तियों के पंजीकरण में समस्याएँ आ रही हैं और आज आखिरी दिन है, इसलिए समय सीमा बढ़ा दी जाए। अब तक 1.51 लाख से ज़्यादा वक्फ संपत्तियाँ न्डम्म्क पोर्टल पर पंजीकृत हो चुकी हैं। कुछ राज्यों जैसे कर्नाटक और पंजाब तथा जम्मू–कश्मीर ने अच्छा प्रदर्शन किया है, लेकिन कुछ अन्य पिछड़ गए हैं।

रिजिजू ने कहा कि कुछ जगहों पर उम्मीद पोर्टल धीमा था जबकि कुछ लोगों के पास कागजात नहीं थे। उन्होंने कहा, मैं उन सभी मुतवल्लियों को भरोसा दिलाता हूँ जिन्होंने कोशिश की लेकिन पंजीकरण प्रक्रिया पूरी नहीं कर पाए, हम आपके लिए कोई रास्ता निकालेंगे और अगले तीन महीनों तक हम कोई जुर्माना या सख्त कार्रवाई नहीं करेंगे। तीन महीने में पंजीकरण करवाएँ।

जो लोग पोर्टल पर नहीं आ पाए हैं, उन्हें अपने संबंधित न्यायाधिकरणों से संपर्क करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट निर्देश दिया था कि तारीख को आगे नहीं बढ़ाया जा सकता।

अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय के माध्यम से सरकार ने कहा है कि वह वक्फ प्रशासन को आधुनिक बनाने और अल्पसंख्यक समुदायों के लाभ के लिए वक्फ संपत्तियों की पूर्ण विकास क्षमता को उजागर करने के लिए प्रतिबद्ध है।

डीपफेक', फेक न्यूज और 'डिजिटल गिरफ्तारियां' आम...', बीजेपी सूर्यकांत ने क्यों दी चेतावनी?

नई दिल्ली

भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत शनिवार को हरियाणा के सोनीपत में एक निजी यूनिवर्सिटी में आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में शामिल हुए. इस दौरान सीजेआई ने कानून के छात्रों से आह्वान किया है कि वे ईमानदारी को अपने चरित्र की मूल संरचना बनने दें और इसे कोई भी बदलाव न करें. ईमानदारी की बात कर रहे हैं और ये आपके लिए बड़ी महत्वपूर्ण लाइन है. इस कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल भी पहुंचे.

न्यायपालिका की स्वतंत्रता और नागरिक अधिकारों के व्यापक परिप्रेक्ष्य विषय पर आयोजित सेमिनार में ब्श्रप् सूर्यकांत ने कहा कि कानून का अध्ययन कठिन और प्रेरणादायक दोनों हो सकता है. प्यारे छात्रों, याद रखें कि आप इस बात के छात्र हैं कि आगे क्या होगा. संविधान तभी तक रहेगा, जब तक आपकी नैतिकता इसे बरकरार रखती है. सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि 'ईमानदारी' केवल चरित्र का आभूषण नहीं है, बल्कि यह वह अनुशासन है जो न्याय और प्रतिष्ठा दोनों को बनाए रखता है. उन्होंने कहा कि कानून का अभ्यास और न्याय की खोज हमेशा 'ईमानदारी' के इस आदर्श की ओर ही होनी चाहिए.

सत्य और शोर का युग

सुप्रीम कोर्ट सीजेआई सूर्यकांत ने वर्तमान युग की चुनौतियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि, जहां 'डीपफेक' विकृतियां पैदा करते हैं, गलत सूचनाएं तेजी से फैलती हैं, और 'डिजिटल गिरफ्तारियां' आम हो गई हैं. उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसे समय में, ईमानदारी और सच्चाई अब केवल उच्च आदर्श नहीं, बल्कि अस्तित्व के साधन हैं, और वास्तविक सफलता का एकमात्र वैध "शॉर्टकट" हैं.

न्याय बेहतर भारत के निर्माण की सेवा में समर्पित

सीजेआई ने आगे कहा कि जब भी कोई याचिका हमारे समक्ष आती है, हम न केवल तथ्यों और कानून पर विचार करते हैं, बल्कि हम हमेशा अपने संविधान के उस मूल वादे को भी याद रखते हैं, जिसके तहत हम सभी ने एक समाज के रूप में रहना स्वीकार किया है. हम सदैव इस बात को ध्यान में रखते हैं कि 26 नवंबर, 1949 को हमने जो दस्तावेज स्वयं को समर्पित किया था, उसमें निहित उच्चतर लक्ष्य क्या थे. और यही उच्चतर लक्ष्य सुनिश्चित करता है कि जब हम न्याय करते हैं, तो हम केवल कानून का पालन नहीं कर रहे होते हैं, बल्कि हम कानून को एक बेहतर भारत के निर्माण की सेवा में समर्पित कर रहे होते हैं.

लाल किला ब्लास्टरू 4 आरोपियों की एनआईए रिमांड 10 दिन बढ़ी, अब तक 7 गिरफ्तारी

लाल किला आतंकी हमले के मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी की विशेष अदालत ने चार आरोपियों की हिरासत अवधि को दस दिनों के लिए बढ़ा दिया है.

नई दिल्ली

दिल्ली की पटियाला हाउस स्पेशल एनआईए कोर्ट ने लाल किला ब्लास्ट मामले में चार आरोपियों की रिमांड 10 दिन के लिए बढ़ा दी है. कोर्ट ने ब्लास्ट मामले में गिरफ्तार डॉक्टर मुज़म्मिल, डॉक्टर शाहीन सईद, डॉक्टर अदिल और मुफ्ती इरफान की रिमांड 10 दिन के लिए बढ़ा दी है.इसके बाद एनआईए की टीम सभी को कोर्ट से अपने साथ ले गई. राष्ट्रीय जांच एजेंसी अब उनसे आतंकी मॉड्यूल की फंडिंग, प्लानिंग और विदेशी लिंक के बारे में पूछताछ करेगी.

चारों आरोपियों की एनआईए हिरासत शनिवार को खत्म हो रही थी, जिसके बाद उन्हें कोर्ट में पेश किया गया था. 20 नवंबर को कोर्ट ने चारों को आज यानी 29 नवंबर तक की एनआईए हिरासत में भेजा था. शनिवार को कड़ी सुरक्षा के बीच सभी आरो. पियों, मुजम्मिल गनई, अदील राथर और शाहीन सईद के साथ-साथ मौलवी इरफान अहमद वागे को पटियाला हाउस कोर्ट के प्रिंसिपल और सेशंस जज अंजू बजाज चांदना के सामने पेश किया गया था. जिन्होंने उनकी 10 दिन की कस्टडी बढ़ा दी. वहीं बाक़ी तीन आरोपी जासिर, शोयाब और आमिर पहले से ही रिमांड पर है. इन तीनों को सिर्फ़ जांच की प्रक्रिया के चलते ही शनिवार को कोर्ट में पेश किया गया था.

एनआईए 15 दिन की हिरासत की मांग की थी

कोर्ट ने डॉ. मुजम्मिल गनी, अदील राथर, शाहिन सईद, मौलवी इरफान अहमद वागे को पहले भी 10 दिन की रिमांड पर भेजा था. एनआईए ने कोर्ट से आरोपियों की 15 दिन की हिरासत की मांग की थी ताकि उनसे पूछताछ कर पूरे मॉड्यूल को बेनकाब किया जा सके. हालांकि, कोर्ट ने चारों आरोपियों को 10 दिन की एनआईए कस्टडी में भेजने का आदेश दे दिया था.

7 आरोपियों को पटियाला हाउस कोर्ट में पेश किया 10 दिन की रिमांड अवधि पूरी होने के बाद एनआईए ने सात आरोपियों को पटियाला हाउस कोर्ट में पेश किया था. अब तक, राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने इस मामले में सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जो जम्मू-कश्मीर पुलिस द्वारा भंडाफोड़ किए गए एक व्हाइट-कॉलर टेरर मॉड्यूल से जुड़े हैं.

अलग-अलग राज्यों से संदिग्धों को किया जा रहा गिरफ्तार

दिल्ली के लाल किले के पास हुए ब्लास्ट की जांच में दिल्ली पुलिस समेत देश की कई अन्य एजेंसियां लगी हैं. अभी तक की जांच में देश के अलग-अलग राज्यों से कई संदिग्धों को गिरफ्तार किया जा रहा है. जिसने इस धमाके को लेकर पूछताछ हो रही है. जांच एजेंसियां और खासकर एनआईए इस पूरे मामले के पहलू की जांच में जुटी है. 10 नवंबर को लाल किले के पास विस्फोटकों से लदी i20 कार में ब्लास्ट हुआ था, जिसे डॉ. उमर-उन-नबी चला रहा था. इसमें करीब 15 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि कई लोग गंभीर रूप से जख्मी गो गए थे.

एनआईए ने एक बयान में कहा, 'एजेंसी आत्मघाती बम विस्फोट के सिलसिले में विभिन्न सुरागों की तलाश जारी रखे हुए है और इस हमले में शामिल अन्य लोगों की पहचान करने एवं उनका पता लगाने के लिए संबंधित पुलिस बलों के साथ समन्वय में विभिन्न राज्यों में तलाशी अभियान चला रही है'.

डेलीगेशन ने लेफ्टिनेंट गवर्नर कविंदर गुप्ता से मुलाकात की

सबका जम्मू कश्मीर

लेह, 29 नवंबर : ऑल लद्दाख टूर ऑपरेटर्स एसोसिएशन के एक डेलीगेशन ने लद्दाख के माननीय लेफ्टिनेंट गवर्नर, श्री कविंदर गुप्ता से मुलाकात की।

उन्होंने 2025 सीज़न में अलग-अलग वजहों से टूरिस्ट की संख्या में भारी गिरावट के बाद टूरिज़्म को बढ़ावा देने के लिए बड़े पैमाने पर टूरिज़्म प्रमोशन स्ट्रेटेजी पर ज़ोर दिया।

डेलीगेशन ने खास तौर पर ओटीएम मुंबई, डब्ल्यूटीएम एशिया सिंगा. पुर और डब्ल्यूटीएम जर्मनी जैसे बड़े इंटरनेशनल ट्रेडशो में लद्दाख के हिस्सा लेने की रिक्वेस्ट की, ताकि इस इलाके के खास आकर्षण दिखाए जा सकें। लेफ्टिनेंट गवर्नर ने डेलीगेशन को बताया कि उन्होंने नेशनल और इंटरनेशनल ट्रेडशो में लद्दाख के रिप्रेजेंटेशन की स्ट्रेटेजी बनाने के लिए एडमिनिस्ट्रेटिव सेक्रेटरी टूरिज़्म के साथ पहले ही एक मीटिंग बुला ली है।

उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि लद्दाख में टूरिज़्म कुछ गर्मियों के महीनों से आगे बढ़कर साल भर चलने वाली एक्टिविटी होनी चाहिए, जिससे इस सेक्टर में लगे लोकल युवाओं को फ़ायदा हो।

श्री कविंदर गुप्ता ने यूटी एडमिनिस्ट्रेशन के लद्दाख के खास कल्चर और खास आकर्षणों को बढ़ावा देने पर फोकस पर ज़ोर दिया, जिसमें खास कैंपेन के ज़रिए विंटर टूरिज़्म को बढ़ावा देने पर खास ज़ोर दिया गया। इस बीच, ऑल लद्दाख ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन और 407 यूनियन के एक डेलीगेशन ने लेफ्टिनेंट गवर्नर से मुलाकात की और अपनी मांगों के सपोर्ट में एक मेमोरेंडम सौंपा।

मोदी-शाह बदले की शरारती राजनीति जारी रखे हुए हैं : सोनिया, राहुल के खिलाफ एफआईआर पर कांग्रेस

सबका जम्मू कश्मीर

नई दिल्ली, 30 नवंबररू दिल्ली पुलिस द्वारा नेशनल हेराल्ड मामले में सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के साथ, कांग्रेस ने रविवार को आरोप लगाया कि "मोदी-शाह की जोड़ी" पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के खिलाफ उत्पीड़न, धमकी और प्रतिशोध की अपनी शरारती राजनीति जारी रखे हुए है।

विपक्षी पार्टी ने यह भी कहा कि नेशनल हेराल्ड मामला एक "पूरी तरह से फर्जी मामला" है और न्याय अंततः जीतेगा।

एक्स पर एक पोस्ट में, कांग्रेस महासचिव प्रभारी संचार जयराम रमेश ने कहा, "मोदी-शाह की जोड़ी कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व के खिलाफ उत्पीड़न, धमकी और प्रतिशोध की अपनी शरारती राजनीति जारी रखे हुए है। जो लोग धमकी देते हैं वे खुद असुरक्षित और भयभीत हैं।"

"नेशनल हेराल्ड मामला पूरी तरह से फर्जी मामला है। न्याय अंततः जीतेगा। सत्यमेव जयते," उन्होंने कहा।

उनकी टिप्पणी दिल्ली पुलिस द्वारा नेशनल हेराल्ड मामले में कांग्रेस नेताओं और अन्य आरोपियों के खिलाफ ईडी की शिकायत पर एफआईआर दर्ज करने के बाद आई है। यह एजेंसी हाई-प्रोफाइल मामले में मनी लॉन्ड्रिंग जांच के हिस्से के रूप में है जिसमें आरोप लगाया गया है कि पार्टी के प्रथम परिवार ने व्यक्तिगत लाभ के लिए अपने पद का ध्दुरुपयोगष किया। आधिकारिक सूत्रों ने कहा कि दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने 3 अक्टूबर को गांधी परिवार और सात अन्य के खिलाफ शिकायत दर्ज की।

पुलिस ने एफआईआर में आईपीसी की धारा 120 बी (आपराधिक साजिश), 403 (संपत्ति का बेईमानी से गबन), 406 (आपराधिक विश्वासघात के लिए सजा) और 420 (धोखाधड़ी) के तहत आरोप लगाए हैं, जिसमें गांधी परिवार, कांग्रेस नेता सुमन दुबे और सैम पित्रोदा, यंग इंडियन (वाईआई) और डोटेक्स मर्चेंडाइज लिमिटेड जैसी संस्थाएं, डोटेक्स प्रमोटर सुनील भंडारी, एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) और अन्य अज्ञात हैं।

आम लोगों के मामलों को तरजीह देगा सुप्रीम कोर्ट, सीजेआई सूर्यकांत ने दिए निर्देश, शेड्यूल जारी

नई दिल्ली

आम लोगों की परेशानियों और स्वतंत्रता से जुड़े मामलों को अब सुप्रीम कोर्ट में प्राथमिकता से सुना जाएगा. मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत के निर्देश पर सुप्रीम कोर्ट प्रशासन ने नई व्यवस्था लागू करते हुए कहा है कि जहां आम जनता की स्वतंत्रता का प्रश्न हो या तुरंत अंतरिम राहत की मांग की गई हो, ऐसे केसों को सत्यापन और त्रुटि निवारण के बाद दो कार्यदिवस के भीतर मुख्य या पूरक सूची में शामिल किया जाएगा. सुप्रीम कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया है कि नियमित जमानत, अग्रिम जमानत और जमानत रद्द करने से जुड़े सभी मामलों की प्रति भारत सरकार, राज्य सरकार या केंद्र शासित प्रदेश के संबंधित नोडल अधिकारी या स्थायी वकील को अनिवार्य रूप से भेजनी होगी. इन मामलों में एक अलग आवेदन दाखिल करना होगा, जिसके बिना न तो केस सत्यापित होगा और न ही कोर्ट की सूची में रखा जाएगा. सुप्रीम कोर्ट की इस पहल का उद्देश्य आम जनता के हित से जुड़े मामलों की सुनवाई को तेज और सुगम बनाना है.

सुप्रीम कोर्ट ने सूचीबद्धता को लेकर शेड्यूल किया जारी

सुप्रीम कोर्ट ने नए मामलों की सूचीबद्धता को लेकर भी एक तय शेड्यूल जारी किया है. अब मंगलवार, बुधवार और गुरुवार को सत्यापित हुए मामले अगले सोमवार को सूचीबद्ध होंगे. शुक्रवार, शनिवार और सोमवार को सत्यापित हुए मामले अगले शुक्रवार को रखे जाएंगे. नई व्यवस्था के तहत नए केस अपने आप सूची में आ जाएंगे और अब तक की तरह वादियों को कोर्ट में अपने मामलों का मेंशन करने की जरूरत नहीं पड़ेगी. सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया है कि उपरोक्त श्रेणी के मामलों में कोई भी उल्लेख स्वीकार नहीं किया जाएगा.

वहीं सुप्रीम कोर्ट ने दहेज प्रथा को लेकर भी बेहद कड़ी टिप्पणी की है. एससी ने कहा कि जिस विवाह को भारतीय समाज में जीवन का सबसे पवित्र बंधन माना जाता था वह आज दहेज की वजह व्यावसायिक सौदे में बदल गया है. कोर्ट ने कहा कि आधुनिक समय में लोग विवाह उपहारों, पैसों और दिखावे के साथ जोड़ देते हैं, जिससे इस रिश्ते की आत्मा ही कमजा. ेर हो रही है. दहेज को चालाकी से उपहार या परंपरा बताने की कोशिश की जाती है, लेकिन वास्तव में ये एक लालच का रूप ले चुका है.

सुप्रीम कोर्ट ने की अपील

सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि विवाह प्रेम, विश्वास और समानता पर आधारित होना चाहिए. अदालत ने देश के युवाओं, अभिभावकों और सामाजिक संगठनों से अपील की है कि वे मिलकर दहेज के खिलाफ माहौल तैयार करें. इसके बिना न तो दहेज हत्या रुकेंगी, न महिलाओं पर अत्याचार कम होगा.

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

पाकिस्तान ने जीता चौथा टी20 टूर्नामेंट, 30 रन पर 9 विकेट लेकर श्रीलंका को हराया

टी20 वर्ल्ड कप 2026 से ठीक पहले पाकिस्तानी टीम ने करीब एक-डेढ़ महीने के अंदर लगातार तीसरी बार टी20 सीरीज या टूर्नामेंट जीती है.

नई दिल्ली

आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2026 के शेड्यूल का ऐलान हो गया है और सारी टीम इसके लिए तैयारियों में जुटी हुई हैं. जहां टीम इंडिया इस टूर्नामेंट से पहले दमदार प्रदर्शन कर रही है तो अब वहीं पाकिस्तान ने भी इसको लेकर हुंकार भर दी है. पिछले कुछ हफ्तों से टी20 फॉर्मेट में अच्छी लय में दिख रही सलमान आगा की कप्तानी वाली पाकिस्तानी टीम ने एक और सीरीज जीत ली है. श्रीलंका और जिम्बाब्वे के खिलाफ अपने घर में ट्राई–सीरीज खेल रही पाकिस्तान ने अपना दबदबा बरकरार रखते हुए फाइनल अपने नाम कर लिया. खिताबी मुकाबले में पाकिस्तान ने श्रीलंका को 6 विकेट से हराते हुए खिताब जीत लिया.

रावलपिंडी में खेली जा रही इस टी20 ट्राई–सीरीज का फाइनल शनिवार 29 नवंबर को हुआ, जिसमें पाकिस्तान ने अपने गेंदबा. जों के दम पर जबरदस्त अंदाज में वापसी की. फाइनल से ठीक पहले आखिरी मैच में पाकिस्तान को हराने वाली श्रीलंकाई टीम ने इस खिताबी मुकाबले में अच्छी शुरुआत की थी. टीम ने शुरुआती 10.2 ओवर में सिर्फ 1 विकेट खोकर 84 रन बना लिए थे और बड़े स्कोर की ओर बढ़ रही थी.

मगर यहां से अगली 52 गेंदों में श्रीलंकाई पारी बुरी तरह बिखर गई और टीम ने सिर्फ 30 रन पर 9 विकेट गंवा दिए. कुल मिलाकर श्रीलंका ने 19.1 ओवर में सिर्फ 114 रन ही बनाए. उसके लिए ओपनर कामिल मिशारा ने सबसे ज्यादा 54 रन बनाए. वहीं पाकिस्तान के लिए स्टार तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी और स्पिनर मोहम्मद नवाज ने 3–3 विकेट लिए. इसके जवाब में पाकिस्तान ने 18. 4 ओवर में ही लक्ष्य हासिल कर लिया. हालांकि उसकी शुरुआत धीमी रही थी और उसके ओपनर्स 45 गेंदों में सिर्फ 46 रन ही बना सके थे. हालांकि लक्ष्य बड़ा नहीं था, इसलिए साइम अयूब (36) और बाबर आजम की धीमी पारियों के बावजूद पाकिस्तान ने 118 रन बनाकर जीत दर्ज कर ली. उसके लिए बाबर ने सबसे ज्यादा 37 रन (34 गेंद) बनाए. टी20 वर्ल्ड कप से पहले पाकिस्तान की पिछले एक महीने में ये लगातार तीसरी टी20 सीरीज जीत है. खास बात ये है कि पाकिस्तानी टीम चौथी बार किसी टी20 ट्राई–सीरीज का फाइनल खेल रही थी और चारों बार उसने फाइनल जीता और खिताब पर कब्जा किया. साथ ही पाकिस्तान का इस साल ये आखिरी टी20 मैच भी था. ऐसे में वर्ल्ड कप से पहले टीम अपनी तैयारी से खुश होगी.

विराट कोहली ने जड़ा ऐसा शॉट, ऋषभ पंत भी रह गए हैरान, बोल दी ऐसी बात

नई दिल्ली

टीम इंडिया के पूर्व कप्तान विराट कोहली एक बार फिर अपने बल्ले का जादू दिखाने के लिए तैयार हैं. ऑस्ट्रेलिया दौरे पर वनडे सीरीज खेलने के करीब एक महीने बाद कोहली अब फिर लौट आए हैं. रांची में रविवार 30 नवंबर से भारत और साउथ अफ्रीका के बीच वनडे सीरीज का पहला मैच खेला जाएगा और फैंस को उम्मीद होगी कि उन्हें किंग को. हली का पुराना अंदाज देखने को मिलेगा. लगता है कि कोहली भी इसके लिए तैयार हैं और उन्होंने इसकी एक ऐसी झलक दिखाई है कि टीम इंडिया के विस्फोटक बल्लेबाज ऋषभ पंत भी हैरान हो गए.

रांची के श्रैब। स्टेडियम में रविवार को होने वाले मुकाबले से पहले टीम इंडिया की प्रैक्टिस सेशन में विराट कोहली ने खूब पसीना बहाया. एक महीने से भी ज्यादा वक्त के बाद क्रिकेट एक्शन में लौट रहे विराट कोहली के लिए सीरीज में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए दमदार तैयारी भी जरूरी थी और कोहली ने इसमें कोई कसर नहीं छोड़ी. नेट्स में प्रैक्टिस करते हुए कोहली जिस लय में नजर आए, उसे देखकर कहना मुश्किल था कि वो इतने वक्त के बाद लौट रहे हैं.

कोहली का शॉट देखते रह गए पंत

नेट्स प्रैक्टिस में कोहली ने कुछ लाजवाब शॉट्स लगाए और उसमें से ही एक शॉट तो ऐसा था, जिसे देखकर धुआंधार बैटिंग करने वाले और बड़े–बड़े शॉट्स लगाने वाले ऋषभ पंत भी चौंक गए. बीसीसीआई ने मैच से एक दिन पहले टीम इंडिया की प्रैक्टिस का एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें ये सब देखने को मिला. इसमें कोहली ने थ्रो–डाउन स्पेशलिस्ट की एक गेंद पर आगे बढ़ते हुए लॉन्ग ऑन की ओर ऊंचा शॉट खेला. ये शॉट देखते ही पंत बोल पड़े– "पाजी अच्छा बॉल था ये. तगड़ा शॉट मार दिया."

फिर दिखेगा त्व–ज्ञव को जलवा?

इस वीडियो में विराट के अलावा पूर्व कप्तान रोहित शर्मा भी प्रैक्टिस करते हुए नजर आए. दोनों ने टीम इंडिया के साथ वापस जुड़ने के बाद प्रैक्टिस में न सिर्फ खूब वक्त गुजारा, बल्कि टीम के बाकी साथियों के साथ खूब मौज–मस्ती भी करते दिखे. अब तो टीम इंडिया और फैंस की बस एक ही ख्वाहिश होगी कि ये दोनों स्टार बल्लेबाज सिडनी में खेले गए वनडे मैच की तरह एक बार फिर बड़ी साझेदारी करें और दमदार स्कोर बनाएं.

आईपीएल 2026 में नहीं दिखेगा ये दिग्गज खिलाड़ी, 14 साल बाद छोड़ने का किया फैसला, ये है वजह

आईपीएल 2026 ऑक्शन से पहले इस हर टीम ने अपने रिटेंशन का ऐलान किया था और इसमें दिल्ली कैपिटल्स ने स्टार खिलाड़ी को रिटेन नहीं किया था. इसके बाद से ही ऑक्शन का इंतजार था कि कौन सी टीम इस दिग्गज बल्लेबाज को खरीदेगी.

नई दिल्ली

आईपीएल 2026 सीजन के लिए 16 दिसंबर को खिलाड़ियों की नीलामी होनी है और इस बार भी कई बड़े नाम ऑक्शन टेबल पर उतरने जा रहे हैं. जहां सभी फैंस अपनी पसंद के खिलाड़ियों को अपनी–अपनी फ्रेंचाइजी में देखना चाहते हैं, वहीं प्ल् के सबसे सफल और सबसे ज्यादा पसंद किए जाने वाले दिग्गजों में से एक इस बार ऑक्शन में नहीं उतरेगा. जी हां, साउथ अफ्रीका के पूर्व कप्तान और स्टार बल्लेबाज फाफ डुप्लेसी ने 14 साल बाद प्ल् छोड़ने का फैसला किया है. डुप्लेसी ने एक बयान जारी करते हुए कहा कि इस बार वो प्ल् ऑक्शन में नहीं उतरेंगे और इसकी खास वजह भी बताई.

अबू धाबी में होने वाले प्ल् ऑक्शन से करीब ढाई हफ्ते पहले 29 नवंबर को रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु के पूर्व कप्तान डुप्लेसी ने सोशल मीडिया पर एक बयान जारी किया और बताया कि इस बार वो ऑक्शन में अपना नाम नहीं देंगे. डुप्लेसी ने लिखा, "प्ल् में 14 साल बिताने के बाद मैंने फैसला किया है कि इस साल मैं ऑक्शन में अपना नाम नहीं दूंगा. ये एक बड़ा फैसला है और काफी आभार के साथ लिया गया है." चेन्नई सुपर किंग्स के साथ 2 बार प्ल् का खिताब जीतने वाले डुप्लेसी पिछले सीजन में दिल्ली कैपिटल्स का हिस्सा थे लेकिन इस बार ऑक्शन से पहले फ्रेंचाइजी ने उन्हें रिलीज कर दिया था.

इसके बाद 40 साल के साउथ अफ्रीकी स्टार ने ये फैसला लिया है. इस फैसले के बारे में बताते हुए डुप्लेसी ने लिखा, "ये लीग मेरे सफर का एक बड़ा हिस्सा रही है. मैं खुशकिस्मत रहा हूं जो वर्ल्ड क्लास टीममेट्स, शानदार फ्रेंचाइजी और बेहद जुनूनी फैंस के साथ और सामने खेलने का मौका मिला."

मगर डुप्लेसी ने ये फैसला क्यों लिया? इसका खुलासा भी उन्होंने अपने बयान में किया और बताया कि इस बार वो पाकिस्तानी लीग (पीएसएल) में खेलने जा रहे हैं. स्टार ओपनर ने कहा, "14 साल एक लंबा समय है और ये पड़ाव मेरे लिए जो मायने रखता है, उस पर मुझे गर्व है. मेरे दिल में भारत के लिए एक खास जगह है और ये निश्चित रूप से अलविदा नहीं है. आप मुझे दोबारा देखोगे. इस साल मैंने एक नई चुनौती का सामना करने का फैसला किया है और पीएसएल के आने वाले सीजन में खेलूंगा."

केएल राहुल ने प्लेइंग-11 पर किया खास ऐलान, ऋषभ पंत-ऋतुराज के खेलने पर कही ये बात

नई दिल्ली

टेस्ट सीरीज खत्म होने के बाद अब भारत–साउथ अफ्रीका वनडे सीरीज की बारी है. फॉर्मेट बदल गया है और इसलिए कुछ खिलाड़ी भी बदल गए हैं. खास तौर पर दो बड़े नाम लौट आए हैं– विराट को. हली और रोहित शर्मा. इनके अलावा भी कुछ अन्य खिलाड़ी इस टीम का हिस्सा बने हैं. मगर एक बड़ा बदलाव है कप्तानी में. शुभमन गिल के चोटिल होने के कारण केएल राहुल इस सीरीज में कप्तानी कर रहे हैं और सीरीज शुरू होने से पहले उन्होंने प्लेइंग–11 से जुड़े कुछ अहम ऐलान किए हैं.

प्लेइंग–11 में बैटिंग पोजिशन पर अहम ऐलान

रांची में रविवार 30 नवंबर से वनडे सीरीज की शुरुआत हो रही है. मैच से एक दिन पहले शनिवार 29 नवंबर को पहली बार कप्तान के रूप में केएल राहुल मीडिया के सामने आए और कुछ खास सवालों के जवाब दिए. इस दौरान राहुल ने भी ऐलान कर दिया कि प्लेइंग–11 में वो किस नंबर पर आकर बैटिंग करेंगे. भारतीय कप्तान ने साफ कर दिया कि वो इस पूरी सीरीज में मिडिल ऑर्डर में ही बैटिंग करेंगे. उन्होंने कहा, "मैं छठे नंबर पर बैटिंग करूंगा."

इसके अलावा ऋषभ पंत और ऋतुराज गायकवाड़ भी सवाल हुए. पंत जहां चौंपियंस ट्रॉफी के बाद टीम में लौटे हैं तो वहीं गायकवाड़ करीब 2 साल बाद इस फॉर्मेट में वापसी कर रहे हैं. मगर क्या दोना. में से किसी को भी मौका मिलेगा? पंत के सवाल पर राहुल ने कहा कि वो बतौर बल्लेबाज भी खेल सकते हैं लेकिन अगर वो प्लेइंग–11 में आते हैं तो बतौर विकेटकीपर ही खेलेंगे. राहुल ने कहा, "हर किसी ने देखा है कि पंत टीम में क्या खूबी लेकर आते हैं. वो सिर्फ बल्लेबाज के तौर पर खेलने की काबिलियत रखते हैं लेकिन अगर वो प्लेइंग–11 में हैं तो वो ही ग्लव्स (विकेटकीपिंग) संभालेंगे."

वहीं जब सवाल ऋतुराज गायकवाड़ को मौका देने पर किया गया को राहुल ने ये तो नहीं बताया कि वो रांची वनडे खेलेंगे या नहीं लेकिन ये भरोसा दिलाया कि इस सीरीज में दाएं हाथ के बल्लेबाज को जरूर मौका मिलेगा.

जैसे मोदी के राम वैसा उनका राम राज्य!!

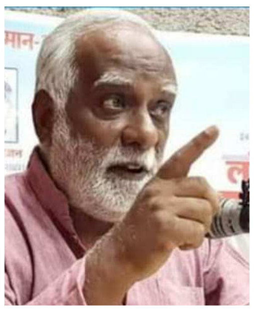

बादल सरोज

उधर रू 25 नवम्बर को अयोध्या में 22 महीने पहले 'प्राण प्रतिष्ठित' किये जा चुके मन्दिर पर पूरा कुनबा इत्ती चौड़ाई और उत्ती लम्बाई का भगवा ध्वज फहरा कर हिन्दू राष्ट्र के निर्माण की ओर कदमचाल तेज कर रहा था और 'इधर' रू उसी दिन, लगभग उसी समय मध्यप्रदेश की संस्कारधानी कहे जाने वाले जबलपुर में भगवा ध्वज हाथ में लिए कुछ 'वीर और वीरांगनायें' हिन्दू राष्ट्र के नाम पर लाठी तलवारें और न जाने क्या-क्या अस्त्र-शस्त्र लेकर एक धरने से लौट रहे लोगों को मार, पीट और घसीट रहे थे।

धरना देने वाले दो रोज पहले सम्राट अशोक दृ भारत के इतिहास के एक महत्वपूर्ण शासक दृ के नाम पर लगी साहित्य प्रदर्शनी पर इसी गिरोह द्वारा हल्ला बोले जाने, संविधान सहित भारतीय सभ्यता के अलग-अलग कालखंडों को बयान करने वाली, भारतीय वांग्मय की धरोहर मानी जाने वाली किताबें नष्ट किये जाने का विरोध और दोषियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर धरना दे रहे थे। दोनों ही हमले ठीक पुलिस कण्ट्रोल रूम और थाने के एकदम करीब और इस तरह म्प्र पुलिस की निगहबानी और निगरानी में हुए।

जबलपुर बहुत कुछ खासियतों के साथ म्प्र उच्च न्यायालय का मुख्यालय होने की विशेषता रखता है और इसीलिये स्वयं को न्याय का प्रांगण भी समझता है। ऐसे जबलपुर में इतना सब घटता रहना और संविधान, लोकतंत्र, कानून व्यवस्था और बाकी सबका हाथ पर हाथ धरे बैठे रहना संयोग नहीं है रू यह उसी दिन अयोध्या में फहराए गए ध्वज की छाया में रची जा रही भविष्य की झांकी है।

अयोध्या में भगवा ध्वज फहराते हुए अत्यंत अलंकृत और प्रांजल हिंदी में मोदी जिस रामराज्य की बात कर रहे थे, वह गांधी का रामराज्य नहीं था। गांधी कहते थे कि "मैं पठानों के बीच जाता हूँ, तो खुदा के राज की बात करता हूं, इसाईयों के बीच गॉड के राज की बात करता हूँ रू मेरे लिए रामराज्य का मतलब धार्मिक राज्य नहीं है। मेरे रामराज्य का अर्थ एक आदर्श, न्यायपूर्ण, अहिंसक और लोकतांत्रिक समाज है, जिसमे सत्य, अहिंसा, समानता और सादगी प्रमुख हों। जहाँ सरकार का उद्देश्य जनता की सेवा करना हो।" उन्होंने कहा था कि "किसी देश में यदि सारे के सारे लोग एक ही धर्म को मानने वाले हों, तब भी उसे धर्म के नाम पर नहीं चलाया जाना चाहिए।"

मोदी अयोध्या में जिस रामराज्य की बात कर रहे थे, वह हिंदी पट्टी में राम को घर-घर पहुंचाने वाले गोस्वामी तुलसीदास का "दैहिक, दैविक, भौतिक तापा/ रामराज काहुहि नहीं व्यापा" वाला वह रामराज्य भी नहीं था, जिसे परिभाषित करते हुए उन्होंने रामचरित मानस के अयोध्या काण्ड में लक्ष्मण को समझाते समय राम के मुंह से कहलवाया है कि "जासु राज प्रिय प्रजा दुखारी / सो नृप अवसि नरक अधिकारी"। यह चाणक्य का 'प्रजा सुखे, सुखं राज्ञं'1द्द प्रजा के सुख में ही राजा का सुख है, वाला राम राज्य भी नहीं था।

वे जिस रामराज्य की दुहाई देकर उसे राम के साथ जोड़कर स्वीकार्य बनाने की कोशिश कर रहे थे, वह वही हिन्दू राष्ट्र है, जिसे 1947 में इस देश के अपार बहुमत ने ठुकराया था और जिसे देश ने अपने 7 हजार वर्षों के लिखित इतिहास में कभी स्वीकार नहीं किया। यह ष्भारत दैट इज इंडियाष् यानी हिन्दोस्तान में रची-बसी समावेशी सहजीवन की विरासत वाला नहीं, आरएसएस की अभारतीय धारणा वाला रामराज्य है।

इस राम-राज्य के लिए जिन राम को गढ़ा गया है, वे राम भी वाल्मीकि या तुलसी के राम नहीं है, सहज, सरल, वीतरागी और मर्यादा मानने वाले राम तो बिलकुल नहीं है रू प्रत्यंचा ताने क्रोधित ऐसे राम हैं, जिनका दो सौ से अधिक रामायणों में किसी भी रामकथा के किसी भी अध्याय, सर्ग, सोरठे या चौपाई में जिक्र तक नहीं मिलता। ये मोदी और उनके कुनबे के राम हैं।

हालांकि होने को तो जिसे वे राम का ध्वज बता रहे थे, वह ध्वज भी राम का नहीं है। जब कुनबा बहुत छोटा था, उस वक्त इस हिन्दूराष्ट्री धारा के बड़े रहे रामराज्य परिषद् के सर्वेसर्वा करपात्री जी महाराज ने अनेक बार कहा और लिखा है कि "भगवा आरएसएस संगठन के ध्वज का रंग है। उसे समूचे सनातन धर्म का प्रतीक मान लेना गलत है। वेद-पुराण-शास्त्र मे कहीं भी इस बात का प्रमाण नही है कि भगवा समस्त सनातन हिंदू धर्म का प्रतीक है!" अपनी बात के समर्थन में उन्होंने राम-रावण युद्ध से महाभारत में कृष्ण सहित अलग-अलग लोगों के अलग-अलग ध्वजों सहित कई पौराणिक उदाहरण भी दिए थे।

इस तरह किसी धर्माचार्य या धर्मगुरु की दिखावटी मौजूदगी के बिना संघ के प्रमुख डॉ. मोहन भागवत की उपस्थिति में करपात्री जी के शब्दों में संघ के रंग वाले ध्वज में कोविदार का वृक्ष और थोड़ा सा श्रृंगार जोड़कर जो फहराया गया, वह उन्हीं के 'संकल्पों, सपनों' वाला राज ; हिन्दू राष्ट्र है!! 'सत्य की महत्ता, समता और सामाजिक सदभाव' के विशेषणों के साथ वे जिस उत्पाद को बेच रहे थे, वह ठीक उसके उलट गुण धर्म वाला फासीवाद का भारतीय संस्करण है। एक रंगी, एकरस, एकांगी समाज वाला राष्ट्र, जो रंग-बिरंगी, समावेशी, विविधताओं में गुंथे ष्अनेकता में एकताष् के प्रतीक अब तक के भारत की संगति में नहीं, उसका एकदम विलोम है। एक ऐसा राष्ट्र जो धर्मसम्मत नहीं, मनुसम्मत है रू एक ऐसा समाज जहां ष्वादे वादे जायते तत्त्वबोधःष् प्रतिबंधित है।

प्रधानमंत्री मोदी ने संघ प्रचारक के नाते दिए अपने भाषण में कई सदियों बाद गुलामी से मुक्ति के जिस जागरण की बात की, वह आधुनिकता की ओर ले जाने वाला रेनेसां दृ नवजागरण दृ नहीं है, यह पीछे की ओर, अँधेरे के काल में वापस ले जाने वाला रिवाईवलिज्म दृ पुनरोत्थान दृ है। उनका प्राचीन और पुरातन गौरव और परम्परा भी चुनिन्दा है। उसमें धरती के इस हिस्से पर जन्मा समूचा प्रबोधन भी नहीं है। वे विचार नहीं है, जिन्होंने समय-समय पर सामाजिक जड़ता को तोड़ने और जहालत के झाड़-झंखाड़ साफ़ करने के औजारों की भूमिका निबाही। समाज को बुद्धि और विवेक, तर्क और संवाद, ज्ञान और विश्लेषण का सलीका दिया और इस तरह नये सृजन, आविष्कार और अनुसंधानों के लिए राह खोली।

जबलपुर में उसी की एक झांकी मंचित की जा रही थी। यहाँ जिन किताबों को "देवी देवताओं के बारे में की गयी आपत्तिजनक टिप्पणियों" वाली बताकर उत्पात मचाया गया, वे धरा के इस हिस्से पर जन्मे और दुनिया के बहुत बड़े हिस्से को प्रभावित करने वाले असाधारण मनीषी गौतम बुद्ध और उनकी विचार-परम्परा की किताबें थीं। इस देश में शिक्षा और सामजिक क्रान्ति के अग्रदूतों में से एक जोतिबा फुले और आधुनिक भारत के शिल्पकारों में से एक डॉ. बी आर अम्बेडकर का साहित्य था। उनकी 'रिडल्स ऑफ़ हिन्दुइज्म' तथा 'एनिहिलेशन ऑफ़ कास्ट' जैसी किताबें थीं। गरज यह कि भारतीय विमर्श का वह हिस्सा, जिसने जड़ता को तोड़ने और अँधेरे को काफी हद तक चीरने में युगांतरकारी भूमिका निबाही है, ठीक वही इनके निशाने पर है।

यह मानना गलतफहमी होगी कि यह आधार सिर्फ बुद्ध, महावीर, जोतिबा या अम्बेडकर भर पर लागू होगा, इसके दायरे में ष्वसनवेद, मांडूक्य और छान्दोग्य जैसे आधे से अधिक उपनिषद् और दो-ढाई के अलावा बाकी का षडदर्शन और सारे का सारा आधुनिक सृजन आयेगा। इनके पहले वाले पहले भी ऐसा कर चुके हैं, जिन्होंने बाकियों की तो छोडिये, ऋग्वेदिक देवताओं के गुरु वृहस्पति को भी नहीं बख्शा और उनका लिखा चिंदी-चिंदी बिखेर दिया।

विदेशी गुलाम मानसिकता और विदेशी विचारों की घुसपैठ को खत्म करने की बात असल में कुछ हजार वर्षों में हासिल सभ्य समाज की स्थिति को उलटने की कोशिश है। यह बात कहाँ तक जायेगी, इसका संकेत स्वयं उन्होंने लोकतंत्र और संविधान को विदेशी बताकर जाहिर करा दिया है। लार्ड मैकाले के बहाने जो कहा गया और जिस महान भारतीय शिक्षा परम्परा की बहाली का संकेत दिया गया, वह कैसी थी, किनके लिए थी, कितनी थी, इसके उल्लेखों से ग्रन्थ के ग्रन्थ भरे हुए हैं। इस वर्णाश्रम आधारित शिक्षा की महानता दिखाने के लिए आईटी सैल के जरिये सन 1811 में साढ़े सात लाख गुरुकुलों के होने का बेबुनियाद दावा किया जाता है। मगर सचाई आंकड़ों से बयान होती है।

आंकड़े ये बताते है कि 15 अगस्त 1947 को भारत की साक्षरता दर केवल 12ः थी। 1951 में हुई पहली राष्ट्रीय जनगणना में साक्षरता दर 18.33ः दर्ज की गई। महिला साक्षरता दर और भी कम, केवल 8ः थी और हर तीन बच्चों में से केवल एक को ही प्राथमिक विद्यालय में नामांकन का अवसर मिलता था। उच्च स्तर की शिक्षा के हाल तो और भी खराब थे। 15 अगस्त 1947 को भारत में कुल 636 कॉलेज थे। विश्वविद्यालयों की संख्या को लेकर अलग-अलग स्रोतों में थोड़ी भिन्नता है, लेकिन तब भी यह संख्या 17 से 20 के बीच ही रहती है, जिनमें कुछ प्रमुख ब्रिटिश काल के दौरान स्थापित हुए थे। इनमें पढने वाले छात्र सिर्फ सवा दो लाख के करीब थे। यह आजादी के बाद दृ स्वतन्त्रता आन्दोलन में उठी मांगों और जनतांत्रिक हस्तक्षेप का नतीजा था कि 2011 की जनगणना में साक्षरता दर बढ़कर 74.04ः हो गई है। वे क्या करना चाहते है, यह उस नई शिक्षा नीति से साफ़ दिखाई देता है, जिसे इनके राज में लाया गया है। डार्विन सहित वैज्ञानिकों का तिरस्कार, शिक्षा को अंधविश्वास से भरकर, फलित ज्योतिष से लेकर अच्छी पत्नी कैसे बनें, जैसे विषय और मनु का महात्म्य विषयों में जोड़कर अभी उसकी दिशा बदली जा रही है। सार्वजनिक खर्च को सिकोड़ कर उस तक पहुँच बाधित की जा रही है। विश्वविद्यालयों पर हर तरह के हमले किये जा रहे हैं रू इनके चलते दिल्ली विश्वविद्यालय जैसे शिक्षा संस्थानों की दुर्गत की खबरे सामने आने लगी हैं।

लार्ड मैकाले उस जमाने के औपनिवेशिक प्रशासन को चलाने के लिए जिस तरह के प्रशिक्षित भारतीयों की आवश्यकता थी, उस तरह की शिक्षा प्रणाली लाये थे। मगर उसी शिक्षा को हासिल करने वाले भारतीयों ने दुनिया को देखना-समझना शुरू कर दिया। आधुनिकता का बोध और विश्लेषण का विवेक पाया। वे ही आगे चलकर उसी औपनिवेशिक सत्ता को खत्म करने वाली लड़ाई के नायकों में शामिल हुए। मोदी और उनका कुनबा उसे निशाने पर लेकर एक बार फिर भारत के अवाम को नागरिकता बोध से वंचित प्रजा में बदलना चाहते हैं। यह ध्वज उसी की शुरुआत का शंखनाद करता है।

मानव समाज का इतिहास गवाह है कि इस तरह के ध्वज जब-जब उठे हैं, तब-तब मनुष्यता आगे की दिशा में नहीं बढ़ी, पीछे की ओर ही फिसली है। पता नहीं, मोदी और कुनबे को पता है कि नहीं पता कि धर्मध्वज का शाब्दिक अर्थ भी वही है, जो वे उसे उठाकर-दिखाकर कर रहे हैं।

कोई 135 वर्ष पहले 1890 में भाषाविद वामन शिव. राम आप्टे द्वारा रचे गए पहले संस्कृतद्अंग्रेजी और उसके बाद संस्कृत-हिंदी के शब्दकोष में इसका अर्थ 'धर्म के नाम पर पाखंड रचने वाला, छद्मवेशी' बताया है। यही बात मोनियर विलियम्स के ऑक्सफ़ोर्ड प्रेस द्वारा 1899 में प्रकाशित संस्कृत-अंग्रेजी शब्दकोष में भी दर्ज है, जिनके मुताबिक़ धर्मध्वज का अर्थ 'दिखावा करने में सिद्धहस्त, पाखंडी और कपटी' होता है। 25 नवम्बर को अयोध्या में यही हो रहा था दृ जबलपुर में उसके सार को अमल में लाया जा रहा था।

वे जिस "गौरवशाली अतीत" की ओर वापस ले जाकर जिस "महान हिन्दू एकता" वाला राष्ट्र स्थापित करना चाहते हैं, उसका आधार खुद उनके मुताबिक़ मनुस्मृति पर आधारित सामाजिक ढांचा होगा। उन्हें उससे एक मिलीमीटर कम मंजूर नहीं है। मनुस्मृति क्या कहती है, यह दोहराने की आवश्यकता नहीं दृ हाल के दिनों में इसके बोल. वचन चर्चाओं में आते रहे हैं रू तब भी एक वाक्य में कहें, तो एक ऐसा समाज, जहां अधिकार वर्णों के आधार पर निर्धारित होंगे और नतीजे में सारी महिलायें और आबादी के विराट हिस्से अधिकारों से वंचित होंगे रू उनके हिस्से में सिर्फ कर्तव्य आयेंगे। मोदी ने अपने पूरे भाषण में इसीलिए कहीं भी अधिकार का शब्द नहीं उच्चारा, जब भी बोला, कर्तव्य ही याद दिलाया।

ऐसा समाज भारत देख चुका है और इसकी भारी कीमत अदा कर चुका है। साफ़ है कि इस बात का सीधे-सीधे इस्लाम या इसाइयत के साथ कोई संबंध नहीं है, असली एजेंडा तो समाज के उस हिस्से का पुनर्गठन है, जो मोटा-मोटी उस धार्मिक पहचान का है, जिसे 'हिन्दू' कहा जाता है। हिन्दू कहने में भी एक झोल है, इसलिए कुनबा इन दिनों उसकी जगह सनातनी कहने लगा है। अब इस बड़ी और आभासीय छतरी के नीचे खुद को खड़ा मानकर, जिन्हें जितने भी झांझ-मंजीरे बजाना हैं बजा लें, कितने भी त्रिपुंड लगाना हैं, लगा लें, रहना वहीं हैं, जहां रहने की मनु महाराज ने कही है। धर्मध्वज लहराने वाले सबकी समानता, बराबरी, समता और नागरिकता को विदेशी अवधारणा पर आधारित गुलाम मानसिकता मानते हैं। उनके द्वारा स्थापित किये जाने वाले हिन्दू राष्ट्र में सारे हिन्दुओं के बराबर होने का मुगालता जिनने पाला है, वे जानें, कुनबे ने तो ऐसा कभी कहा नहीं ।

(लेखक ष्लोकजतनष् के संपादक और अखिल भारतीय किसान सभा के संयुक्त सचिव हैं। संपर्क रू 9425006716)

जम्मू-कश्मीर में वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम-II के तहत 124 सीमावर्ती गांवों का विकास किया जा रहा है

सबका जम्मू कश्मीर

जम्म : जम्मू-कश्मीर में वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम के दूसरे फेज़ के तहत आठ जिलों के 43 बॉर्डर ब्लॉक में 124 स्ट्रेटेजिक गांवों के फोकस्ड डेवलपमेंट के लिए एक बड़ा रोडमैप तैयार किया गया है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी।

एक सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि यह जानकारी यहां चीफ सेक्रेटरी अटल डुल्लू की अध्यक्षता में हुई एक मीटिंग में शेयर की गई, जिसमें केंद्र शासित प्रदेश में वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम-।। की प्रोग्रेस और उसे लागू करने का आकलन किया गया।

उन्होंने कहा कि न्ज और ज़िला लेवल पर नोडल डिपार्टमेंट और अधिकारियों को बनाने के साथ-साथ जनरल एडमिनिस्ट्रेशन डिपार्टमेंट (ळ।क) द्वारा स्क्रीनिंग कमेटियों के गठन के साथ एक मज़बूत इंस्टीट्यूशनल फ्रेमवर्क बनाया गया है। उन्होंने कहा कि इस प्रोग्राम में उत्तरी कश्मीर के बारामूला, बांदीपोरा और कुपवाड़ा के बॉर्डर जिले और जम्मू डिवीज़न के सांबा, जम्मू, कठुआ, राजौरी और पुंछ शामिल हैं। चार महत्वपूर्ण क्षेत्रों में संतृप्ति प्राप्त करने के लिए 1,421 सीमावर्ती गांवों में एक व्यापक अंतर विश्लेषण किया गया है - पीएमजीएसवाई-प्ट के तहत सभी मौसम सड़क संपर्क।

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

"अंगदान : दुनिया की पहली शोध-आधारित डॉक्यूमेंट्री जो अंगदान को वैज्ञानिक, सामाजिक और मानवीय दृष्टि से समझाती है"

पिनरायी विजयन, अनुवाद : संजय पराते

अंगदान आधुनिक चिकित्सा विज्ञान का वह चमत्कार है, जिसके सहारे दुनिया में हर वर्ष लाखों लोगों को नई जिंदगी मिल सकती है। लेकिन विडंबना यह है कि इसी विषय के बारे में सबसे ज़्यादा भ्रम, डर, मिथक और अनजान भावनाएँ भी हमारे समाज के भीतर गहरी जड़ें जमाए हैं। लोगों की संवेदनाओं, धार्मिक धारणाओं और जानकारी की कमी ने अंगदान को एक कठिन विषय बना दिया है जबकि सच यह है कि चिकित्सा जगत में यह जीवन देने का सबसे मानवीय और पवित्र कार्य माना जाता है। इसी मानवीय संघर्ष, वैज्ञानिक सत्य और सामाजिक हकीकत को अत्यंत गंभीरता और शोध के साथ सामने लाने का अद्भुत कार्य निर्माता, निर्देशक और लेखक रवि शंकर प्रसाद की डॉक्यूमेंट्री "अंगदान" ने किया हैकृएक ऐसी फ़िल्म जो न केवल भारत में, बल्कि वैश्विक स्तर पर अपनी तरह का पहला और सबसे गहन शोध–आधारित प्रयास बनकर सामने आती है।

इस डॉक्यूमेंट्री के निर्माण की प्रक्रिया किसी सामान्य फिल्म की तरह नहीं थी। यह एक लंबी यात्रा थी, जिसमें महीनों तक अस्पतालों के चक्कर लगे, ट्रांसप्लांट यूनिट्स में ज़िंदगी और मौत की जद्दोजहद को करीब से देखा गया, डॉक्टरों के साथ घंटों बैठकर अंग प्रत्यारोपण की तकनीक समझी गई और उन मरीजों की आँखों में वह प्रतीक्षा भी पढ़ी गई जो किसी एक अंग के इंतज़ार में साँसें गिनते रहते हैं। इस फिल्म की ख़ास बात यही है कि इसमें तथ्य सिर्फ किताबों या रिपोर्ट्स से नहीं, बल्कि जीवन के सबसे नज़दीकी मोड़ से उठाए गए हैंकृ जहाँ डॉक्टर, मरीज, दाता, परिजन और समाज सभी किसी न किसी रूप में अंगदान के इस जटिल सवाल से जुड़े होते हैं।

फिल्म की शुरुआत एक सहज लेकिन बेहद गहरे प्रश्न से होती हैकृअंगदान आखिर है क्या? यह प्रश्न दर्शक को उस यात्रा में ले जाता है जहाँ पहला कदम जानकारी का है और अंतिम कदम मानवीय निर्णय का। कैमरा जब मरीजों की ओर मुड़ता है तो यह स्पष्ट होता है कि अंगदान उनके लिए दवा नहीं, बल्कि उनका अंतिम सहारा है। उनकी धीमी साँसें, उनके परिवार की चिंता और डॉक्टरों का संघर्षकृ यह सब मिलकर एक ऐसी दुनिया बनाते हैं जो आम लोगों के लिए अज्ञात है मगर प्रतिदिन लाखों जीवन इसी मोर्चे पर लड़ते हैं।

रवि शंकर प्रसाद ने इस फिल्म में अंगदान के वैज्ञानिक पहलुओं को भी बहुत सहजता से पिरोया है। वे बताते हैं कि मृत्यु के बाद एक व्यक्ति न केवल कई अंग दान कर सकता है बल्कि उसके निर्णय से आठ या उससे अधिक लोगों को जिंदगी मिल सकती है। वे यह भी समझाते हैं कि जीवित व्यक्ति

किन परिस्थितियों में अंगदान कर सकता है और कौन–सी प्रक्रियाएँ सुरक्षित हैं। लेकिन फिल्म की असल संवेदना यहाँ नहीं हैकृयह वहाँ है जहाँ परिवार के दिलोदिमाग से जुड़े प्रश्नों को सामने रखा गया है। क्यों लोग अंगदान के लिए तैयार नहीं होते? कौन–से मिथक उन्हें डराते हैं? क्यों मृत्यु के बाद भी शरीर को लेकर सामाजिक झिझक हावी रहती है? यह फिल्म इन्हीं भावनात्मक अवरोधों को वैज्ञानिक तर्क और वास्तविक अनुभवों के माध्यम से तोड़ती है।

डॉक्यूमेंट्री में डॉक्टरों की आवाज़ उनकी पेशेवर गंभीरता से ऊपर उठकर इंसानियत की एक गहरी पुकार बन जाती है। वे बताते हैं कि एक अंग के इंतज़ार में हर दिन कितने मरीज जीवन की आखिरी सीमा पर खड़े होते हैं। इसी के समानांतर वे परिवार भी दिखाई देते हैं जिन्होंने किसी प्रियजन को खोने की पीड़ा के बीच अंगदान का निर्णय लिया। उनकी आँखों में दु:ख है, लेकिन साथ ही यह संतोष भी कि किसी और की जिंदगी में उनका अपना कोई हिस्सा आज भी धड़कता है। यह संवेदना दर्शक को भीतर तक छू जाती है। फिल्म में एनजीओ के कार्यकर्ताओं ने भी यह बताया है कि समाज में अंगदान की जागरूकता बढ़ाने के लिए कितनी मेहनत करनी पड़ती है और कितनी ग़लतफहमियों से रोज़ सामना होता है। उनकी बातों से यह सत्य सामने आता है कि समस्या केवल जानकारी की नहीं है, बल्कि विश्वास की कमी भी है। और यही वह क्षेत्र है जहाँ यह डॉक्यूमेंट्री समाज का आईना बन जाती हैकृजो हमें बताती है कि अंगदान सिर्फ एक मेडिकल प्रोस. ीजर नहीं, बल्कि एक मानवीय निर्णय है जिसे समाज को समझना और स्वीकार करना होगा।

"अंगदान" केवल जानकारी देने वाली फिल्म नहीं है; यह एक भावनात्मक यात्रा, एक वैज्ञानिक अन्वेषण और एक सामाजिक क्रांति का सम्मिलित रूप है। फिल्म यह संदेश देती है कि मृत्यु का अर्थ समाप्ति नहीं, वह किसी अन्य व्यक्ति के जीवन की शुरुआत भी बन सकती है। और यदि समाज अपने डर और मिथकों को त्याग दे, तो लाखों लोग जो आज अंगों के अभाव में अपनी आखिरी साँसें गिन रहे हैं, वे फिर से जी सकते हैं।

इस डॉक्यूमेंट्री के माध्यम से रवि शंकर प्रसाद ने न केवल एक फिल्म बनाई है, बल्कि एक आंदोलन की शुरुआत की हैकृएक ऐसा आंदोलन जो आने वाली पीढ़ियों को यह सिखाएगा कि मानवता का सबसे बड़ा धर्म जीवन देना है। अंगदान किसी भी मनुष्य को 'देवदूत' बनने का अवसर देता है, और यह फिल्म इसी सत्य को दुनिया की सबसे सरल, लेकिन सबसे प्रभावशाली भाषा में सामने रखती है।

अंगदान पर दुनिया में पहली बार इतना विस्तृत शोध आधारित निर्माण

डॉक्यूमेंट्री की तैयारी से पहले रवि शंकर प्रसाद ने महीनों तक रिसर्च की।

भारत के बड़े अस्पतालों, ट्रांसप्लांट यूनिट्स, आईसीयु, ऑर्गन बैंक, एनजीओ, वरिष्ठ डॉक्टरों और मरीजों से मुलाकात की।

इसलिए फिल्म में सिर्फ कथन नहींकृसाक्ष्य, विज्ञान, मानवीय अनुभव और वास्तविक जीवन बोलता है।

फिल्म एक बुनियादी प्रश्न से शुरू होती हैरू

"अंगदान क्या है, और इसके बिना कितनी ज़िंदगियाँ हर साल समाप्त हो जाती हैं?"

डॉक्यूमेंट्री में विस्तार से बताया गया हैकृ

किन स्थितियों में किसी मरीज को लिवर, किडनी, हार्ट या कॉर्निया की जरूरत पड़ती है

- ☐ कौन लोग अंगदान कर सकते हैं
- ☐ मृत्यु के बाद किन अंगों का उपयोग किया जा सकता है
- ☐ जीवित अंगदान और मृत्योपरांत अंगदान में क्या अंतर है
- ☐ भारत में अंगदान का वास्तविक संकट क्या है

डर और भ्रमरू परिवार को निर्णय लेने से सबसे ज़्यादा क्या रोकता है?

यह डॉक्यूमेंट्री भारत की सबसे बड़ी समस्या पर प्रकाश डालती हैकृ

परिवार अंगदान के निर्णय से डरता है।

इसके कारणरू

- ☐ धार्मिक गलतफहमी
- ☐ शरीर की असम्मान की आशंका
- ☐ सामाजिक मिथक
- ☐ प्रक्रिया की जानकारी का अभाव

भावनात्मक सदमा

फिल्म इन सभी मिथकों को वास्तविक वैज्ञानिक प्रमाणों और डॉक्टरों की व्याख्या से तोड़ती है।

डॉक्टरों, मरीजों, डोनर्स और एनजीओ की वास्तविक आवाज़

इस डॉक्यूमेंट्री की सबसे बड़ी ताक़त इसका मानवीय सत्य है।

फिल्म में शामिल हैंकृ

- ☐ विश्वसनीय सर्जनों के विस्तृत इंटरव्यू
- ☐ प्रत्यारोपण का इंतज़ार कर रहे मरीज, जिनकी सांसें अंग के भरोसे अटकी थीं
- ☐ सफल प्रत्यारोपण के बाद वापिस जीवन पाई हुई वास्तविक कहानियाँ
- ☐ अंगदान करने वाले परिवारों की दिल छू लेने वाली भावनाएँ
- ☐ एनजीओ का समाज को जागरूक करने का संघर्ष

इन सभी के संयुक्त विश्लेषण से फिल्म यह स्पष्ट संदेश देती है किकृ

अंगदान जीवन का अंत नहीं, बल्कि किसी अन्य के लिए जीवन की नई शुरुआत है।

अंगदानरू मृत्यु के बाद भी 'जीवन का पुनर्जन्म'

फिल्म यह दिखाती है कि मृत्यु के बाद एक व्यक्तिकृ

- ☐ दो को किडनी
- ☐ एक को लिवर
- ☐ एक को हृदय
- ☐ दो को कॉर्निया

और कई अंगों से आठ से अधिक ज़िंदगियाँ बचा सकता है।

यह तथ्य समाज में शायद ही किसी को ज्ञात हो।

डॉक्यूमेंट्री का उद्देश्य लोगों को यह समझाना है कि

"मृत्यु का अर्थ समाप्ति नहीं, वह किसी अन्य की ज़िंदगी का आरंभ भी बन सकती है।"

समाज और राष्ट्र के लिए क्यों आवश्यक है यह डॉक्यूमेंट्री?

भारत दुनिया में सबसे अधिक ट्रांसप्लांट की आवश्यकता वाला देश है, लेकिन अंगदान की दर अत्यंत कम है।

यह स्थिति चिकित्सकीय, सामाजिक और भावनात्मककृतीनों स्तरों पर सुधार की मांग करती है।

"अंगदान" इस दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है।

फिल्मकृ

- ृ जागरूकता बढ़ाती है
- ृ वैज्ञानिक जानकारी उपलब्ध कराती है
- ृ मिथक तोड़ती है
- ृ समाज को मानवता और करुणा की राह पर ले जाती है

एक फिल्म नहीं, एक सामाजिक आंदोलन

रवि शंकर प्रसाद द्वारा बनाई गई डॉक्यूमेंट्री "अंगदान" केवल सूचना देने वाली फिल्म नहीं है;

यह एक मानवीय क्रांति,
एक वैज्ञानिक जागरण,
और एक समाजिक आवश्यकता है।

इस डॉक्यूमेंट्री का संदेश स्पष्ट हैकृ

"यदि हम चाहें, तो हर मनुष्य किसी अजनबी जीवन का देवदूत बन सकता है।"

रविंद्र आर्य
(विश्लेषणात्मक पत्रकार, लेखक और भारतीय लोकसंस्कृति के संवाहक हैं।)

ऑपरेशन सिंदूर में हमने जोरदार प्रहार किया; उकसाने पर और भी जोरदार प्रहार करेंगे : पश्चिमी कमांड के जीओसी और इन और चीफ ने पाकिस्तान को चेतावनी दी

सबका जम्मू कश्मीर

नई दिल्ली : वेस्टर्न कमांड के जनरल ऑफिसर कमांडिंग–इन–चीफ, लेफ्टिनेंट जनरल मनोज कुमार कलियार ने कहा कि बड़े पैमाने पर होने वाली कॉम्बैट रेडीनेस एक्सरसाइज श्राम प्रहारश को दुश्मन की किसी भी दुश्मनी भरी हरकत की हालत में भारत के रिस्पॉन्स सिस्टम को मजबूत करने के लिए डिजाइन किया गया है।

एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में लेफ्टिनेंट जनरल कलियार ने कहा कि सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान दुश्मन को पहले ही "काफी नुकसान" पहुंचाया है, और नई एक्सरसाइज की तैयारी का मकसद ज़रूरत पड़ने पर और भी मज़बूत जवाबी कार्रवाई करना है।

उन्होंने कहा, "आप सब जानते हैं कि हमने ऑपरेशन सिंदूर में दुश्मन को काफी नुकसान पहुंचाया था। अब हम यह भी जानते हैं कि दुश्मन कुछ ऐसा करने की कोशिश कर सकता है जिसका हमें फिर से जवाब देना पड़ सकता है।"

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

संपादकीय

वायु संकट प्रबंधन

संपादक – राज कुमार

दुनिया के सबसे ज़्यादा प्रदूषित राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र होने का तमगा, 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने की सत्ताधारी सरकार की महत्वाकांक्षाओं को गंभीर रूप से कम करता है। इसके लिए सर्दियों में प्रदूषण के मौसम के दौरान ही नहीं, बल्कि पूरे साल इस समस्या से निपटने के लिए एक ठोस प्रयास की ज़रूरत है। दुर्भाग्य से, नीतिगत प्रतिक्रिया समस्या के मूल कारणों से निपटने के बजाय केवल लक्षणों को ही संबोधित करती है। इस प्रकार, यदि वायु गुणवत्ता सूचकांक कुछ निश्चित सीमाओं को पार करता है, तो अधिकारी राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (छब्) में ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ळत्।च्) के चरण ㄴ से ㄸ तक के विभिन्न चरणों को लागू करते हैं। नवीनतम पहल निचले चरणों में उच्च चरणों के उपायों को अपनाना हैरू उदाहरण के लिए, ळत्।च् चरण ㅃ में ळत्।च् चरण ㄸ, जिसमें सार्वजनिक, नगर निगम और निजी कार्यालयों को 50ः कर्मचारियों के साथ काम करने और बाकी को घर से काम करने की अनुमति देने का निर्णय शामिल है। क्या ऐसे उपाय हवा की गुणवत्ता में और गिरावट को रोक. गे, यह बहस का विषय है क्योंकि यह लगातार बहुत खराब से गंभीर श्रेणी में बनी हुई है। पिछले रविवार को, तेज़ उत्तर–पश्चिमी हवाओं ने हवा में प्रदूषकों को फैला दिया और खराब श्रेणी को अस्थायी राहत प्रदान की। छब् में प्रदूषण का उच्च स्तर बना रहने के कारण, स्पष्ट रूप से सरकार के उच्चतम स्तरों को युद्ध स्तर पर इस समस्या का समाधान करने की आवश्यकता है। भारतीयों का एक नया पसंदीदा अंतर्राष्ट्रीय गंतव्य है – और यह यूरोप या कोई भी सामान्य वीज़ा–मुक्त देश नहीं है। निश्चित रूप से, यह अक्टूबर में प्रधान मंत्री के प्रधान सचिव की अध्यक्षता में पर्यावरण से लेकर कृषि तक के सचिवों के साथ–साथ दिल्ली–छब् राज्यों के मुख्य सचिवों की एक उच्च–स्तरीय टास्क फोर्स का उद्देश्य था। रिपोर्टों के अनुसार, विचार–विमर्श में वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग और केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को एक नई उत्सर्जन सूची और स्रोत विभाजन अध्ययनों पर काम में तेज़ी लाने के निर्देश दिए गए हैं। अन्य में दिल्ली से सटे राज्यों से ंहवा की गुणवत्ता में दृश्य सुधार के लिए व्यावहारिक और परिणाम–उन्मुख उपाय अपनानेंष् के लिए कहना शामिल है। बड़ा सवाल यह है कि क्या हमें स्रोत विभाजन पर और अधिक अध्ययनों की आवश्यकता है, जब भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर, द एनर्जी एंड रिसोर्सेज इंस्टीट्यूट, और सिस्टम ऑफ एयर क्वालिटी एंड वेदर फोरकास्टिंग एंड रिसर्च द्वारा पहले ही काफी काम किया जा चुका है, जिसमें पाया गया कि उत्सर्जन में परिवहन क्षेत्र का योगदान सबसे अधिक था। अद्यतन अध्ययनों से छब् में वाहनों के शीर्ष प्रदूषक होने की इस मूल वास्तविकता में बदलाव की संभावना नहीं है। सड़कों पर पर्सनल गाड़ियों की बढ़ती संख्या सस्टेनेबल नहीं है, इसलिए पब्लिक ट्रांसपोर्ट को ज़्यादा अपनाने के लिए इंसेंटिव देकर छब् को पब्लिक हेल्थ के नज़रिए से ज़्यादा रहने लायक बनाया जा सकता है। हाई–लेवल टास्क फोर्स ने इस मुद्दे पर चर्चा की और सही कहा कि छब् की आधी से ज़्यादा गाड़ियां दिल्ली में हैं; और दिल्ली–छब् में 37ः गाड़ियां अभी भी पुराने ठे–ㄴ से ठे–ㅃ एमिशन नॉर्म्स वाली हैं। सुझावों में ग्रीन स्टैंडर्ड का पालन न करने वाली गाड़ियों के मालिकों पर जुर्माना लगाने के साथ–साथ सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को इलेक्ट्रिक गाड़ियों की तरफ तेज़ी से बढ़ने और चार्जिंग नेटवर्क का विस्तार करने का निर्देश देना शामिल था। लेकिन इस रणनीति में बहुत ज़्यादा समय लगेगा क्योंकि इसका इस्तेमाल अभी कम है। अभी तुरंत ज़रूरत है कुछ अलग सोचने की ताकि छब् के ज़्यादा से ज़्यादा नागरिकों को पब्लिक ट्रांसपोर्ट अपनाने के लिए मनाया जा सके। इसके लिए मेट्रो नेटवर्क की लास्ट–माइल कनेक्टिविटी को बेहतर बनाना होगा और बस फ्लीट का बड़े पैमाने पर विस्तार करना होगा, जो 27 साल पहले सुप्रीम कोर्ट द्वारा तय किए गए 10,000 बसों के टारगेट को भी पूरा नहीं करता है। अगर टास्क फोर्स फिर से मिलती है और छब् में पब्लिक ट्रांसपोर्ट के ज़्यादा इस्तेमाल को बढ़ावा देने पर चर्चा करती है, तो इससे बहुत फर्क पड़ेगा क्योंकि यह सच में पूरे साल प्रदूषण को कम करने में मदद कर सकता है।

अमित शाह हैं संकटमोचन, संगठनशिल्पी और लौहपुरूष

ललित गर्ग

भारत की राजनीति में कुछ नाम ऐसे होते हैं जो केवल पदों से नहीं, अपने कर्म, दृष्टि, दृढ़ता, संकल्प और राष्ट्रभावना से पहचान पाते हैं। अमित अनिलचंद्र शाह ऐसा ही एक नाम है–संघर्षों में तपे, संगठन के शिल्पी और राष्ट्र की सुरक्षा एवं एकता के प्रहरी। एक प्रभावशाली और कुशल राजनीतिज्ञ के रूप में, अमित शाह का भारतीय राजनीति में एक प्रमुख स्थान है। गृह एवं सहकारिता मंत्री के रूप में उन्होंने भारत की आंतरिक सुरक्षा, सामाजिक एकता और ग्रामीण विकास के क्षेत्रों में जो क्रांतिकारी एवं युगांतकारी कार्य किए हैं, वे उन्हें हमारे समय का 'लौहपुरुष' सिद्ध करते हैं–सरदार वल्लभभाई पटेल की परंपरा के सच्चे उत्तराधिकारी। निश्चित ही शाह एक युगांतरकारी एवं युग–निर्माता लोकनायक हैं। उन्हें अक्सर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का करीबी सहयोगी, कुशल शासक और पार्टी के लिए एक प्रमुख चुनावी रणनीतिकार माना जाता है। एक किशोर के रूप में, वह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में शामिल हो गए। यहीं से उनके राजनीतिक सफर की शुरुआत हुई। 1987 में वह भाजपा के युवा मोर्चा के सदस्य बने। गुजरात में नरेंद्र मोदी के मुख्यमंत्री कार्यकाल के दौरान, अमित शाह एक शक्तिशाली नेता के रूप में उभरे। उन्होंने कई महत्वपूर्ण मंत्रालय संभाले, जिनमें गृह, कानून और न्याय और परिवहन शामिल थे।

अमित शाह ने सहकारिता मंत्रालय को मात्र एक विभाग नहीं, बल्कि ग्रामीण भारत के पुनर्जागरण का आंदोलन बना दिया। उनकी दृष्टि में सहकारिता केवल आर्थिक संरचना नहीं, बल्कि 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' का व्यावहारिक दर्शन है। उन्होंने शक्कर कारखानों से लेकर डेयरी, कृषि–उद्योग, बीज उत्पादन और विपणन तक सहक. ारिता को एक नई गति दी। देश के पहले राष्ट्रीय सहका. रिता नीति मसौदे की तैयारी, पीएसी के डिजिटलीकरण और 200,000 प्राथमिक कृषि साख समितियों को मल्टी–डायमेंशनल मॉडल में बदलने की दिशा में उनका काम ऐतिहासिक है। उनके नेतृत्व में सहकारिता अब आत्मनिर्भर भारत की रीढ़ बन चुकी है, जहाँ किसान केवल उत्पादक नहीं, बल्कि साझेदार हैं। अमित शाह ने सहकारिता को नई भाषा दी–"सहकार से समृद्धि"।

भारत के भीतरी हिस्सों में दशकों से नक्सलवाद ने भय, असुरक्षा और विकासहीनता का माहौल बनाया था। अमित शाह के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने 'समग्र रणनीति' के तहत नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में निर्णायक कार्रवाई की। कानून–व्यवस्था, खुफिया सूचना और स्थानीय विकास के त्रिस्तरीय ढांचे पर आधारित इस नीति ने नक्सलवाद को जड़ों से हिला दिया। आज भारत के 90 प्रतिशत से अधिक नक्सल क्षेत्र शांति के मार्ग पर लौट रहे हैं, निकट भविष्य में भारत नक्सल मुक्त राष्ट्र बन जायेगा, यह अमित शाह की सूझबूझ, संकल्प और दृढ़ता का परिणाम है। उनका विश्वास रहा–"गोलियों से नहीं, विकास और संवाद से आतंक मिटाया जा सकता है।" उनकी अलग कार्यशैली की झलक अध्यक्ष बनने के बाद से ही पार्टी को दिखने लगी थी। अमित शाह का नाम जम्मू–कश्मीर के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में अंकित रहेगा। उनकी रणनीति और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अनुच्छेद 370 का हटाया जाना केवल एक संवैधानिक निर्णय नहीं, बल्कि राष्ट्र की अखंडता का संकल्प था। यह उस विभाजनकारी मानसिकता पर अंतिम प्रहार था जिसने वर्षों तक कश्मीर को अलगाव की आग में झोंक रखा था। आज घाटी में तिरंगा गर्व से लहराता है, पर्यटन और निवेश के नए द्वार खुल रहे हैं, और युवाओं में आत्मविश्वास लौट रहा है–यह अमित शाह की निर्भीक राजनीतिक इच्छाशक्ति का परिणाम है। उन्होंने संसद में कहा था–"कश्मीर भारत का मुकुट है, और जब तक इसकी हर घाटी में शांति और विकास नहीं आता, तब तक हमारा प्रयास अधूरा रहेगा।" शाह की कार्यशैली में सबसे अहम है कि किसी चीज को पहले से भांपने की। कश्मीर से 370 हटाने का मामला हो या फिर किसी चुनावी रणनीति की तैयारी, उन्हें अंदाजा हो जाता है कि किस मोहरे को कहां बिठाना है। इसी का असर है कि अनुच्छेद 370 हटाने के बाद अब तक कश्मीर में शांति एवं वहां शांतिपूर्ण चुनाव का होना है तो अयोध्या जैसे सदियों के विवाद का अंत शांतिपूर्ण तरीके से हो जाना है।

गृह मंत्री के रूप में अमित शाह ने देश की सुरक्षा व्यवस्था को नई ऊँचाई दी। आतंकी नेटवर्क के विरुद्ध कड़े कानून, एनआईए की शक्ति में वृद्धि, सीमा सुरक्षा में तकनीकी नवाच. ार और पुलिस सुधारों की नई पहल–इन सबने भारत की आंतरिक मजबूती को सुदृढ़ किया है। उन्होंने 'शून्य सहनशीलता नीति' को व्यवहार में उतारा। चाहे दिल्ली दंगे हों या सीमा पार आतंकवाद की चुनौती–हर परिस्थिति में उनका निर्णय तेज, संतुलित और राष्ट्रहित में रहा। उनके कार्यकाल में भारत में आंतरिक सुरक्षा का सबसे स्थिर दौर देखा जा रहा है, जहाँ आतंक, नक्सलवाद और अलगाववाद तीनों पर नियंत्रण स्थापित हुआ है। राजनीतिक दृष्टि से अमित शाह को 'मोदी के हनुमान' कहा जाता है, क्योंकि वे न केवल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सबसे विश्वसनीय सहयोगी हैं, बल्कि उनकी दृष्टि को व्यवहार में उतारने वाले कर्मयोद्धा भी हैं। 2014 से 2020 तक, उन्होंने भाजपा के 10वें अध्यक्ष के रूप पार्टी को 70 से अधिक देशों के बराबर सदस्य संख्या वाला विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक संगठन बनाया। 2014 और 2019 के चुनावों में उनकी रणनीति, संगठन और जनसंपर्क ने भाजपा को ऐतिहासिक विजय दिलाई। उनके रणनीतिक कौशल ने पार्टी को सफलता की नई ऊंचाइयों तक पहुँचाया। लेकिन उनकी पहचान राजनीति से परे है–वे राष्ट्रीय एकता के संरक्षक, सुरक्षा के प्रहरी और सहकारिता के संचारक हैं। अमित शाह ने संगठन के बाद सरकार में भी अपनी कौशल क्षमता का लोहा मनवाया तो जब भी संसदीय इतिहास में भारत के मोदीमय होने की गाथा का वर्णन होगा, उसमें 'चाणक्य नीति' की तरह 'शाह नीति' का जिक्र स्वाभाविक होगा। अमित शाह की यह रणनीति पार्टी नेताओं को भी तब समझ आई जब चुनावों के आधिकारिक पोस्टरों–बैनरों पर भी शाह की तस्वीर नजर नहीं आई, दरअसल वे पूरे चुनाव को मोदीमय करने की 'शाह नीति' थी। इसलिए शाह ने एक स्पष्ट निर्णय लिया कि प्रचार साम. ग्रियों पर सिर्फ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही होंगे। आधुनिक राजनीति का चाणक्य कहें या फिर मोदी के भरोसेमंद सारथी, इसी खास सोच की वजह से भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह की यह अमिट पहचान बन चुकी है।

अमित शाह को एक उत्कृष्ट संगठक और अभियान रणनी. तिकार माना जाता है। उनके समर्थक उन्हें हिंदू धर्म का महान रक्षक मानते हैं, जबकि उनके आलोचक उन्हें एक ध्रु. वीकरण करने वाली शख्सियत के रूप में देखते हैं। वह अपनी राजनीतिक कुशलता और जमीन से जुड़कर काम करने के लिए जाने जाते हैं। अमित शाह का राजनीतिक करियर उनके रणनीतिक कौशल, संगठन क्षमता और कठोर निर्णय लेने की प्रवृत्ति को दर्शाता है। एक छोटे कार्यकर्ता से लेकर देश के गृह मंत्री तक का उनका सफर भारतीय राजनीति में उनके मजबूत प्रभाव का प्रमाण है। वह भविष्य में भी भारतीय राजनीतिक परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण व्यक्ति बने रहने की संभावना है। अमित शाह का व्यक्तित्व सरदार वल्लभभाई पटेल की स्मृति को सजीव करता है। जहाँ पटेल ने रियासतों का विलय किया, वहाँ शाह ने विचारों का एकीकरण किया। जहाँ पटेल ने लौह इच्छाशक्ति से भारत का नक्शा जोड़ा, वहाँ शाह ने अखंड भारत की भावना को राजनीतिक और सामाजिक धरातल पर साकार किया। उनके जीवन का सूत्रवाक्य रहा है–"व्यक्ति नहीं, राष्ट्र सर्वोपरि।" शाह ने राष्ट्रवाद को सर्वोपरि रखा तो 'काम रुके ना, देश झुके ना' के नारे के साथ विकास को भी उसमें जोड़ा। चुनौतियों से जूझने की उनकी छवि ही उन्हें जुझारू और लक्ष्य के प्रति जुनूनी बनाती रही है।

अमित शाह की कार्यशैली अनूठी एवं विलक्षण है, वे जब कोई काम हाथ में लेते हैं तो स्पष्ट लक्ष्य सामने होता है और उसके हिसाब से रणनीति पर काम करते हैं। भले नतीजे पक्ष में आए या खिलाफ, इसकी परवाह नहीं करते। उनका विजन स्पष्ट रहता है और नतीजों के बजाए काम करने पर फोकस रहता है। इसलिए मोदी–शाह की जोड़ी हर चुनाव को युद्ध के रुप में लड़ने के लिए जानी जाती है। शाह का मानना है कि संगठन को हमेशा 24 घंटे 365 दिन गतिशील रखना चाहिए। यह काम वे अपने पांच दशक के राजनीतिक सफर में, वार्ड के बूथ प्रभारी के तौर से करते रहे हैं। गीत–संगीत के शौकीन शाह निदा फाजली के प्रशंसकों में से हैं। खाने–पीने के शौकीन जरुर हैं, लेकिन संयमित और अनुशासित भोजन ही लेते हैं।

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

'पाकिस्तान सरकार और अधिकारियों की चुप्पी बुरी...', कांग्रेस सांसद शशि थरूर इमरान खान पर क्या बोले?

नई दिल्ली

पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ के फाउंडर और पाकिस्तान के पूर्व च्ड इमरान खान को लेकर बवाल में मचा हुआ है. उनकी पार्टी के कार्यकर्ता लगातार पाकिस्तानी सड़कों पर प्रदर्शन कर रहे हैं. अब इमरान खान पर कांग्रेस सांसद शशि थरूर का बयान आया है. उन्होंने इशारों–इशारों में पाकिस्तान को घेरने की कोशिश की है और सवाल भी खड़े किए हैं. कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा, "मुझे लगता है कि हमारे लिए किसी दूसरे देश के अंदरूनी मामलों पर कमेंट करना ठीक नहीं है. लेकिन यह निश्चित रूप से कुछ चिंता की बात है कि इस मामले पर इतनी चुप्पी है. कई लोग दावा कर रहे हैं कि इससे भी बुरा हुआ है, लेकिन पाकिस्तान सरकार और अधिका. रियों ने कुछ नहीं कहा है. यह चुप्पी बुरी है. आपने उनके बेटे का मैसेज देखा, जिसमें कहा गया था कि वह अपने पिता के जिंदा होने का सबूत चाहता है. जाहिर है, अभी तक किसी ने भी यह सबूत नहीं दिया है कि उनके पिता जिंदा हैं. यह कुछ चिंता की बात है."

जेल में डालकर गायब नहीं कर सकते

सांसद शशि थरूर ने कहा, 'मैं सिर्फ भारत के एक आम नागरिक के तौर पर बोल रहा हूं, यह हमारे लिए कोई फॉरेन पॉलिसी का मामला नहीं है. यह पाकिस्तान का अंदरूनी मामला है, लेकिन एक इंसान दांव पर लगा है. क्रिकेट फैंस और दूसरे लोग हैं जो जानना चाहेंगे कि उस आदमी के साथ क्या हुआ. आप किसी को जेल में डालकर गायब नहीं कर सकते. इसलिए, अगर कुछ हुआ है, तो मेरे हिसाब से अथॉरिटी को इस पर सफाई देनी चाहिए. अगर अथॉरिटी सफाई नहीं दे रही है तो उन पर सवाल खड़े होना लाजमी है.'

अफगानिस्तान के दावे के बाद पाकिस्तान में सियासी तूफान

दरअसल, पाकिस्तान में बुधवार शाम अचानक सियासी तूफान आ गया, जब सोशल मीडिया पर यह दावा सामने आया कि अदियाला जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की रहस्यमयी मौत हो गई है.

यह दावा अफगानिस्तान टाइम्स नाम के एक एक्स अकाउंट ने किया गया था. देखते ही देखते इमरान की मौत की अफवाह इतनी तेजी से फैली कि हजारों समर्थक जेल के बाहर जमा हो गए और पाकिस्तान की सियासत में उबाल आ गया. वैसे अभी तक पाकिस्तान सरकार ने इमरान खान को सही सलामत बताया है.

सीबीके ने नौकरी घोटाले में पुलिस अधिकारी के खिलाफ आरोपपत्र दायर किया; आरोपी पर सरकारी पदों के लिए कथित तौर पर पैसे लेने का आरोप

सबका जम्मू कश्मीर

श्रीनगर : क्राइम ब्रांच कश्मीर की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने एक महत्वपूर्ण कार्रवाई करते हुए नौकरी दिलाने के नाम पर धोखाधड़ी करने के आरोप में एक पुलिस अधिकारी के खिलाफ औपचारिक आरोप पत्र दायर किया है। यह मामला उन मामलों में से एक है, जिनमें पद का दुरुपयोग करके आम लोगों की उम्मीदों, उनकी असुरक्षा और उनकी आकांक्षाओं को निशाना बनाकर आर्थिक शोषण किया जाता है। आरोपी पुलिस अधिकारी रियाज अहमद डार, पुत्र अब्दुल रशीद डार, निवासी नारू रत्नीपोरा, पुलवामा को इस मामले में मुख्य आरोपी बनाया गया है। उनके खिलाफ एफआईआर संख्या 15/2025 के तहत भारतीय दंड संहिता की धारा 420 के अंतर्गत आरोप पत्र विशेष मोबाइल मजिस्ट्रेट, पुलवामा की अदालत के समक्ष पेश किया गया है।

क्राइम ब्रांच की ओर से जारी बयान के अनुसार, यह मामला तब सामने आया जब ईओडब्ल्यू श्रीनगर को विश्वसनीय और ठोस जानकारी प्राप्त हुई कि आरोपी पुलिस अधिकारी, जो एचसी पद पर तैनात था और जिसका बेल्ट नंबर 53/आईआरपी 21वीं बटालियन तथा एआरपी नंबर 993957 है, अपनी सरकारी स्थिति का दुरुपयोग करते हुए लोगों को नौकरी का झांसा दे रहा था। सूचना के अनुसार, आरोपी ने कई ऐसे व्यक्तियों से संपर्क किया, जो स्थायी सरकारी नौकरी की तलाश में थे और जिन्हें इस बात का भरोसा दिलाया गया कि उचित रकम देने पर उन्हें जल्द ही सरक. ारी पद दिलाया जा सकता है।

ईओडब्ल्यू ने इस सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस स्टेशन ईओडब्ल्यू श्रीनगर में प्रारंभिक जांच शुरू की। जांच के दौरान कई ऐसे तथ्य सामने आए, जो आरोपों की पुष्टि करते थे। यह पाया गया कि आरोपी ने न केवल अपनी पहचान और पद का दुरुपयोग किया, बल्कि कई भोले–भाले लोगों की आर्थिक स्थिति और उनकी उम्मीदों का फायदा उठाकर उनसे बड़ी रकम वसूली। यह रकम सरकारी नियुक्तियों के नाम पर ली गई थी, जबकि वास्तव में आरोपी के पास इस संबंध में कोई अधिकार, स्वीकृति या आधिकारिक प्रक्रिया नहीं थी। जांच में यह भी स्पष्ट हुआ कि रियाज अहमद डार ने जिन लोगों से पैसे लिए, उन्हें लगातार भ्रमित रखा। उनसे कहा जाता था कि नियुक्ति प्रक्रिया जारी है या औपचारिकताएँ पूरी की जा रही हैं, जबकि इनमें से कोई भी बात सत्य नहीं थी। कुछ मामलों में तो पीड़ितों को फर्जी दस्तावेज और नियुक्ति–संबंधी कागज भी दिखाए गए, जिससे उन्हें भरोसा हो सके कि प्रक्रिया सही दिशा में बढ़ रही है। इन सभी तथ्यों से स्पष्ट हुआ कि यह एक सुनियोजित धोखाधड़ी थी, जो आरोपी द्वारा लंबे समय से चलायी जा रही थी।

जब जांच में प्रथम दृष्टया आरा. ेपी की संलिप्तता और उसकी धोखाधड़ी के प्रमाण सामने आ गए, तो ईओडब्ल्यू ने इस पर औपचारिक संज्ञान लेते हुए मामला दर्ज किया। इसके बाद विस्तृत जांच की गई, जिसमें पीड़ित व्यक्तियों के बयान, उनके द्वारा दिए गए साक्ष्य, बैंक लेनदेन से जुड़े दस्तावेज और आरोपी के आचरण से संबंधित अन्य महत्वपूर्ण जानकारी शामिल थी। इन सभी पहलुओं ने यह सिद्ध किया कि आरोपी ने जानबूझकर और योजनाबद्ध तरीके से लोगों को धोखा दिया और बेईमानी से उनकी संपत्तिकृअर्थात धनकृकी प्राप्ति की। भारतीय दंड संहिता की धारा 420 धोखाधड़ी और बेईमानी से किसी व्यक्ति को संपत्ति सौंपने के लिए प्रेरित करने से संबंधित है। इस मामले में जांच अधिकारी यह स्थापित करने में सफल रहे कि आरोपी का व्यवहार इस धारा के अंतर्गत आता है। इसीलिए, सभी कानूनी प्रक्रियाओं को पूरा करते हुए आरोप पत्र न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया, ताकि न्यायिक प्रक्रिया आगे बढ़ सके और पीड़ितों को न्याय दिलाया जा सके। क्राइम ब्रांच कश्मीर ने अपने बयान में कहा है कि वह भविष्य में भी ऐसे मामलों के खिलाफ कठोर रुख अपनाएगी और किसी भी व्यक्ति को, चाहे वह किसी भी पद पर हो, कानून से ऊपर नहीं माना जाएगा। संस्था ने भ्रष्टाचार, धोखाधड़ी और पद के दुरुपयोग जैसे अपराधों के खिलाफ अपनी जीरो टॉलरेंस नीति की पुनरू पुष्टि की है। यह मामला न केवल आरोपी के आपराधिक आचरण की ओर इशारा करता है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि किस प्रकार कुछ लोग सामाजिक विश्वास और सरकारी तंत्र की गरिमा को क्षति पहुंचाकर निजी लाभ प्राप्त करने का प्रयास करते हैं। ऐसी घटनाओं से मानव जीवन प्रभावित होता है, परिवार आर्थिक संकट में पड़ते हैं और सरकारी तंत्र में जनता का विश्वास कमजा. ेर होता है। इसीलिए, ऐसे मामला. ें पर त्वरित कार्रवाई और कड़ी सजा कानून के प्रति विश्वास को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

जम्मू-कश्मीर में 5 दिसंबर तक शुष्क मौसम जारी रहेगा : मौसम विभाग

सबका जम्मू कश्मीर

श्रीनगर : जम्मू और कश्मीर में मौसम 5 दिसंबर तक मोटे तौर पर शुष्क रहने की उम्मीद है, इस क्षेत्र के अधिकांश हिस्सों में कोई बड़ी वर्षा का अनुमान नहीं है, मौसम विज्ञान केंद्र श्रीनगर ने रविवार को कहा।

डमज ने कहा कि, आमतौर पर, 3 दिसंबर तक शुष्क स्थितियाँ बनी रहेंगी। ष और 5 दिसंबर को ज्यादातर बादल छाए रहने की संभावना है, खासकर 4 दिसंबर की शाम से, अलग–अलग ऊंचाई वाले इलाकों में हल्की बर्फबारी की संभावना है।ष

विभाग ने कहा कि 6 दिसंबर से 10 दिसंबर तक पूरे केंद्र शासित प्रदेश में मौसम आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। 11 और 12 दिसंबर को भी बादल छाए रहने की संभावना

है। डमज ने आगे कहा कि कश्मीर संभाग में कई स्थानों पर और जम्मू संभाग में अलग–अलग स्थानों पर हल्के से मध्यम कोहरा छाए

रहने की संभावना है, खासकर रात के समय और सुबह के समय। मौसम विभाग के अनुसार, 4 दिसंबर के बाद रात के तापमान में लगभग 1 से 2 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होने की संभावना है।

मौसम विभाग के अनुसार, पूर्वानुमान अवधि के दौरान किसी बड़े मौसमी बदलाव की उम्मीद नहीं है और घाटी तथा जम्मू क्षेत्र के अधिकांश हिस्सों में कुल मिलाकर स्थिति स्थिर रहेगी।

संसद को ठप नहीं किया जाना चाहिए : शीतकालीन सत्र से पहले रिजिजू

सबका जम्मू कश्मीर

नई दिल्ली : संसद के शीतकालीन सत्र से पहले, संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने रविवार को कहा कि सदन को सुचारू रूप से चलने दिया जाना चाहिए और सरकार सुचारू कार्यवाही सुनिश्चित करने के लिए सभी दलों के साथ चर्चा करती रहेगी। यह पूछे जाने पर कि क्या विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर चर्चा की विपक्ष की मांग स्वीकार कर ली गई है, रिजिजू ने कहा कि सत्र का एजेंडा कार्य मंत्रणा समिति (बीएसी) द्वारा तय किया जाएगा, जिसकी आज शाम बैठक होगी।

उन्होंने कहा, ष्इस मामले पर आज शाम कार्य मंत्रणा समिति की बैठक में चर्चा की जाएगी।ष

संसद के शीतकालीन सत्र से पहले बुलाई गई सर्वदलीय बैठक के बाद, रिजिजू ने यह भी कहा कि बैठक में, जिसमें रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और कई विपक्षी नेता भी शामिल हुए, सभी दलों ने अच्छे सुझाव दिए हैं और सरकार ने उन्हें सकारात्मक रूप से लिया है।

ष्संसद को ठप नहीं होना चाहिए और इसे सुचारू रूप से चलना चाहिए। सरकार सदन के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए सभी दलों के साथ चर्चा करती रहेगी,ष उन्होंने दो घंटे लंबी बैठक के बाद संवाददाताओं से कहा।

तृणमूल कांग्रेस के नेता कल्याण बनर्जी ने कहा कि उनकी पार्टी सदन चलाने में सहयोग के लिए तैयार है, बशर्ते सत्ता पक्ष भी विपक्ष का सहयोग करे।

बनर्जी ने कहा, ष्सरकार को एसआईआर जैसे मुद्दों पर चर्चा की अनुमति देनी चाहिए। एसआईआर अभ्यास करते हुए 40 लोगों की जान जा चुकी है।ष

द्रमुक के तिरुचि शिवा ने कहा कि सभी विपक्षी दल शीतकाल. ीन सत्र में एसआईआर पर चर्चा की मांग को लेकर एकमत हैं।

शीतकालीन सत्र सोमवार से शुरू होकर 19 दिसंबर को समाप्त होगा।

इस सत्र में कुल 15 बैठकें होंगी, जिसे विपक्ष ने ष्संक्षिप्त सत्रष करार दिया है।

आमतौर पर, संसद सत्र में 20 बैठकें होती हैं।

बिहार में कांग्रेस फिर होगी खड़ी, 1 दिसंबर को बनेगी रणनीति, वोट चोरी के खिलाफ हल्ला बोल की तैयारी

बिहार विधानसभा चुनाव में हार के बाद एक बार फिर कांग्रेस खुद को मजबूती के साथ खड़ी करने में जुट गई है. बिहार कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता राजेश राठौड़ ने शनिवार को एक बयान जारी किया है.

नई दिल्ली

बिहार विधानसभा चुनाव में हार के बाद एक बार फिर कांग्रेस खुद को मजबूती के साथ खड़ी करने में जुट गई है. प्रदेश कांग्रेस कमिटी द्वारा आगामी 1 दिसंबर को महत्वपूर्ण बैठक प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम में आयोजित की जा रही है. इस बैठक में भी जिलाध्यक्ष और फ्रंटल संगठन प्रमुखों को शामिल होने के निर्देश जारी किए गए हैं. बिहार कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता राजेश राठौड़ ने शनिवार को एक बयान जारी किया है. जिसमें बताया गया है कि आगामी 1 दिसंबर को बैठक में प्रदेश कांग्रेस के सभी जिलाध्यक्षों और कार्यकारी अध्यक्षों के साथ फ्रंटल प्रमुख, मोर्चा और संगठन प्रमुख को अनिवार्य रूप से शामिल होने का निर्देश है. यह निर्देश प्रदेश मुख्यालय से जारी किया गया है. इस बैठक की अध्यक्षता बिहार कांग्रेस के अध्यक्ष राजेश राम करेंगे. राज्य में संपन्न हुए विधानसभा चुनाव के बाद राज्य कमिटी की यह पहली बड़ी बैठक होगी.

कांग्रेस का 14 दिसंबर को वोट चोरी के खिलाफ प्रदर्शन

प्रवक्ता राजेश राठौड़ ने यह भी कहा कि आगामी 14 दिसंबर को वोट चोरी के खिलाफ राष्ट्रीय स्तर पर विरोध प्रदर्शन के लिए रैली का आयोजन दिल्ली में होना सुनिश्चित हुआ है. इसकी तैयारी को लेकर भी इस बैठक में अहम चर्चा होगी. बैठक में कांग्रेस पार्टी के द्वारा चलाई जानेवाली आगामी योजनाओं व कार्यक्रमों पर भी चर्चा की जाएगी. माना जा रहा है कि बिहार कांग्रेस अध्यक्ष नये तरह से संगठन को एक बार फिर खड़ा करना चाहते हैं. सूत्रों से पता चला है कि भविष्य में संगठन और प्रदेश स्तर पर कुछ बदलाव भी किए जा सकते हैं.

बता दें कि बिहार विधानसभा चुनाव में महागठबंधन में शामिल कांग्रेस पार्टी को खास सफलता नहीं मिली है. कांग्रेस पार्टी ने पूरे दमखम के साथ प्रदेश की 61 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ा था. जिसमें कांग्रेस पार्टी को महज छह सीटों पर जीत हासिल हो चुकी थी. अन्य सीटों पर कांग्रेस को करारी हार का सामना करना पड़ा था. जबकि एनडीए ने पूर्ण बहुमत के साथ जीत दर्ज की थी.

उत्तर प्रदेश में दोहराएंगे 2017 जैसा जनादेश, डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने विपक्ष पर साधा निशाना, एसआईआर और बीएलओ की मौत पर क्या बोले?

नई दिल्ली

उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने वाराणसी पहुंचने के बाद मीडिया से बात करते हुए विपक्ष पर निशाना साधा है. उन्होंने कहा कि 2027 में यूपी विधानसभा में एक बार फिर 2017 जैसा जनादेश दोहराया जाएगा. विपक्ष के लिए 2027 में भी कोई मौका नहीं है. जनता एक बार फिर बीजेपी सरकार पर ही भरोसा जताने वाली है. यूपी की जनता अखिलेश यादव की पार्टी और अलायंस का बिहार वाली हार का मुंह देखना पड़ेगा.

डिप्टी सीएम ने बूथ लेवल ऑफिसर की मौत के बारे में भी बात की. उन्होंने कहा कि किसी भी ठस्र को हताश और निराश होने की जरूरत नहीं है. अगर किसी को भी परेशानी हो तो अपने वरिष्ठ अधिकारी से मिले. उन्होंने कहा कि विपक्षी दल बेवजह इसे मुद्दा बनाने में लगे हैं. विपक्ष एक तरह से सरकार और चुनाव आयोग को बदनाम करने की साजिश कर रहा है. सपा और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता बेवजह इस मामले को तूल दे रहे हैं. ठस्र की मौत किसी भी दबाव में नहीं हुई है. इस पूरे मामले की जांच चल रही है. डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया पर भी बयान दिया है. उन्होंने कहा कि एसआईआर प्रक्रिया सही ढंग से चल रही है. सभी लोग इसमें सक्रिया रूप से भाग लें. उन्होंने कहा कि एक मतदाता का केवल एक ही नाम होना चाहिए, जो स्वर्गवासी हैं उनका नाम सूची से हटना चाहिए.ैप् की समयसीमा बढ़ाने पर उन्होंने कहा कि यह विषय सरकार का नहीं, चुनाव आयोग का है. आयोग चाहेगा तो समय बढ़ाएगा.

डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि अखिलेश यादव की पार्टी और अलायंस का वही नतीजा होने वाला है, जो उन्हें बिहार चुनाव में झेलना पड़ा था. वे फिर से खत्म हो जाएंगे. समाजवादी पार्टी डूबते सूरज और डूबती नाव की तरह हैं. उनका कोई राजनीतिक भविष्य नहीं है.

अखिलेश बेवजह उल्टी–सीधी बयानबाजी करके सुर्खियों में बने रहना चाहते हैं.

माई होम इंडस्ट्रीज कर्मचारियों की सुरक्षा में नंबर वन, ब्रिटिश सेफ्टी काउंसिल से मिला इंटरनेशनल अवॉर्ड

नई दिल्ली

देश की अग्रणी कंपनियां, माई होम इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड और माई होम कंस्ट्रक्शन्स प्राइवेट लिमिटेड, को दुनिया का बड़ा और प्रतिष्ठित सम्मान मिला है. इन दोनों कंपनियों को कर्मचारी स्वास्थ्य, सुरक्षा, बेहतर जीवन और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए यह अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार मिला है. यह पुरस्कार प्रतिष्ठित ब्रिटिश सेफ्टी काउंसिल की ओर से प्रदान किया गया है.

ब्रिटिश सेफ्टी काउंसिल ने 28 नवंबर को लंदन की मशहूर और ऐतिहासिक ड्रेपर्स हॉल में ये पुरस्कार प्रदान किए. ये पुरस्कार केवल उन्हीं को दिए जाते हैं, जिन्होंने लगातार कड़ी मेहनत की है और उत्कृष्ट परिणाम दिखाए हैं.

माई होम इंडस्ट्रीज को मिला इंटरनेशनल अवॉर्ड

भारत पर भूकंप का खतरा मंडराया, सीस्मिक जोनेशन मैप ने पूरे देश को हिलाया, इन राज्यों के लोग हो जाएं अलर्ट

नई दिल्ली

भारत में भूकंप का खतरा अब पहले से ज्यादा कहीं ज्यादा गंभीर हो गया है. हाल ही में ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड्स द्वारा जारी मैप से इसका खुलासा हुआ है. सीस्मिक जोनेशन मैप ने एक तरह से पूरे देश को हिलाकर रख दिया है. इस नक्शे में हिमालय की पूरी श्रृंखला कश्मीर से अरुणाचल प्रदेश तक अब सबसे ऊंचे खतरे वाले जोन सिक्स्थ में आ गई है. एक तरह से इन जगहों पर रहने वाले लोगों के लिए यह एक अलर्ट है.

सीस्मिक जोनेशन मैप के मुताबिक, यह इतना बड़ा बदलाव है कि देश का 61 फीसदी इलाका कम और ज्यादा जोखिम वाले जोन ष्ष् से ट्प् में चला गया है, जबकि 75 फीसदी आबादी ऐसे क्षेत्रों में रहती है जहां भूकंप का असर जानलेवा साबित हो सकता है. पुराने नक्से में हिमालय को जोन प्ट और ट में बांटा गया था, लेकिन नई रिसर्च ने साफ कर दिया कि यहां 200 साल से प्लेट्स लॉक हैं, यानी तनाव जमा हो रहा है और अगला बड़ा झटका 8.0 या उससे ज्यादा तीव्रता का हो सकता है.

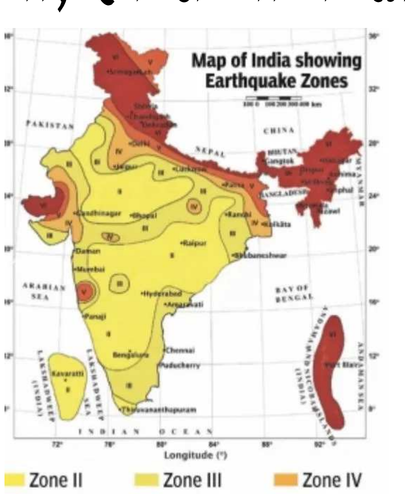

नई इमारतों में 2025 वाला नया कोड लागू

सीस्मिक जोनेशन मैप आईएस 1893 : 2025 कोड का हिस्सा है, जो जनवरी 2025 से पूरे देश में लागू हो चुका है. इसका मकसद नई इमारतों, पुलों और हाईवे को भूकंप–रोधी बनाना है, ताकि जान–माल का नुकसान कम हो. वैज्ञानिकों के अनुसार, अब यह माना जा रहा है कि बाहरी हिमालय में होने वाले बड़े भूकंप दक्षिण की ओर आगे बढ़ते हुए हिमालयन फ्रंटल थ्रस्ट तक पहुंच सकते हैं.

नए नियमों में सुरक्षा पर खास ध्यान

ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड्स ने बताया कि सभी नई इमारतों में 2025 वाला नया कोड लागू किया जाए, क्योंकि अब भारत की लगभग तीन–चौथाई आबादी भूकंप–प्रवण क्षेत्र में रहती है. नए नियमों में स्ट्रक्चरल और नॉन स्ट्रक्चरल दोनों तरह की सुरक्षा पर खास ध्यान दिया गया है.

उत्तर प्रदेश : मुसलमानों को भड़का रहे हैं... मदनी के बयान पर भड़के शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी

नई दिल्ली

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में जमीयत उलेमा–ए हिंद की बैठक में मौलाना महमूद मदनी ने सुप्रीम कोर्ट के फैसलों को लेकर सवाल खड़े करते हुए कहा कि सरकार के दबाव में फैसले लिए जा रहे हैं और सुप्रीम कोर्ट को 'सुप्रीम' कहा जाना उचित नहीं है. उन्होंने ये भी कहा कि जब–जब जुल्म होगा, तब–तब जिहाद होगा. मदनी के इस बयान पर बवाल मच गया है. वहीं इस मामले पर ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना मुफ्ती शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी की भी प्रतिक्रिया सामने आई है. रजवी ने शनिवार (29 नवंबर) को मौलाना महमूद मदनी के बयान की निंदा करते हुए कहा कि मदनी का बयान समाज को बांटने, देश को भ्रमित करने और मुसलमानों को भड़काने वाला है. उन्होंने कहा 'सुप्रीम कोर्ट ही नहीं बल्कि सभी अदालतों पर मुसलमानों का भरोसा है. संसद जनता के हितों के लिए काम करती है, हमारा इस पर भी भरोसा है, कोई भी सरकार जनता के हितों के खिलाफ काम नहीं करती, हर सरकार संविधान के दायरे में रहकर जनता के जन कल्याण के लिए काम करती है'. मौलाना शहाबुद्दीन रजवी ने कहा कि भारत के करोड़ों मुसलमान सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए फैसलों का सम्मान करते हैं . उन्होंने कहा कि मौलाना मदनी देश के मुसलमानों को उकसा रहे हैं. रजवी ने कहा कि इस वक्त भारत में अमन और शांति है, इस शांति के वातावरण को मौलाना मदनी खराब करना चाहते हैं. शहाबुद्दीन रजवी ने आगे कहा 'मैं मौलाना मदनी के बयान की कड़े शब्दों में निंदा करता हूं, और भारत के मुसलमानों से अपील करता हूं कि इस तरह के उल जलूल बयानों से अपने आप को बचाए , और विवादित बयानों और समाज को तोड़ने वाले बयानों पर ध्यान न दें.

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

पूर्णिमा पर रांजड़ी में संत सद्गुरु मधुपरमहंस जी महाराज ने कहा - मन और माया को समझे बिना मोक्ष संभव नहीं

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू, रांजड़ी। पूर्णिमा के अवसर पर आयोजित सत्संग समारोह में साहिब बंदगी के संत सद्गुरु श्री मधुपरमहंस जी महाराज ने संगत को अपने प्रवचनों के माध्यम से आत्मज्ञान का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि वेदों और शास्त्रों में आत्मा के गुणों और लक्षणों का उल्लेख है, और यह सत्य है कि हम सभी में आत्मा समान है, लेकिन व्यवहार और जीवन शैली में आत्मा का प्रतिबिंब कम दिखाई देता है।

उन्होंने कहा कि संसार का सर्वमान्य सिद्धांत है कि आत्मा अमर है और प्रत्येक मनुष्य मन और माया के बंधन में है, परंतु लोग इसे समझने का प्रयास नहीं करते। "हम यह मानते तो हैं कि हम बंधन में हैं, इसलिए मोक्ष की बात करते हैं, लेकिन यह जानना आवश्यक है कि यह बंधन कैसे है," उन्होंने कहा।

सद्गुरु ने आगे समझाया कि मनुष्य स्वयं को संसार के कार्यों में उलझा चुका है। "साहिब कहते हैं कि बिना रस्सी के संसार को बाँध दिया गया है। पेट, लोभ और मोह में मनुष्य इतना फँस चुका है कि उसे यह भी ज्ञात नहीं कि वह किससे बंधा है," उन्होंने कहा।

उन्होंने स्पष्ट किया कि शरीर में तीन तत्व कार्यरत हैं कृ आत्मा, मन और माया। "जब तक हम यह नहीं समझेंगे कि आत्मा क्या है, मन क्या है और माया क्या है, तब तक मुक्ति संभव नहीं। मन ही बांधने वाला है और भ्रमित करने वाला भी मन ही है," उन्होंने कहा।

सद्गुरु मधुपरमहंस जी महाराज ने कहा कि आत्मा पवित्र और निष्पाप है, उस पर काम, क्रोध, लोभ जैसे विकारों का प्रभाव नहीं, पर मन के भ्रम और तरंगों में मनुष्य अपना वास्तविक स्वरूप भूल जाता है। उन्होंने कहा कृ "मन कभी आपका भला नहीं चाहेगा, क्योंकि उसका लक्ष्य है कि आत्मा स्वयं को न पहचान सके। इसलिए मन को समझना और उस पर नियंत्रण पाना आवश्यक है।"

उड़ानें रद्द, ट्रेनें प्रभावित.... साइक्लोन दित्वाह को लेकर तमिलनाडु-आंध्र प्रदेश समेत कई राज्यों में आईएमडी का रेड अलर्ट

नई दिल्ली

दक्षिण भारत के तटीय राज्यों में चक्रवात दित्वाह का खतरा तेजी से बढ़ रहा है. भारतीय मौसम विभाग ने तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और पुडुचेरी के लिए रेड अलर्ट जारी किया है. चक्रवात के प्रभाव से शनिवार को तमिलनाडु के कई तटीय जिलों में तेज बारिश और तेज हवाएं देखने को मिलीं. तट से सटे रामनाथपुरम, नागपट्टिनम, तंजावुर और चेन्नई में शनिवार को अचानक से मौसम बदल गया. मौसम विभाग के अनुसार, यह बलबसवदपब`लेजमउ 30 नवंबर की सुबह भारत के दक्षिणी तटों से टकरा सकता है.

सीमा से सटे राज्य तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश में इसका असर सबसे ज्यादा दिख रहा है. समुद्र में ऊंची लहरें उठ रही हैं, जिससे बंदरगाहों पर अलर्ट जारी किया गया है. वहीं मछुआरों को समुद्र में

न जाने की सख्त सलाह दी गई है.

तट से सटे गांवों में एहतियात के तौर पर स्कूल बंद हैं और कई इलाकों में बिजली विभाग को आपात तैयारियों पर रखा गया है. राहत और बचाव से जुड़े अधिकारियों ने बताया कि समुद्र के किनारे बसे इलाकों में प्री–एम्प्टीव इवैक्यूएशन यानी लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाने की प्रक्रिया जरूरत पड़ने पर तुरंत शुरू की जा सकती है.

हर स्थिति पर नजर

तमिलनाडु में राज्य सरकार लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए है. राजस्व और आपदा प्रबंधन मंत्री केके एसएसआर रामचंद्रन ने कहा कि छक्त्थ और ैक्त्थ की कुल 28 टीमें फील्ड में तैनात हैं. भारतीय वायुसेना और तटरक्षक बल भी किसी भी आपात स्थिति के लिए तैयार हैं. फिलहाल किसी बड़े नुकसान की सूचना नहीं है, लेकिन प्रशासन ने बारिश और हवा की गति में तेजी आने की आशंका को देखते हुए सभी जिलाधिकारियों को हाई–अलर्ट पर रखा है.

हवाई और रेल सेवाओं पर असर

चक्रवात के कारण उड़ानों पर भारी असर देखा गया. चेन्नई एयरपोर्ट ने बताया कि खराब मौसम के चलते 54 उड़ानें रद्द करनी पड़ीं. कई उड़ानों में देरी हुई तो वहीं कई फ्लाइट्स को डायवर्ट करना पड़ा.

दूसरी ओर सदर्न रेलवे ने भी कई ट्रेनों का समय बदला है.

पम्बन ब्रिज पर हवा की गति सामान्य होने लगी है और प्रशासन जल्द ही रामेश्वरम के लिए सेवाएं बहाल करने की तैयारी कर रहा है.

तूफान ने श्रीलंका में मचाई तबाही

श्रीलंका में भीषण चक्रवात दित्वाह से मची तबाही के बाद शनिवार को हालात सामान्य करने की कोशिशें जारी रहीं. राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने पूरे देश में आपातकाल की घोषणा कर दी है. चक्रवात के कारण मरने वालों की संख्या 150 से अधिक हो गई है.

देश के विभिन्न प्रांतों से भूस्खलन में लोगों के दबने और अचानक आई बाढ़ में बह जाने की दर्दनाक घटनाएं सामने आ रही हैं.

मौसम विभाग ने क्या कहा?

मौसम विभाग के महानिदेशक अथुला करुणानायके ने बताया कि चक्रवात श्रीलंका को पार कर अब भारतीय तट की ओर बढ़ रहा है, लेकिन भारी बारिश और तेज हवाओं के चलते इसके अप्रत्यक्ष प्रभाव बने रहेंगे. उन्होंने कहा कि उत्तरी, उत्तर–मध्य, उत्तर–पूर्वी और मध्य प्रांतों के कई इलाकों में 100 मिमी से अधिक बारिश हो सकती है. पश्चिमी और सबारागामुवा प्रांतों में भी 50 मिमी से अधिक बारिश का अनुमान है.

विधायक अरविंद गुप्ता ने किया बक्शी नगर गेट और रिंग रोड का उद्घाटन

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू पश्चिम के विधायक अरविंद गुप्ता ने सरकारी मेडिकल कॉलेज जीएमसी जम्मू में नवनिर्मित चोपड़ा नर्सिंग होम गेट और रिंग रोड का उद्घाटन किया। लगभग 2.43 करोड़ रुपये की लागत से तैयार यह महत्वपूर्ण परियोजना अब औपचारिक रूप से मेडिकल इमरजेंसी के दौरान एम्बुलेंस मूवमेंट के लिए खोल दी गई है।

इस सड़क के शुरू होने से जीएमसी जम्मू तक पहुंच अब और आसान हो गई है।

खासकर गंभीर मरीजों को समय पर अस्पताल पहुंचाने में होने वाली देरी कम होगी क्योंकि बक्शी नगर के घनी आबादी वाले क्षेत्र में भारी भीड़भाड़ से अब काफी राहत मिलेगी। नए मार्ग से ट्रैफिक का दबाव कम होने के साथ–साथ चिकित्सा सेवाओं तक त्वरित पहुंच सुनिश्चित होगी।

उद्घाटन समारोह में अरविंद गुप्ता ने कहा कि उनका लक्ष्य बेहतर आधारभूत ढांचा विकसित कर लोगों को सुगम कनेक्टिविटी उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि ऐसी परियोजनाएं मरीजों उनके परिजनों और रोजाना आने जाने वाले नागरिकों को सीधा लाभ देती हैं।

उन्होंने विश्वास जताया कि जीएमसी के आसपास सड़क सुविधा मजबूत होने से जाम की समस्या घटेगी और मेडिकल प्रतिक्रिया समय तेज होगा।

कार्यक्रम में प्रिंसिपल एवं डीन जीएमसी जम्मू डॉ अशुतोष गुप्ता जम्मू के चारों अस्पतालों के मेडिकल सुपरिंटेंडेंट विभागाध्यक्ष और वरिष्ठ फैकल्टी सदस्य उपस्थित रहे। उनकी मौजूदगी ने इस परियोजना के महत्व और मेडिकल संस्थानों की जरूरतों को रेखांकित किया।

यह निर्माण कार्य लोक निर्माण विभाग द्वारा पूरा किया गया और पीडब्ल्यूडी के एक्सईएन संदीप महाजन तथा उनकी टीम को समय पर और गुणवत्तापूर्ण कार्य के लिए सराहना मिली। विधायक अरविंद गुप्ता ने विभाग की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह परियोजना नागरिकों और अस्पताल प्रशासन दोनों के लिए लंबे समय से जरूरी थी।

कार्यक्रम में भाजपा के कई वरिष्ठ नेता भी उपस्थित रहे जिनमें मंडल अध्यक्ष कुशांत प्रजापति अनिल अंगराल वरिष्ठ नेता अतुल बक्शी रोहित शर्मा सोनू मनहास मोहित वैद गीता सोढी रेखा शर्मा और इंद्रेश गुप्ता शामिल थे।

उद्घाटन के समापन पर विधायक अरविंद गुप्ता ने कहा कि जम्मू पश्चिम में विकास की रफ्तार को और तेज किया जाएगा।

उनका कहना था कि हमारा लक्ष्य बेहतर तेज और सुरक्षित सार्वजनिक ढांचा तैयार करना है। यह एक आधुनिक और जुड़ा हुआ जम्मू बनाने की दिशा में उठाया गया महत्वपूर्ण कदम है।

साप्ताहिक राशिफल

मेष

मेष राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह कभी खुशी कभी गम लिए रहने वाला है। इस सप्ताह आपक. ो निजी जीवन से लेकर करियर–कारोबार तक में उतार–चढ़ाव देखने को मिल सकते हैं। हालांकि सप्ताह की शुरुआत सामान्य रहने वाली है। इस दौरान व्यक्तिगत और पेशेवेर रूप से खुद को मजबूत पाएंगे। कार्यक्षेत्र में अनुकूलता बनी रहेगी। युवाओं का अधिकांश समय मौज–मस्ती करते हुए बीतेगा। घर–परिवार में मांगलिक कार्य संपन्न होंगे। सप्ताह के मध्य में आपको करियर–कारोबार में कुछ अप्रत्याशित बदलाव को झेलना पड़ सकता है।

इस दौरान नौकरीपेशा लोगों के सिर पर अचानक से अतिरिक्त जिम्मेदारी का बोझ आ सकता है। जिसे पूरा करने के लिए आपको अधिक समय और ऊर्जा खर्च करने की आवश्यकता रहेगी।

वृषभ

वृष राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मध्यम फलदायी है। वृष राशि के जो जातक किसी कार्य विशेष के लिए बीते कुछ समय से लगातार प्रयासरत हैं, उन्हें इस सप्ताह भी उससे जुड़ी सफलता के लिए इंतजार करना पड़ सकता है। सप्ताह के उत्तरार्ध के मुकाबले उनका पूर्वार्ध थोड़ा राहत भरा रहने वाला है।

ऐसे में इस राशि के जातकों को अपने करियर–कारोबार और जीवन से जुड़े अहम कार्यों को इसी दौरान करने का प्रयास करना चाहिए। सप्ताह के मध्य में किसी व्यक्ति विशेष से मेल–मुलाकात होगी। जिसकी मदद से अटके कार्यों में धीमी गति से ही लेकिन प्रगति होती नजर आएगी। सप्ताह के उत्तरार्ध में न सिर्फ कार्यक्षेत्र से जुड़ी बल्कि घर–परिवार से संबंधित समस्याएं भी आपकी परेशानी का कारण बन सकती हैं। इस दौरान पैतृक संपत्ति अथवा किसी जमीन–जायदाद को लेकर विवाद हो सकता है। अचानक से जीवन में तमाम तरह की समस्याएं सामने आने से आपका मन थोड़ा विचलित रह सकता है। हालांकि सुखद पहलू यह है कि इस दौरान आपके संगी–साथी आपकी ढाल बनेंगे और आपके साथ साए की तरह बने रहेंगे।

मिथुन

मिथुन राशि के जातकों को इस सप्ताह सौभाग्य का पूरा साथ मिलेगा। यदि आप किसी कार्य विशेष के लिए लंबे समय से प्रयासरत थे तो उम्मीद का दामन बिल्कुल न छोड़ें क्योंकि इस सप्ताह उसमें आ रही बाधाएं स्वतरू दूर होती हुई नजर आएंगी। सप्ताह के पूर्वार्ध का समय नौकरीपेशा लोगों के लिए अनुकूल रहने वाला है।

इस दौरान आपके शुभचिंतक आपको नेक सलाह देते हुए नजर आएंगे, जिस पर अमल करके आप अपनी चीजों को सुव्यवस्थित कर सकते हैं। सप्ताह के मध्य में किसी तीर्थ स्थान पर जाने का अचानक प्रोग्राम बन सकता है। इस पूरे सप्ताह घरेलू महिलाओं का मन धार्मिक–कार्यों में खूब रमेगा। किसी धार्मिक–आध्यात्मिक व्यक्ति की विशेष कृपा आप पर बरस सकती है। यदि आप व्यवसाय से जुड़े हुए हैं तो आपके लिए सप्ताह के पूर्वार्ध के मुक. ाबले उत्तरार्ध ज्यादा शुभ रहने वाला है। इस दौरान आप समझदारी के साथ अपने पैसे का सही जगह निवेश करते हैं तो आपको उससे भविष्य में बड़ा लाभ मिल सकता है। उच्च शिक्षा के लिए प्रयासरत लोगों के लिए यह सप्ताह गुडलक लेकर आएगा।

कर्क

कर्क राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मिश्रित फलदायक रहने वाला है। इस सप्ताह इस राशि के जातक. ों को किसी भी फैसले को लेते समय जल्दबाजी करने से बचना चाहिए। रिश्ते–नाते में मिठास बनी रहे और किसी प्रकार की गलतफहमी न पैदा हो इसके लिए स्वजनों के साथ संवाद बनाए रखें।

सप्ताह की शुरुआत में आपको करियर–कारोबार के सिलसिले में बड़े फैसले लेने पड़ सकते हैं। ऐसा करते समय अपने शुभचिंतकों की सलाह अवश्य लें। यदि आप नौकरीपेशा व्यक्ति हैं तो अपने कार्यक्षेत्र में सीनियर और जूनियर को मिलाकर चलें। यदि कार्यक्षेत्र पर हालात आपके अनुकूल नहीं हैं तो आप उससे बजाय भागने के उसे बेहतर बनाने का प्रयास करें। भूलकर भी आवेश में आकर नौकरी में बदलाव जैसा फैसला लेने से बचें। सप्ताह के मध्य में घरेलू समस्याओं के चलते आपका मन थोड़ा खिन्न रहेगा। इस दौरान आपको आपके विरोधी आप पर हावी होने तथा आपके बनते काम बिगाड़ने की कोशिश कर सकते हैं।

सिंह

सिंह राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मध्यम फलदायी रहने वाला है। इस सप्ताह इस राशि के जातक. ों को अपनी ऊर्जा, धन और समय का प्रबंधन करके चलना उचित रहेगा। सप्ताह की शुरुआत में आपके सिर पर अचानक से कुछ बड़े खर्च आ सकते हैं। इस दौरान कार्य विशेष के लिए लंबी दूरी की यात्रा पर भी अचानक निकलना पड़ सकता है। यात्रा सुखद और नये संपर्कों को बढ़ाने वाली साबित होगी। व्यवसाय से जुड़े लोगों के लिए सप्ताह के उत्तरार्ध के मुकाबले पूर्वार्ध का समय ज्यादा अनुकूल रहने वाला है। ऐसे में आपको अपने कारोबार से जुड़े बड़े फैसले इसी दौरान करने चाहिए। सप्ताह के मध्य में आप कुछ चीजों को लेकर खुद को असमंजस की स्थिति में पा सकते हैं। ऐसे में इस दौरान कोई बड़ा फैसला लेते समय अपने शुभचिंतकों की सलाह अवश्य लें। नौकरीपेशा जातकों इस सप्ताह अपने कार्य दूसरों के भरोसे छोड़ने की बजाय स्वयं बेहतर तरीके से पूरे करने का प्रयास करना चाहिए अन्यथा पूर्व में की गई न सिर्फ आपकी मेहनत बेकार जा सकती है, बल्कि वरिष्ठ अधिकारियों की डांट भी सुननी पड़ सकती है।

कन्या

कन्या राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मिलाजुला रहने वाला है। यदि आप चाहते हैं कि आपको जीवन में मनचाही सफलता और खुशियां मिले तो आपको अपने कार्य और व्यवहार में आमूलचूल बदलाव लाना होगा और अपने शुभचिंतकों को नाराज करने से बचना होगा। इस सप्ताह आपकी किसी बात या व्यवहार से आपके अपने नाराज हो सकते हैं। वाद–विवाद बढ़ने पर वर्षों से बने रिश्ते में दरार आ सकती है। करियर–कारोबार से लेकर घर–परिवार में सब कुछ अच्छा बना रहे इसके लिए दूसरों से अपेक्षा करने करने की बजाय आपको खुद ही आगे बढ़कर प्रयास करना होगा।

यदि आप नौकरीपेशा व्यक्ति हैं तो अपने कार्यक्षेत्र में कनिष्ठ लोगों के साथ रुखा व्यवहार न करें और अपने वरिष्ठ लोगों के साथ अच्छा तालमेल बनाए रखें। यदि आप व्यवसायी हैं तो शार्टकट तरीके से लाभ कमाने से बचें और कागजी काम पूरे करके रखें। यदि आप पार्टनरशिप में व्यवसाय करते हैं तो धन का लेनदेन सावधानी के साथ करें।

तुला

तुला राशि के जातकों के लिए करियर और कारोबार की दृष्टि से यह सप्ताह उत्तम और रिश्ते–नाते की दृष्टि से मध्यम फलदायी रहने वाला है।

सप्ताह की शुरुआत में आपको करियर–कारोबार से जुड़ा कोई बहुप्रतीक्षित शुभ समाचार प्राप्त हो सकता है। इस सप्ताह तुला राशि का नौकरीपेशा जातक हो या फिर व्यवसाय से जुड़ा कारोबारी, वह अपना शत प्रतिशत अपने कार्य में देता हुआ नजर आएगा।

खास बात कि उसके प्रयासों को सौभाग्य का भी पूरा साथ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में अनुकूलता बनी रहेगी और सीनियर आपके कामकाज की खुले मन से प्रशंसा करते हुए नजर आएंगे। सप्ताह के अंत तक आपको बड़ा पद अथवा अहम जिम्मेदारी मिल सकती है। यदि आप लंबे समय से किसी नये कारोबार की शुरुआत करने अथवा किसी बड़ी डील को फाइनल करने के लिए प्रयासरत थे तो आपकी यह मनोकामना इस सप्ताह पूरी हो सकती है। यदि आप लंबे समय से रोजी–रोजगार के लिए प्रयासरत थे तो सप्ताह के उत्तरार्ध में आपकी यह मनोकामना पूरी हो सकती है।

वृश्चिक

वृश्चिक राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह गुडलक लिए है। इस सप्ताह आपको जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में शुभता–सफलता की प्राप्ति होगी। इस सप्ताह आपके सोचे हुए कार्य समय पर पूरे होंगे। करियर–कारोबार में मनचाही प्रगति होती नजर आएगी। कार्यक्षेत्र में आपको सीनियर और जूनियर दोनों का सहयोग और समर्थन मिलेगा। व्यवसाय में अच्छा मुनाफा कमाएंगे। यदि आपके कारोबार में बीते समय से कोई अड़चन आ रही थी इस सप्ताह वह किसी व्यक्ति विशेष की मदद से दूर हो जाएगी। मार्केट में आपकी साख बढ़ेगी। यदि आप साझेदारी में व्यवसाय करते हैं तो आप उसके विस्तार की योजना पर काम करेंगे। आपकी योजना को साकार रूप देने के लिए आपके शुभचिंतक और परिजन पूरी मदद करेंगे। इस संबंध में घर–परिवार के किसी वरिष्ठ सदस्य की सलाह लाभदायी साबित होगी। यह सप्ताह पठन–पाठन एवं शोध से जुड़े कार्यों को करने वालों के लिए अत्यधिक शुभ साबित होगा।

धनु

धनु राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह जीवन के नये अवसरों को लेकर आने वाला है, लेकिन उसका लाभ उठाने के लिए आपको आलस्य और आशंका को त्याग कर कठिन परिश्रम और प्रयास करना होगा। इस सप्ताह यदि आप अपने धन, समय और उर्जा का सही दिशा में उपयोग करते हैं तो आपको आशा से अधिक सफलता और लाभ मिल सकता हैं। वहीं इसकी अनदेखी करने पर बनते काम बिगड़ जाने से मन में निराशा के भाव जाग सकते हैं। धनु राशि के जातकों को इस सप्ताह खुले हाथ धन खर्च करने से बचना चाहिए अन्यथा सप्ताह के अंत तक उन्हें उधार मांगने की नौबत आ सकती है। व्यवसाय की दृष्टि से यह सप्ताह आपके लिए मिश्रित फलदायी साबित होने वाला है। इस सप्ताह आपको कारोबार में लाभ तो होगा लेकिन साथ ही साथ खर्च की अधिकता भी बनी रहेगी। धनु राशि के जातकों को इस सप्ताह मौसमी बीमारी को लेकर सतर्क रहने की आवश्यकता रहेगी। अपनी दिनचर्या और खानपान सही रखें अन्यथा पेट संबंधी दिक्कतें हो सकती है। परीक्षा–प्रतियोगिता की तैयारी में जुटे छात्रों को सप्ताह के मध्य में किसी सुखद समाचार की प्राप्ति संभव है।

मकर

मकर राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह उतार–चढ़ाव लिए रहने वाला है। इस सप्ताह आप अपने करियर–कारोबार में आ रही अड़चनों को लेकर चिंतित रह सकते हैं। कार्यक्षेत्र और कारोबार के अलावा निजी जीवन से जुड़ी समस्याएं भी आपकी बड़ी चिंता का कारण बनेंगी। हालांकि जीवन के कठिन समय में आपके शुभचिंतक एवं परिजन काफी मददगार साबित होंगे और काफी हद तक आप इन समस्याओं का समाधान खोजने में भी कामयाब होंगे। सप्ताह के मध्य में किसी भी कार्य को करते समय विशेष सावधानी बरतें। इस दौरान जल्दबाजी या असमंजस की स्थिति में लिया गया निर्णय आपके लिए हानिकारक साबित हो सकता है। इस दौरान स्वजनों के साथ बात–व्यवहार करते समय विनम्रता से पेश आएं अन्यथा लंबे समय से बने हुए रिश्तों में दरार आ सकती है। इस सप्ताह खर्च की अधि. कता के चलते आपका बजट थोड़ा गड़बड़ा सकता है। सप्ताह के उत्तरार्ध में करियर–कारोबार के सिलसिले में लंबी दूरी की यात्रा पर निकलना पड़ सकता है।

कुंभ

जीवन में आने वाली छोटी–मोटी दिक्कतों को यदि नजरअंदाज कर दें तो कुंभ राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह शुभ साबित होगा। इस सप्ताह आपको आपकी मेहनत का पूरा फल प्राप्त होगा। करियर और कारोबार की दिशा में किए गये प्रयास सफल होंगे और आपके पद एवं प्रतिष्ठा में बढ़ोत्तरी होगी।

राजनीति से जुड़े लोगों के लिए यह सप्ताह गुडलक लिए हुए है। इस सप्ताह आपकी झोली में कोई बड़ा पद गिर सकता है। सत्तापक्ष से जुड़े लोगों के साथ आपका मेल–मिलाप बढ़ेगा। आपके मान–सम्मान में बढ़ोत्तरी होगी। नौकरीपेशा लोगों को कार्यक्षेत्र में अनुकूलता बनी रहेगी। आप अपनी सूझबूझ से अपने विरोधियों पर काबू पाने में कामयाब होंगे। कुंभ राशि के जो जातक तकनीक के क्षेत्र से जुड़े हुए हैं, उनके लिए यह सप्ताह अत्यंत ही शुभ साबित होगा। इसी प्रकार इलेक्ट्रानिक का कारोबार करने वालों को बड़े लाभ की प्राप्ति होगी। सप्ताह के उत्तरार्ध में किसी वरिष्ठ एवं अनुभवी व्यक्ति से कार्य विशेष के लिए मार्गदर्शन प्राप्त होगा।

मीन

मीन राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मिलाजुला रहने वाला है। सप्ताह के पूर्वार्ध का समय जहां अनुकूल तो वहीं उत्तरार्ध थोड़ा प्रतिकूल रहने वाला है। ऐसे में मीन राशि के जातकों को जीवन से जुड़े महत्वपूर्ण कार्यों सप्ताह की शुरुआत में ही निबटाने का प्रयास करना चाहिए। यदि आप बेरोजगार हैं तो आपको इसी दौरान पूरे मनोयोग से रोजी–रोजगार के लिए प्रयास करना चाहिए। इस दौरान किसी व्यक्ति विशेष की मदद से भूमि–भवन से जुड़े विवाद का समाधान निकल सकता है। मीन राशि के जातकों को इस सप्ताह इस बात का पूरा ख्याल रखना होगा कि उनकी बात से ही बात बनेगी और बात से ही बात बिगड़ भी सकती है।

ऐसे में अपना काम निकलवाने के लिए लोगों की प्रशंसा करने में जरा भी कंजूसी न करें और सभी के साथ अच्छा तालमेल बनाए रखें। सप्ताह के पूर्वार्ध में आपके घर में कोई धार्मिक अथवा मांग. लिक कार्यक्रम संपन्न हो सकता है। इस दौरान घरेलू महिलाओं का अधिकांश समय पूजा–पाठ में बीतेगा।

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

चंडीगढ़ की जानवी ने रचा इतिहास, 11 गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड किए अपने नाम, सचिन तेंदुलकर के बाद दूसरा स्थान

जानवी जिंदल ने कहा कि मैं और अधिक विश्व रिकॉर्ड बनाने और युवा खिलाड़ियों को उनके सपनों को साकार करने के लिए प्रेरित करने का प्रयास जारी रखूंगी, चाहे उनके पास संसाधन या समर्थन कुछ भी हो. उन्होंने कहा कि इंटरनेशनल स्केटिंग कम्पटीशन के लिए, प्रोफेशनल कोचिंग और सहायता आवश्यक है और मुझे विश्वास है कि मैं अपने देश के लिए और अधिक मेडल जीत सकती हूं.

चंडीगढ़

चंडीगढ़ की जानवी जिंदल (18) ने फ्रीस्टाइल स्केटिंग में छह नए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम कर एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है. इसके साथ ही वह सबसे अधिक, कुल 11 गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड रखने वाली भारत की पहली महिला बन गई हैं. पहले से दर्ज पांच रिकॉर्ड के अलावा, जानवी को हाल ही में मिले छह नए रिकॉर्डों में 30 सेकंड में इनलाइन स्केट्स पर सबसे अधिक 360–डिग्री स्पिन, एक मिनट में सबसे अधिक 360–डिग्री स्पिन, और 30 सेकंड में इनलाइन स्केट्स पर एक–पहिया 360–डिग्री स्पिन शामिल हैं. इससे पहले जुलाई 2025 में भी जानवी फ्रीस्टाइल स्केटिंग की कई श्रेणियों में पांच गिनीज खिताब जीत चुकी थीं. इन उपलब्धियों के साथ जानवी भारत की दूसरी सबसे बड़ी गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड धारक बन गई हैं, उनसे आगे केवल महान खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर हैं, जिनके नाम 19 रिकॉर्ड दर्ज हैं.

चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी के चांसलर से की मुलाकात

जानवी ने अपने पिता मुनीश जिंदल के साथ राज्यसभा सांसद और चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी के चां. सलर सतनाम सिंह संधू से मुलाकात की, जिन्होंने उनकी उपलब्धियों पर हार्दिक बधाई दी और भविष्य में भी अपनी खेल आकांक्षाओं को जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया. उनकी असाधारण प्रतिभा और अंतरराष्ट्रीय उपलब्धियों को देखते हुए, सांसद सतनाम संधू ने उन्हें 11,000 रुपए का नकद पुरस्कार भी दिया. साथ ही स्पोर्ट्स स्कॉलरशिप के तहत चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी में एडमिशन की पेशकश भी की.

राज्यसभा सांसद सतनाम सिंह संधू ने कहा कि 18 वर्षीय जानवी के नाम 11 गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड दर्ज होना एक असाधारण उपलब्धि है. उन्होंने अपनी लगन, अनुशासन और असाधारण प्रतिभा से देश को गौरवान्वित किया है. चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी ने हमेशा खेलों तथा युवा खिलाड़ियों को प्रोत्साहित किया है.

प्रतिष्ठित माका ट्रॉफी जीतने से लेकर विभिन्न खेलों में कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मेडल विज. `ता तैयार करने तक हमारी उपलब्धियां हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण हैं. हमें जानवी के इस सफ़र में उनका साथ देने में खुशी हो रही है और हमें पूरा विश्वास है कि वह भविष्य में और ऊंचाइयों को छुएंगी.

पिता और इंटरनेट की मदद से फ्रीस्टाइल स्केटिंग सीखी चंडीगढ़ के एक सरकारी स्कूल में 12वीं कक्षा की छात्रा जानवी ने अपने पिता और इंटरनेट की मदद से खुद फ्रीस्टाइल स्केटिंग सीखी है. राष्ट्रीय स्केटिंग चौंपियनशिप में 3 गोल्ड, 2 सिल्वर और 3 ब्रॉन्ज़ मेडल जीत चुकी और आगामी नेशनल कम्पटीशन की तैयारी कर रही जानवी से जब उनकी भविष्य की योजनाओं के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने अपनी सीमाओं को आगे बढ़ाने का दृढ़ संकल्प व्यक्त किया.

'देश के लिए और अधिक मेडल जीत सकती हूं'

जानवी ने कहा, मैं और अधिक विश्व रिकॉर्ड बनाने और युवा खिलाड़ियों को उनके सपनों को साकार करने के लिए प्रेरित करने का प्रयास जारी रखूंगी, चाहे उनके पास संसाधन या समर्थन कुछ भी हो. मैं दूसरों को प्रेरित करने और अनुभव साझा करने के लिए सोशल मीडिया का उपयोग करना चाहती हूं. इंटरनेशनल स्केटिंग कम्पटीशन के लिए, प्रोफेशनल कोचिंग और सहायता आवश्यक है और मुझे विश्वास है कि मैं अपने देश के लिए और अधिक मेडल जीत सकती हूं.

जानवी की उपलब्धि से उत्साहित उसके पिता मुनीष जिंदल,जो मूल रूप से पंजाब के बठिंडा के रामपुरा फूल इलाके के रहने वाले हैं, ने कहा कि यह न केवल मेरे लिए बल्कि पूरे देश के लिए गर्व का क्षण है कि छोटी सी उम्र में जानवी ने 11 गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने वाली पहली लड़की बनकर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति अर्जित की है.

क्या बोले जानवी जिंदल के पिता?

बॉलीवुड फिल्म दंगल से प्रेरित होकर मैंने चाहा कि मेरी बेटी खेलों में अपनी पहचान बनाए. सिर्फ 8 साल की उम्र में जानवी ने 30 फीट की ऊंचाई से नदी में तीन बार छलांग लगाने का साहसिक कार्य किया. जानवी ने निडरता से चुनौतियों को स्वीकार कर अपने आत्मविश्वास और बहादुरी के शानदार उदाहरण प्रस्तुत किए. एक साल बाद, उसने फ्रीस्टाइल स्केटिंग सीखना शुरू किया और फिर कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा. उसने न केवल बिना किसी प्रोफेशनल ट्रेनिंग के खुद से फ्रीस्टाइल स्केटिंग सीखी, बल्कि सभी श्रेणियों में सर्वाधिक 11 गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने वाली भारत की पहली महिला भी बनीं. उन्होंने कहा, जानवी के नाम 18 वर्ष से कम उम्र के किसी भी भारतीय युवा द्वारा बनाए गए सबसे अधिक रिकॉर्ड दर्ज हैं. उनके कुल 21 रिकॉर्ड में 11 गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड, 8 इंडिया बुक ऑफ़ रिकॉर्ड्स, और एशिया व वर्ल्डवाइड बुक ऑफ़ रिकॉर्ड्स में एक–एक रिकॉर्ड शामिल हैं. इससे पहले यह रिकॉर्ड महाराष्ट्र के 14 वर्षीय गणित के प्रतिभाशाली आर्यन शुक्ला के नाम था, जिनके पास 18 वर्ष से कम उम्र में 6 गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड थे.

आधुनिक भारत की नई पीढ़ी का प्रतीक

उन्होंने बताया कि जानवी की यात्रा इसलिए और प्रेरणादायक है क्योंकि उन्होंने बिना औपचारिक कोचिंग, बिना विशेष सुविधाओं और सीमित संसाधनों के, सिर्फ ऑनलाइन सामग्री को अपनी पर्सनल कोचिंग अकादमी बनाकर खुद को विश्वस्तरीय फ्रीस्टाइल स्केटर तैयार किया. वह आधुनिक भारत की उस नई पीढ़ी का प्रतीक हैं, जिसके लिए ज्ञान सीमाहीन है और जुनून उसकी सबसे बड़ी शक्ति. इस साल जुलाई में जानवी को पांच गिनीज रिकॉर्ड की पुष्टि मिली थी, जिनमें 30 सेकंड में 27 स्पिन, 8.85 सेकंड में दो–पहिया स्लैलम (20 कोन्स), 30 सेकंड में 42 एक–पहिया स्पिन, एक मिनट में 72 एक–पहिया स्पिन और लगातार 22 एक–पहिया स्पिन शामिल है.

Helpline

पुलिस स्टेशन

बाग-ए-बहू	2459777
बख्शी नगर	2580102
बस स्टैंड	2575151
शहर	2543688
गांधी नगर	2430528
गंग्याल	2482019
नौबाद	2571332
पक्का डांगा	2548610
रेलवे स्टेशन	2472870
सैनिक कॉलोनी	2462212
सतवारी	2430364
चन्नी हिम्मत	2465164
ट्रांसपोर्ट नगर	2475444
त्रिकुटा नगर	2475133
गांधी नगर	2459660
एसएसपी शहर	2561578
एसपी शहर उत्तर	2547038
एसपी दक्षिण	2433778

सार्वजनिक उपयोगिता सेवाएँ

इंडियन एयर लाइन्स	
शहर कार्यालय	2542735
एयर पोर्ट	2430449
जेट एयर वेज़	2453999
सिटी ऑफिस	2573399

रेलवे

रेलवे पूछताछ	131, 132, 2476407
बुकिंग	2470318
आरक्षण	2470315

पब्लिक हेल्थ इंजीनियरिंग स्टेशन

बख्शी नगर	2543557
गांधी नगर	2430786
कंपनी बाग	2542582
नया प्लॉट	2573429
पंजतीर्थी	2547537

दूरसंचार विभाग

डायरेक्टरी पूछताछ	197
फॉल्ट रिपेयर	198
ट्रंक बुकिंग	180
बिलिंग शिकायत	2543896

जम्मू नगर पालिका

जं. लाइन्स	2578503
प्रशासन अधिकारी	2542192
स्वास्थ्य अधिकारी	2547440

डाक सेवाएँ

मुख्य डाकघर शहर	2543606
गाँधी नगर	2435863

अग्निशमन सेवाएँ

नियंत्रण कक्ष	101,132, 2476407
शहर	2544263
गाँधी नगर	2457705
नहर	2554064
गंग्याल	2480026

रसोई गैस डीलर

चिनाब गैस	2547633
गुलमौर गैस	2430835
जैकफेड	2548297
एचपी गैस	2578456
शिवांगी गैस	2577020
तवी गैस	2548455

पावर हाउस

गाँधी नगर	2430180
नहर रोड	2554147
जानीपुर	2533828
नानक नगर	2430776
परेड	2542289
सतवारी कैंट	2452813

अस्पताल

जीएमसी अस्पताल	2584290
एस.एम.जी.एस. अस्पताल	2547635
सी.डी. अस्पताल	2577064
डेंटल अस्पताल	2544670
गांधी नगर अस्पताल	2430041
सरवाल अस्पताल	2579402
जी.बी. पंत कैंट अस्पताल	2433500
आयुर्वेदिक कॉलेज	2543661
सी.आर.पी. अस्पताल	2591105
आचार्य श्री चंदर	2662536
मानसिक अस्पताल	2577444
स्वामी विवेकानंद	2547418
ब्लड बैंक	2547637
एम्बुलेंस	2584225, 2575364
एम्बुलेंस (रेड क्रॉस)	2543739

नर्सिंग होम

मददन अस्पताल	2456727
मेडिकेयर	2435070
त्रिवेणी नर्सिंग होम	2452664
सुविधा नर्सिंग होम	2555965
अल. फिरदौस नर्सिंग होम	2545050
आस्था नर्सिंग होम	2576707
बी एन चौरिटिबल ट्रस्ट	2505310
चोपड़ा नर्सिंग होम	2573580
हरबंस सिंह मेम हॉस्पिटल	2541952
जीवन ज्योति	2576985
युद्धवीर नर्सिंग होम	2547821
मीडियाएड नर्सिंग होम	2466744
सीता नर्सिंग होम	2435007
विभूति नर्सिंग होम	2547969
रामेश्वर नर्सिंग होम	2580601
बी एन चेरिटेबल	2555631
महर्षि दयानंद	2545225

चिंतन शिविर 2025 में श्रेष्ठ जिला के कलेक्टर्स सम्मानित, ब्ड भूपेंद्र पटेल ने दिए कर्मयोगी पुरस्कार

12वें चिंतन शिविर के समापन दिवस पर प्रत्येक श्रेणी में दो कलेक्टरों और दो जिला विकास अधिकारियों सहित कुल मिलाकर चार आईआईएस अधिकारियों को वर्ष 2024-25 के लिए पुरस्कार दिए गए. इसके तहत 51 हजार रुपए का नकद पुरस्कार और जिले के विकास के लिए 40 लाख रुपए का अनुदान दिया जाता है.

नई दिल्ली

गुजरात में धरमपुर स्थित श्रीमद राजचंद्र आश्रम में आयजित तीन दिवसीय 12वें चिंतन शिविर का शनिवार को समापन हो गया. वर्ष 2024 से 2025 के दौरान उत्कृष्ट प्रशासनिक सेवाओं के लिए 4 आईएएस अधिकारियों को कर्मयोगी पुरस्कार प्रदान किए गए. इन सभी अधिकारियों को गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने पुरस्कृत किया है. मुख्यमंत्री ने उप मुख्यमंत्री हर्ष संघवी की उपस्थिति में ये पुरस्कार दिए.

गुजरात में जिन आईएएस अधिकारियों को यह कर्मयोगी सम्मान मिला है, उनमें वलसाड के तत्कालीन जिला कलेक्टर नैमेष दवे, पाटण के तत्कालीन जिला कलेक्टर अरविंद वी., मोरबी के तत्कालीन जिला विकास अधिकारी जे. एस. प्रजापति और आणंद के तत्कालीन जिला विकास अधिकारी मिलिंद बापना शामिल हैं.

इस पुरस्कार के तहत प्रत्येक पुरस्कृत को 51 हजार रुपए का नकद पुरस्कार और वे हाल में जिस जिले का प्रतिनिधित्व कर रहे हों, उस जिले के विकास के लिए 40 लाख रुपए का प्रोत्साहक अनुदान दिया गया.

प्रशासन में आधुनिक उपकरणों का उपयोग, नवीनतम योजनाओं-कार्यक्रम और अन्य मानदंडों को ध्यान में रखकर सीएम डैशबोर्ड के अंतर्गत समाविष्ट किए गए की परफॉर्मेंस इंडिकेटर (केपीआइ) के आधार पर राज्य के प्रशासन में गतिशीलता लाने एवं सर्वश्रेष्ठ कार्य करने वाले जिला कलेक्टरों और जिला विकास अधिकारियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से वर्ष 2005 से जिला कलेक्टरों/जिला विकास अधिकारियों को कर्मयोगी पुरस्कार देने की योजना शुरू की गई है.

इस योजना के तहत जिला कलेक्टरों के लिए 81 केपीआई तथा जिला विकास अधिक. ारियों के लिए 73 केपीआई तय किए गए हैं. इस योजना में श्रेष्ठ जिला कलेक्टर/श्रेष्ठ जिला विकास अधिकारी के लिए कुल 100 गुण में से विभागों तथा मुख्य सचिव द्वारा उनकी कार्यक्षमता के मूल्यांकन के आधार पर राज्य सरकार को जो भी सिफारिशें की जाती हैं, उनके आधार पर ये पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं.

इस योजना अंतर्गत दो श्रेणियों में पुरस्कार दिए जाते हैं, जिनमें एक; 15 लाख से अधिक जनसंख्या और महानगर पालिका क्षेत्र वाले जिले तथा दूसरी; 15 लाख तक की जनसंख्या वाले जिले.

338 में से 270 विमानों का सॉफ्टवेयर अपडेट, 68 बाकी, अब नहीं आएगी तकनीकी दिक्कत

नई दिल्ली

विमान कंपनियों ने अपने फैमिली प्लेन के सॉफ्टवेयर अपडेट कर दिए हैं. नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने शनिवार शाम को यह जानकारी साझा की है. अभी 68 विमानों में सॉफ्टवेयर अपडेट होना बाकी है. इन विमानों में काम चल रहा है. डीजीसीए के मुता. बिक, 80 परसेंट से ज्यादा विमानों में जरूरी बदलाव किए गए हैं. अब ये विमान पहले से ज्यादा अपडेट और मजबूत हो चुके हैं.

डीजीसीए की मानें तो, एयर इंडिया के 113 में से 69 विमान अपग्रेड हो चुके हैं. इंडिगो के अब तक 184 विमान अपग्रेड हो चुके हैं. एयर इंडिया एक्सप्रेस के 25 में से 17 अपग्रेड हुए हैं. विमान कंपनियों का कहना है कि सभी विमान आज रात तक पूरी तरह से अपग्रेड हो जाएंगे. वहीं एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस ने शनिवार को ए320 फैमिली प्लेन का सॉफ्टवेयर अपडेट करना शुरू कर दिया, ताकि फ्लाइट कंट्रोल में संभावित दिक्कत को ठीक किया जा सके. इस काम की वजह से फ्लाइट में देरी हुई और कुछ फ्लाइट कैंसिल भी हुईं हैं.

फ्लाइट कंट्रोल से जुड़ी दिक्कतों को किया जा रहा ठीक

एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) के लेटेस्ट डेटा में, इंडिगो और एयर इंडिया ने कोई फ्लाइट कैंसिल नहीं की, जबकि एयर इंडिया एक्सप्रेस ने सिस्टम में बदलाव की वजह से चार फ्लाइट कैंसिल कीं. हालांकि सूत्रों ने बताया कि अलग-अलग एयरपोर्ट पर फ्लाइट में 60 से लेकर 90 मिनट की देरी हुई है. डीजीसीएके डेटा के मुताबिक, इंडियन एयरलाइंस के ऑपरेट किए जाने वाले ए320 फैमिली एयरक्राफ्ट को फ्लाइट कंट्रोल से जुड़ी संभावित दिक्कतों को ठीक करने के लिए सॉफ्टवेयर अपग्रेड की जरूरत है, और प्रभावित फ्लीट के 80 परसेंट में बदलाव किए जा चुके हैं.

इन शहरों में विमानों के सॉफ्टवेयर हो रहे अपग्रेड

इंडिगो, एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस फ्रांसीसी कंपनी एयरबस के ए320 विमानों का इस्तेमाल करती हैं.

सॉफ्टवेयर अपडेट करने का काम दिल्ली, बेंगलुरु, मुंबई, चेन्नई, हैदराबाद, अहमदाबाद और कोलकाता स्थित एयरलाइन कंपनियों के बेस पर चल रहा है. इन सभी विमान कंपनियों ने हाल ही में प्लेनों में आई खराबी के बाद यह कदम उठाया है. इस साल के अंत तक सभी विमान कंपनियां अपने प्लेनों को पूरी तरह से अपग्रेड कर लेगी. जिससे आने वाले दिनों में यात्रियों को किसी भी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा.

ऑपरेशन सिंदूर से खौफ में पाकिस्तान, 72 टेरर लॉन्चपैड को बॉर्डर एरिया से किया शिफ्ट

नई दिल्ली

ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान फूंक-फूंककर कदम उठा रहा है. उसने छह दर्जन से अधिक टेरर लॉन्चपैड पाकिस्तान के "डेप्थ एरिया" में शिफ्ट दिया है. पाकिस्तान ने सर्दियों के दौरान घुसपैठ का ब्लूप्रिंट तैयार किया है. जम्मू में अंतरराष्ट्रीय सीमा और लाइन ऑफ कंट्रोल से घुसपैठ के लिए 72 लॉन्च पैड सक्रिय हैं. इन सभी लांच पैड्स का इस्तेमाल जरूरत पड़ने पर होता है. इन सभी लॉन्च पैड्स का इस्तेमाल सभी आतंकी संगठन कर रहे है.

दूसरी ओर, बीएसएफ ने दावा किया है कि पाकिस्तान सरकार में ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान के रेंजर्स और सेना को सभी लॉन्च पैड इन डेप्थ इलाकों (रिहायशी इलाकों) में शिफ्ट करने के निर्देश दिए है. घने कोहरे का फायदा उठा कर पाकिस्तान घुसपैठ करने की फिराक में हैं.

डेप्थ एरिया से काम कर रहे हैं आतंकी

बीएसएफ के सीनियर अधिकारियों ने शनिवार को कहा कि अगर सरकार क्रॉस-बॉर्डर ऑपरेशन फिर से शुरू करने का फैसला करती है, तो फोर्स दुश्मन को भारी नुकसान पहुंचाने के लिए तैयार है. हालांकि, उन्होंने कहा कि बीएसएफ 7-10 मई तक चार दिनों की झड़पों के बाद मिलिट्री एक्शन में रोक का सम्मान कर रही है.

बीएसएफ के आला अधिकारी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान बीएसएफ के बॉर्डर पर कई आतंकी लॉन्चपैड तबाह कर दिए थे. उसके बाद पाकिस्तान सरकार ने ऐसी सभी

जगहों को डेप्थ एरिया में शिफ्ट कर दिया. करीब 12 लॉन्चपैड सियालकोट और जफरवाल के डेप्थ एरिया से काम कर रहे हैं, जो असल में बॉर्डर पर नहीं हैं.,

बीएसएफ के डीआईजी विक्रम कुंवर ने कहा कि इसी तरह, बॉर्डर से दूर दूसरे डेप्थ एरिया में 60 लॉन्चपैड काम कर रहे हैं. कुंवर ने ठैध के प्ळ, जम्मू फ्रंटियर, शशांक आनंद और क्ब्ळ कुलवंत राय शर्मा के साथ मिलकर एक जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस की, जिसमें 2025 में फोर्स की कामयाबियों को बताया गया, जिसमें ऑपरेशन सिंदूर में इसकी भूमिका भी शामिल थी, जो 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए 26 लोगों के नरसंहार पर भारत का मिलिट्री जवाब था.

बीएसएफ ने तेज की गश्त

ऑफिसर ने कहा कि इन लॉन्चपैड्स के आंकड़े, साथ ही उनमें मौजूद आतंकवादियों के आंकड़े बदलते रहते हैं. उन्होंने कहा कि वे वहां हमेशा नहीं रहते. डीआईजी कुंवर ने बताया कि ये लॉन्चपैड आम तौर पर तब एक्टिव होते हैं जब आतंकवादियों को (भारत में) भेजना होता है. उन्हें दो या तीन से ज्यादा ग्रुप में नहीं रखा जाता है. उन्होंने बताया कि अभी इंटरनेशनल बॉर्डर के पास के इलाकों में कोई ट्रेनिंग कैंप नहीं है.

रिपोर्ट में आम तौर पर कहा जाता है कि लॉन्चपैड में तैनाती होती है, जो आतंकवादियों को दूसरे इलाकों में ले जाने से पहले ट्रेनिंग का इशारा है.

वरिष्ठ अधिकारी का कहना है कि पहले, उनके पास ऐसे इलाके मार्क होते थे, जहां जैश-ए-मोहम्मद के लोग नीचे की तरफ एक्टिव होते थे, और लश्कर-ए-तैयबा के लोग ऊपर की तरफ एक्टिव होते थे. ऑपरेशन सिंद. ूर के बाद, उन्होंने एक मिला-जुला ग्रुप बना लिया है.

कुछ भारतीय लोग हमारी अपनी भाषाएँ नहीं जानते : आरएसएस प्रमुख भागवत

सबका जम्मू कश्मीर

नागपुर : आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को भारतीय भाषाओं और मातृभाषाओं के घटते इस्तेमाल पर चिंता जताई और कहा कि स्थिति ऐसी हो गई है कि ष्कुछ भारतीय लोग अपनी भाषाएँ नहीं जानतेष्।

नागपुर में एक पुस्तक विमोचन समारोह में बोलते हुए, भागवत ने समाज से भाषाई विरासत के क्षरण पर आत्मचिंतन करने की अपील की। ध्द्धन्होंने कहा,

ष्एक समय था जब पूरा संचार, आदान-प्रदान, दैनिक कार्य संस्कृत में होता था। अब, कुछ अमेरिकी प्रोफेसर हमें संस्कृत पढ़ाते हैं, जबकि वास्तव में हमें इसे दुनिया को सिखाना चाहिए था। आज बहुत से बच्चे कुछ बहुत ही बुनियादी और सरल शब्द नहीं जानते हैं और अक्सर घर पर अपनी मातृभाषा और अंग्रेजी के मिश्रण में बात करते हैं।ष्

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख ने कहा, ष्स्थिति ऐसी हो गई है कि कुछ भारतीय लोग अपनी भारतीय भाषाएँ नहीं जानते।ष्

उन्होंने कहा कि अंग्रेजी माध्यम की शिक्षा इसके लिए ज़िम्मेदार नहीं है, लेकिन घर पर भारतीय भाषाएँ बोलने की अनिच्छा स्थिति को और बिगाड़ रही है।

उन्होंने कहा, ष्अगर हम अपने घर में अपनी भाषा ठीक से बोलें, तो चीजें बेहतर होंगी। लेकिन हम ऐसा नहीं करते।ष्

भागवत ने कहा कि अब संत भी अंग्रेजी में बात करते हैं, जो समझ में आता है, लेकिन यह अब भी बदलती भाषाई प्राथमिकताओं का संकेत है।

संत ज्ञानेश्वर का ज़िक्र करते हुए उन्होंने कहा कि संत समाज की बेहतर समझ के लिए भगवद गीता के ज्ञान को मराठी में लेकर आए। उन्होंने कहा, "अब समस्या यह है कि अंग्रेजी भाषा में पर्याप्त शब्द नहीं हैं जो हमारी भाषाओं में व्यक्त विचारों या अवधारणाओं के सार और गहराई को पकड़ सकें।

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

अमेरा में आदिवासियों पर लाठीचार्ज की किसान सभा ने की निंदा, कहा पेसा व वनाधिकार कानून का खुला उल्लंघन, भाजपा सरकार जिम्मेदार

सबका जम्मू कश्मीर

कोरबा। छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले स्थित अमेरा एसईसीएल कोयला खदान विस्तार परियोजना के विरोध में आंदोलनरत परसोड़ी कलां गांव के आदिवासी ग्रामीणों पर हुए लाठीचार्ज और आंसू गैस के गोले छोड़ने की घटना की अखिल भारतीय किसान सभा से संबद्ध छत्तीसगढ़ किसान सभा ने कड़ी निंदा की है। संगठन ने इस कार्रवाई को संवैधानिक अधिकारों का हनन बताया है और संबंधित अधिकारियों एवं दोषी पुलिसकर्मियों पर तत्काल कार्यवाही की मांग की है।

किसान सभा के प्रदेश संयुक्त सचिव प्रशांत झा ने कहा कि पेसा कानून और वनाधिकार अधिनियम के तहत अनुसूचित क्षेत्रों में भूमि अधिग्रहण और खनन शुरू करने से पहले ग्रामसभा की लिखित सहमति अनिवार्य है। उन्होंने आरोप लगाया कि इन प्रावधानों की अनदेखी करते हुए एसईसीएल कोल बेयरिंग एक्ट के नाम पर गैर–कानूनी तरीके से भूमि अधिग्रहण का दावा कर रहा है।

झा ने आगे आरोप लगाया कि ग्रामीणों को खदेड़ने के लिए पुलिस ने शांतिपूर्ण धरनास्थल और झोपड़ियों को तोड़ा, किसानों की फसल जलाने की कोशिश की और दमनात्मक कदम उठाए, जिससे टकराव की स्थिति बनी।

किसान सभा के जिला सचिव दीपक साहू ने बताया कि यह पहला मामला नहीं है। इससे पहले हसदेव अरण्य, परसा कोल ब्लॉक और रायगढ़ क्षेत्र में भी फर्जी ग्रामसभाओं और पुलिस बल के सहारे पेड़ों की कटाई और खनन गति. विधियों को आगे बढ़ाया गया है। उन्होंने कहा कि कोरबा के गेवरा मेगा प्रोजेक्ट में भी विरोध कर रहे भू–विस्थापितों पर बर्बर लाठीचार्ज किया गया था और जिला प्रशासन की मौजूदगी में बिना एनओसी पेड़ों की कटाई जारी है।

संगठन ने आरोप लगाया है कि भाजपा सरकार प्रदेशभर में कॉर्पोरेट हितों की रक्षा के लिए दमन का सहारा ले रही है, लेकिन इससे जनविरोधी नीतियों के खिलाफ आंदोलन और तेज होगा।

किसान सभा नेताओं ने कहा कि एक ओर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पेसा कानून के सख्त पालन की बात कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर एसईसीएल और जिला प्रशासन खुले तौर पर संवैधानिक प्रावधानों का उल्लंघन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि खनन के नाम पर आदिवासियों को विस्थापित करने की मुहिम से भाजपा सरकार का दोहरा चरित्र उजागर हो गया है।

किसान सभा ने मांग की है कि सरकार तुरंत पेसा और वनाधिकार कानूनों का उल्लंघन कर संचालित सभी खनन परियोजनाओं को रोके तथा अमेरा खदान विस्तार परियोजना पर तत्काल रोक लगाई जाए।

संगठन ने यह भी बताया कि किसान सभा और सहयोगी संगठनों का एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल जल्द ही अमेरा पहुंचकर स्थिति का आकलन करेगा और प्रदेशव्यापी आंदोलन की रणनीति तैयार करेगा।

ब्रिगेडियर उस्मान प्रीमियर लीग में युवाओं का चमका हुनर, सिख क्रिकेट क्लब और स्टेडियम क्रिकेट क्लब की जीत

सबका जम्मू कश्मीर

नौशहरा, सीमावर्ती क्षेत्र के युवा ब्रिगेडियर उस्मान प्रीमियर लीग के माध्यम से अपने क्रिकेट कौशल को नई पहचान दे रहे हैं। भारतीय सेना के ऑपरेशन सद्भावना के तहत नौशहरा ब्रिगेड की देखरेख में लाम बटालियन द्वारा आयोजित इस टूर्नामेंट में युवाओं का उत्साह देखने लायक है। मैदान पर न सिर्फ खिलाड़ी बल्कि बड़ी संख्या में दर्शक भी पहुंच रहे हैं और खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ा रहे हैं। शुक्रवार को खेले गए पहले मैच में लाम क्रिकेट क्लब और सिख क्रिकेट क्लब आमने–सामने हुए। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए सिख क्रिकेट क्लब ने 15 ओवर में 106/8 रन बनाए। जवाब में लाम क्रिकेट क्लब केवल 10.4 ओवर में 47 रन पर ऑल आउट हो गया। इस प्रकार सिख क्रिकेट क्लब ने मैच 59 रनों से जीत लिया। शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए बहादुर सिंह को मैन ऑफ द मैच चुना गया।

दूसरा मैच स्टेडियम क्रिकेट क्लब और राजौरी बुल्स के बीच खेला गया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए राजौरी बुल्स ने 14 ओवर में 122/6 रन बनाए। टीम के देर से पहुंचने के कारण एक ओवर कम हुआ। लक्ष्य का पीछा करते हुए स्टेडियम क्रिकेट क्लब ने 14.1 ओवर में 123/8 रन बनाकर मैच 2 विकेट से जीत लिया। उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए इफ्तिआज चौधरी को मैन ऑफ द मैच चुना गया।

कठिनाइयों के बीच कला की चमक : अंतरराष्ट्रीय पहचान बना रहे मूर्तिकार डॉ. गणेश कुमार शर्मा

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू/सांबा, कृ जम्मू–कश्मीर के प्रसिद्ध मूर्तिकार डॉ. गणेश कुमार शर्मा ने विपरीत परिस्थितियों को पीछे छोड़ते हुए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कला की दुनिया में अपनी अनूठी पहचान स्थापित की है। सांबा जिले के छोटे से गांव सनूरा में 7 अक्टूबर 1956 को जन्मे डॉ. शर्मा आज वैश्विक कला मंच पर प्रेरणा के प्रतीक माने जा रहे हैं।

1991 में एक गंभीर सड़क हादसे में स्थायी रूप से दिव्यांग हो जाने के बावजूद डॉ. शर्मा ने हार मानने के बजाय अपनी ऊर्जा को कला अभिव्यक्ति में बदल दिया। वह आज भी विश्वभर में आयोजित कला प्रदर्शनों, सेमिनारों और कला कार्यक्रमों में प्रत्यक्ष और वर्चुअल दोनों माध्यमों से सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

शिक्षा और करियर की शुरुआत

डॉ. शर्मा ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा सरकारी हाई स्कूल सनूरा से पूरी की। इसके बाद उन्होंने नेशनल ट्रेड सर्टिफिकेट (पेंटर जनरल ट्रेड) किया और फिर कला के प्रति अपने जुनून ने उन्हें इंस्टीट्यूट ऑफ म्यूज़िक एंड फाइन आर्ट्स, जम्मू तक पहुँचाया, जहाँ उन्होंने मूर्तिकला में प्रथम वर्ष की डिग्री कक्षा पास की।

उनकी प्रतिभा और कला साधना को देखते हुए वर्ष 1981 में उन्हें जम्मू–कश्मीर सरकार के तकनीकी शिक्षा विभाग में नियुक्ति मिली।

राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित

कला के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए वर्ष 1998 में भारत सरकार, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय की ओर से उन्हें राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा विश्व दिव्यांग दिवस पर प्रदान किया गया था।

इसके अतिरिक्त, जम्मू–कश्मीर सरकार और पंजाब ललित कला अकादमी सहित कई प्रमुख राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संस्थानों ने डॉ. शर्मा को पुरस्कृत किया है।

कला प्रदर्शनी और उपलब्धियाँ

मार्बल, ग्रेनाइट और लकड़ी जैसे कठिन माध्यमों में मूर्तिकला रचने में दक्ष डॉ. शर्मा की कलाकृतियाँ उनकी कला साधना और धैर्य को अभिव्यक्त करती हैं। अब तक वह 25 व्यक्तिगत प्रदर्शनियों का आयोजन कर चुके हैं, जबकि सैकड़ों समूह प्रदर्शनों में उनकी रचनाएँ भारत और विदेश में प्रदर्शित हो चुकी हैं। उनकी मूर्तियाँ आज कई सरकारी एवं निजी संग्रहालयों और दीर्घाओं में संरक्षित हैं।

45 वर्ष की निरंतर कला यात्रा

कला और संस्कृति के क्षेत्र में 45 से अधिक वर्षों की निरंतर सेवा के दौरान डॉ. शर्मा को अब तक 12,000 से अधिक राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मान प्राप्त हो चुके हैं, जो किसी भी भारतीय मूर्तिकार के लिए अभूतपूर्व उपलब्धि मानी जाती है।

डॉ. गणेश कुमार शर्मा आज उन कलाकारों के लिए प्रेरणा बन चुके हैं, जो जीवन की कठिन परिस्थितियों के बावजूद अपने सपनों को पूरा करने का साहस रखते हैं।

झ "संघर्ष कोई बाधा नहीं, बल्कि सफलता की पहली सीढ़ी है।" कृ डॉ. शर्मा

भाग नाले पर बना नया पुल तैयार, जल्द मिलेगा ट्रैफिक जाम से राहत

सबका जम्मू कश्मीर

मढ़ीन/हीरानगर। तहसील मढ़ीन के साथ लगते क्षेत्र भाग नाले पर तैयार हुए दूसरे पुल का उद्घाटन कल होने की संभावना जताई जा रही है। इस पुल के तैयार होने से स्थानीय लोगों को लंबे समय से चल रही ट्रैफिक समस्या से अब राहत मिलने की उम्मीद है।

जानकारी के अनुसार पुल बीआरओ द्वारा दोबारा 15 करोड़ 16 लाख रुपये की लागत से बनाया गया है। पुल को तैयार करने में लगभग दो वर्ष का समय लगा। निर्माण कार्य के दौरान कई तकनीकी चुनौतियाँ सामने आईं और कुछ लोगों द्वारा निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल भी उठाए गए थे, लेकिन बीआरओ ने कार्य को बिना रुके जारी रखा। सूत्रों के अनुसार, इस पुल का उद्घाटन करने के लिए हीरानगर के एसडीएम कार्यक्रम में शामिल होंगे।

स्थानीय लोगों का कहना है कि पुल के शुरू होने से न केवल यातायात सुगम होगा, बल्कि आपातकालीन सेवाओं और व्यावसायिक गतिविधियों को भी बड़ा लाभ मिलेगा।

डीएम राजौरी ने दुरुपयोग रोकने के लिए वीपीएन सेवाओं को तत्काल निलंबित करने का आदेश दिया

सबका जम्मू कश्मीर

राजौरी : जिला प्रशासन राजौरी ने सार्वजनिक सुरक्षा के मद्देनजर और गैरकानूनी गतिविधियों के लिए ऐसी सेवाओं के संभावित दुरुपयोग को रोकने के लिए दो महीने की अवधि के लिए जिले भर में सभी वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क (वीपीएन) सेवाओं को तत्काल निलंबित करने का आदेश जारी किया है। जिला मजिस्ट्रेट अभिषेक शर्मा द्वारा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस), 2023 की धारा 163 के तहत जारी निर्देश, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, राजौरी के एक संचार के बाद, जिले के विभिन्न क्षेत्रों में वीपीएन सेवाओं के अभूतपूर्व और संदिग्ध उपयोग की सूचना देता है।

कठुआ में विशेष रूप से सक्षम लोगों को बांटे गए निरामया स्वास्थ्य कार्ड

सबका जम्मू कश्मीर

कठुआ, कठुआ प्रशासन ने बुधवार को 23 बौद्धिक दिव्यांग व्यक्तियों को निरामया हेल्थ कार्ड वितरित किए।

यह वितरण उपायुक्त कठुआ राजेश शर्मा के दिशा–निर्देश में किया गया।

इस मौके पर उपायुक्त ने लाभार्थियों से बात. चीत की और योजना के लाभों के बारे में जानक. ारी दी।

उन्होंने कहा कि प्रशासन समाज के हर वर्ग के हित में काम कर रहा है और दिव्यांगजनों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए लगातार कदम उठाए जा रहे हैं। निरामया योजना के तहत ऑटिज्म, सेरेब्रल पाल्सी, बौद्धिक विकलांगता और बहु–विकलांगता से प्रभावित व्यक्तियों को स्वास्थ्य बीमा सुविधा मिलती है।

जिला समाज कल्याण अधिकारी वरुण चौधरी ने बताया कि इस योजना के अंतर्गत कई महत्वपूर्ण सुविधाएँ शामिल हैं, जैसेरू

ओपीडी इलाज, दवाइयाँ और पैथोलॉजी टेस्ट नियमित स्वास्थ्य जांच, दंत चिकित्सा सेवाएँ, आवश्यक सर्जरी ,अस्पताल में भर्ती और इलाज, थेरेपी और वैकल्पिक चिकित्सा, इलाज से संबंधित यात्रा खर्च इस पहल से विशेष रूप से सक्षम लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएँ मिलेंगी और उनके परिवारों को आर्थिक सहारा भी मिलेगा।

वृद्ध आश्रम जम्मू में भावपूर्ण श्रद्धांजलि समारोह; शिक्षाविद् और समाजसेवी आई.डी. सोनी को दी गई अंतिम विदाई

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू, अम्बफल्ला स्थित होम फॉर द एज्ड एंड इन्फर्म (वृद्ध आश्रम) में आज एक भावपूर्ण श्रद्धांजलि सभा और प्रार्थना समारोह आयोजित किया गया, जिसमें वरिष्ठ शिक्षाविद् तथा सुप्रसिद्ध समाजसेवी आई.डी. सोनी, पूर्व उप निदेशक, शिक्षा विभाग और होम फॉर द एज्ड एंड इन्फर्म के अध्यक्ष को नमन किया गया।

समारोह में उपस्थित सभी गणमान्य व्यक्तियों ने उनके प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं और उन्हें ऐसा व्यक्तित्व बताया, जिसने अपना संपूर्ण जीवन विनम्रता, सेवा और समाज उत्थान के लिए समर्पित किया। वक्ताओं ने कहा कि उनका मानवीय दृष्टिकोण, सरल स्वभाव और सामाजिक समर्पण आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बना रहेगा।

कार्यक्रम में विचार क्रांति मंच, सीनियर सिटिजन रीजुवनेशन सेंटर, सागर उत्थान ट्रस्ट, तवी वेलफेयर सोसाइटी, हरि प्रभु संस्था, नमी डोगरी संस्था, छब्बेद, ड ास्फ, बालग्राम चौरिटेबल होम फॉर चिल्ड्रेन, रिटायर्ड जम्मू–कश्मीर गवर्नमेंट ऑफिसर्स फोरम, हेल्पएज इंडिया, ंफ्, ऑल स्टेट कश्मीरी पंडित कॉन्फ्रेंस, कश्मीरी सहायता समिति और आशा किरण वेलफेयर सोसाइटी सहित अनेक सामा. जिक, सांस्कृतिक व साहित्यिक संगठनों के प्रति. निधियों ने भाग लेकर पुष्पांजलि अर्पित की।

समारोह में मेजर जनरल सुनीता कपूर, टैड (से.नि.), प्रो. (डॉ.) आर.डी. शर्मा, पूर्व कुलपति, जम्मू विश्वविद्यालय सहित अनेक विशिष्ट व्यक्तित्व मौजूद रहे। उनके पुत्र विनोद सोनी और पुत्रवधू भी उपस्थित रहे और उन्होंने भावुकता से उनसे जुड़ी स्मृतियाँ साझा कीं।

कार्यक्रम के दौरान जे.के. वैद (पूर्व महानिद. `शक, ळै) का संवेदनापूर्ण संदेश वृद्ध आश्रम के संरक्षक प्रेम गुप्ता द्वारा पढ़ा गया, जिसमें सोनी के जीवन आदर्शों और समाज के प्रति योगदान का उल्लेख किया गया।

सभी अतिथियों का स्वागत प्रबंध समिति सदस्य पंकज गुप्ता ने किया, जबकि समापन पर सचिव डॉ. दिनेश गुप्ता ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि उनकी स्मृति और आदर्श वृद्ध आश्रम को आगे बढ़ने की दिशा दिखाते रहेंगे।

कार्यक्रम का संचालन प्रबंध समिति सदस्य आर.सी. वैद ने गरिमापूर्ण ढंग से किया।

महापरिनिर्वाण दिवस पर कठुआ में बाबा साहब को श्रद्धांजलि, भीम आर्मी प्रदेश अध्यक्ष ने दी पुष्पांजल

सबका जम्मू कश्मीर

कठुआ, बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस के अवसर पर भीम आर्मी जम्मू–कश्मीर के प्रदेश अध्यक्ष पवन कुमार लोनी ने अपनी टीम के साथ कठुआ में श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान उन्होंने बाबा साहब की प्रतिमा पर पुष्प समर्पित कर उनके महान योगदान को याद किया। कार्यक्रम के दौरान पवन कुमार लोनी ने देशवासियों से अपील करते हुए कहा कि बाबा साहब के विचार और संदेश सिर्फ पढ़ने के लिए नहीं, बल्कि जीवन में उतारने योग्य हैं। उन्होंने कहा, ष्हम सभी को शिक्षित बनना चाहिए, संगठित रहना चाहिए और अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करना चाहिए। यही बाबा साहब का वास्तविक संदेश है। इस

मौके पर संगठन के कई पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे और उन्होंने भी बाबा साहब को नमन करते हुए सामाजिक समानता, शिक्षा और संविधान की रक्षा का संकल्प लिया।

NOTICE

This is to inform the general public that Shub Kumar, S/o Jagga Ram, R/o Chak Dhota, Tehsil Marheen, District Kathua, has applied for the issuance of Driving Licence against PB09/20220000928. If anyone has any objection regarding the issuance of the said Driving Licence, they may submit their objection in writing to the office of the concerned Licensing Authority within 7 days from the date of publication of this notice. After the expiry of the said period, no objection shall be entertained and the Driving Licence shall be issued accordingly.

कियान गुप्ता

आसमान में कोई भी तारा ऐसा नहीं हैरु
जो तुम्हारी मुस्कान से ज़्यादा चमक पाता हो।
जन्मदिन मुबारक
उसे, जिसने हमें दुनिया के सबसे गर्वित माता–पिता बनायाकृ

कियान गुप्ता
ढेर सारा प्यार,
अंजलि गुप्ता और सुनील गुप्ता
माँ और पिता

साप्ताहिक सबका जम्मू कश्मीर

"पत्रकारों की आवश्यकता"

'सबका जम्मू कश्मीर' हिंदी साप्ताहिक समाचार पत्र

के लिए जम्मू कश्मीर के सभी ज़िला के लिए पत्रकारों की आवश्यकता है इच्छुक पत्रकार संपर्क करें

योग्यताः
- पत्रकारिता में अनुभव
- उत्कृष्ट लेखन और संपादन कौशल
- सोशल मीडिया घराने में काम करने का अनुभव

अपना बायोडाटा ई.मेल करें
sabkajammukashmir@gmail.com
संपर्क नंबर :
6005134383

नाम परिवर्तन, तहसीलदार नोटिस, शोक संदेश, गुमशुदा सूचना, बेदखली, हुडा नोटिस, वैवाहिक, सार्वजनिक सूचना इत्यादि विज्ञापन

MOB:- +91 60051-34383, +91 87170 07205

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

कठुआ में चंद्रशेखर आजाद के जन्मदिन पर भीम आर्मी भारत एकता मिशन का कार्यक्रम, युवाओं ने थामा संगठन का दामन

सबका जम्मू कश्मीर

कठुआ, : भीम आर्मी भारत एकता मिशन के संस्थापक और उत्तर प्रदेश की नगीना लोकसभा सीट से सांसद चंद्रशेखर आजाद के जन्मदिन के अवसर पर जिला कठुआ में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में युवा शामिल हुए और संगठन से जुड़कर अपने समर्थन का इज़हार किया।

तहसील नगरी में आयोजित इस कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष पवन लोनी ने सांसद चंद्रशेखर आजाद को जन्मदिन की बधाई देते हुए कहा कि संगठन, उनके संघर्ष और मिशन को आगे बढ़ाते हुए समाज को जागरूक करने का काम जारी रखेगा। उन्होंने कहा कि चंद्रशेखर आजाद जिस राह पर चल रहे हैं, उसे और मजबूत बनाने का प्रयास किया जाएगा।

इस अवसर पर जिला प्रधान राकेश कुमार ने युवाओं से संविधान को पढ़ने और समझने की अपील की। उन्होंने कहा कि जब समाज संविधान के अधिकारों और कर्तव्यों को समझेगा तभी वह अपने अधिकारों के लिए आवाज उठा सकेगा।

वहीं संगठन के जनरल सेक्रेटरी सुरेंद्र भक्त ने भी युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर द्वारा लिखे गए संविधान का अध्ययन और पालन करना समाज के विकास और जागरूकता की दिशा में सबसे बड़ा कदम है।

उन्होंने कहा कि चंद्रशेखर आजाद के मिशन को पूरा करना संगठन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। कार्यक्रम में शामिल युवाओं ने भीम आर्मी से जुड़कर यह संदेश दिया कि भोजपूण समाज का युवा वर्ग आज भी चंद्रशेखर आजाद के साथ खड़ा है।

कार्यक्रम में सुरिंदर बोग़ल रणजीत कुमार गुलशन जोगिंदर पाल उपस्थित रहें जबकि

इस मौके पर अंतरिक्ष कुमार, मेहर सिंह, शमशेर सिंह, अमित कुमार, रोहित कुमार, अरुण कुमार व नरिंदर बोगल भीम आर्मी का दामन थामा।

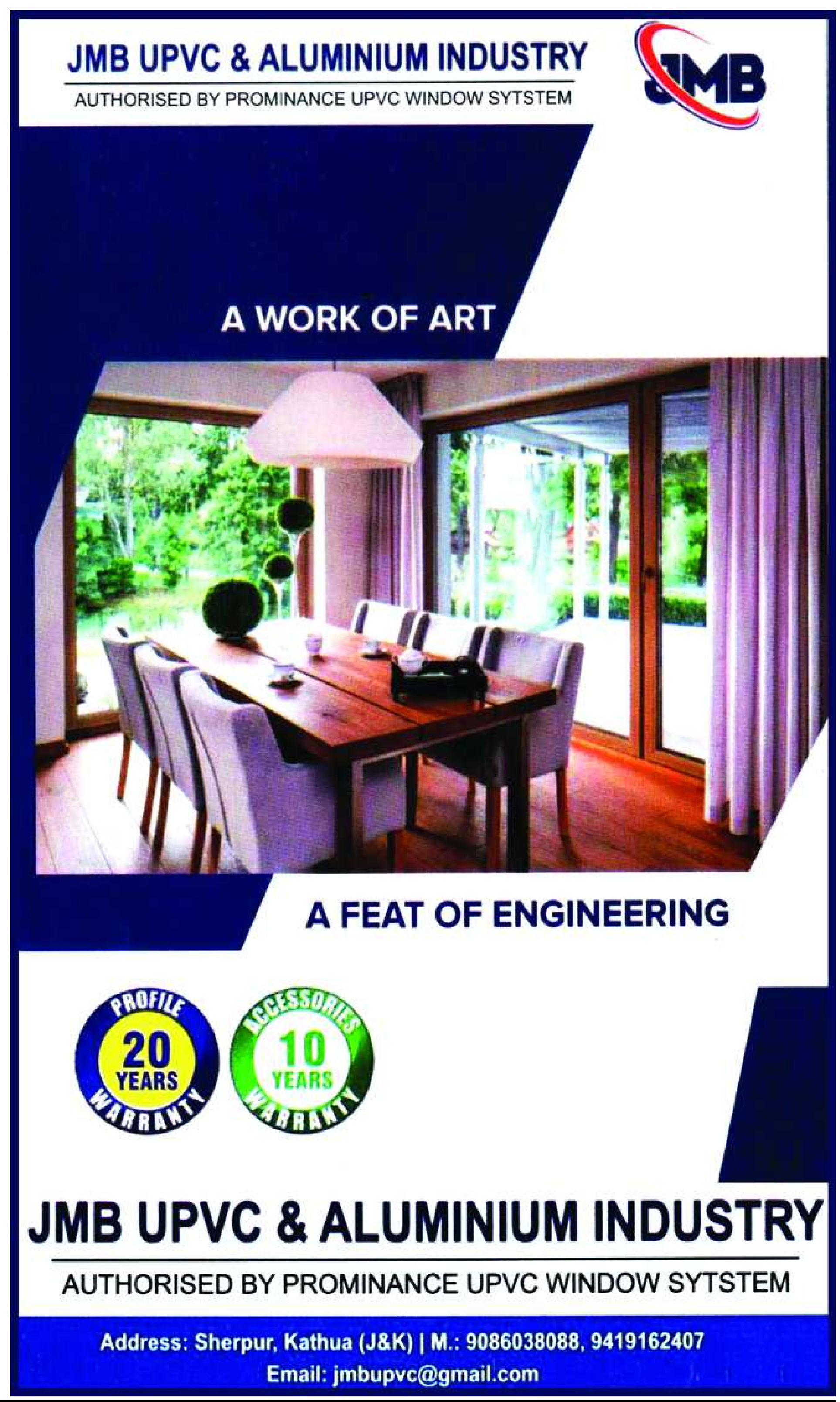

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशकः राज कुमार द्वारा एम/एस डी. आर प्रिंटिंग प्रेस, बैन बजाल्ता, तहसील जम्मू से मुद्रित एवं नगरी पैरोल नगरी, जिला कठुआ, जम्मू और कश्मीर पिन.कोड नं: 184151 । संपादकः राज कुमार